THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 41 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **वैशाख शु.10 2080 रविवार, 30 अप्रैल 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद * **पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये**

मुंबई एयरपोर्ट पर 18 किलोग्राम सोना बरामद

मुंबई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। सीमा शुल्क विभाग (डीआरआई) ने मुंबई एयरपोर्ट पर 18 किलोग्राम सोना बरामद किया है। इस सिलसिले में नौ विदेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बरामद सोने की कीमत 10 करोड़ रुपये आंकी गई है। डीआरआई को केनिया एयरवेज के विमान से सोने के साथ इन महिलाओं के आने की जानकारी मिली थी। इनके मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचते ही सामान की तलाशी ली गई। तलाशी में 18 किलोग्राम सोना बरामद हुआ।

इन महिलाओं की पहचान अर्दो नूर, शुक्री फराह, केरो जामा, हबीबा उमर, एबला अब्दुलाही, अनाब मुहम्मद, अनीसा मुबारक, इसनीना यूसुफ, जैनब महमूद के रूप में हुई है। सभी आरोपित कपड़ा बिक्री के धंधे से जुड़ी हैं। इनकी उम्र 26 से 47 साल के बीच है। उल्लेखनीय है पिछले सप्ताह मुंबई एयरपोर्ट पर डीआरआई ने 10 करोड़ रुपये का सोना बरामदकर 18 विदेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया था।

क्या पीएम मोदी को टक्कर देने के मामले में

राहुल गांधी से आगे निकल गई हैं प्रियंका गांधी सर्वे में हुआ ये बड़ा खुलासा

31 प्रतिशत ने नकार दी प्रियंका की दावेदारी

बेंगलूरू, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी की वजह से कोर्ट से सजायाफ्ता होने के बाद राहुल गांधी अपनी लोकसभा सदस्यता गंवा चुके हैं। ऐसे में गांधी परिवार के साथ ही कांग्रेस के राजनीतिक भविष्य पर बड़ा सवालिया निशान लग गया है। लेकिन अगर उन्हें राहत नहीं मिली तो क्यो होगा। क्या तब प्रधानमंत्री के चेहरे के लिए कांग्रेस को प्रियंका गांधी को प्रोजेक्ट करके आगे बढ़ना चाहिए। इस मुद्दे पर सी वोटर ने सर्वे करके जनता की राय जानी, जिसमें कई दिलचस्प परिणाण सामने आए। सी वोटर के ऑल इंडिया त्वरित सर्वे में 4,890 लोगों से बात कर उनकी राय ली गई। दावा है कि इस सर्वे में मार्जिन ऑफ एरर प्लस माइनस 3 से 5 फीसदी रहा। सर्वे में हैरतनाक जानकारी सामने आई कि अब लोग राहुल गांधी के बजाय उनकी छोटी बहन प्रियंका गांधी को पीएम पद के लिए बेहतर उम्मीदवार मान रहे हैं। इस सर्वे में 43 लोगों ने इस बात पर सहमति जताई कि कांग्रेस को अब प्रियंका गांधी के नेतृत्व में आगे बढ़ना चाहिए।

सर्वे में 31 फीसदी लोगों ने न के रूप में जवाब देते हुए प्रियंका गांधी की दावेदारी नकार दी। यानी कि वे राहुल गांधी की तुलना में प्रियंका गांधी की उम्मीदवारी को बेहतर नहीं मानते। वहीं 26 फीसदी लोगों ने कोई स्पष्ट राय प्रकट करने से इनकार कर दिया।

स्रोत- सी वोटर
हां - 43 प्रतिशत
नहीं-31 प्रतिशत
पता नहीं- 26 प्रतिशत

सवाल से बचते रहे हैं राहुल गांधी

बताते चलें कि राहुल गांधी समेत खुद कांग्रेस पीएम पद की दावेदारी को लेकर असमंजस में रही है। राहुल गांधी से कई अवसरों जब पीएम पद की दावेदारी पर सवाल किया गया तो वे इस मुद्दे पर बोलने से बचते नजर आए। पिछले महीने ब्रिटेन दौरे पर पहुंचे राहुल गांधी से जब अगले साल के आम चुाव में पीएम की दावेदारी पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट बोलने से बचते हुए कहा कि यह चर्चा का विषय नहीं है। फिलहाल विपक्ष का सबसे बड़ा मुद्दा देश में बीजेपी और आरएसएस को हराना है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव

कांग्रेस में शामिल हुईं फिल्म स्टार शिवराजकुमार की पत्नी गीता

बेंगलुरु, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के फिल्मी सितारे शिवराजकुमार की पत्नी गीता शिवराजकुमार जनता दल (एस) छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गईं। गीता कन्नड़ फिल्मों के दिग्गज अभिनेता दिवंगत राजकुमार की पुत्रवधू और पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एस बंगारप्पा की पुत्री हैं। उन्हें प्रदेश अध्यक्ष डी के शिवकुमार, पार्टी प्रवक्ता गौरव वल्लभ और उनके (गीता के) छोटे भाई मधु बंगारप्पा की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल किया गया। मधु बंगारप्पा सोराबा क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। गीता के दूसरे भाई और पूर्व मंत्री कुमार बंगारप्पा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में हैं। वह सोराबा से भाजपा के उम्मीदवार हैं। कांग्रेस में शामिल होने के बाद गीता ने कहा, 'मैं ऐसा करके बहुत प्रसन्न हूं। कांग्रेस एक ऐतिहासिक पार्टी है, जिसने मेरे पिता को मुख्यमंत्री बनाया था।' उन्होंने कहा कि वह कनकपुरा क्षेत्र में शिवकुमार के लिए और सोराबा में अपने भाई मधु के लिए प्रचार करेंगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा वह पार्टी के निर्देश पर प्रचार करेंगी। गीता ने 2014 का लोकसभा चुनाव जद (एस) उम्मीदवार के रूप में शिवमोगा से लड़ा था, लेकिन वह हार गई थीं। गीता और शिवकुमार दोनों ने संकेत दिया कि विधानसभा चुनाव से पहले, आने वाले दिनों में शिवराजकुमार भी कांग्रेस के लिए प्रचार करेंगे। पूर्व मंत्री और जद (एस) नेता बी बी निंगैया भी आज कांग्रेस में शामिल हो गए। जद (एस) ने निंगैया को शुरू में मुदिगेरे विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया था, लेकिन बाद में पार्टी ने मौजूदा विधायक एमपी कुमारस्वामी को टिकट दे दिया। कुमारस्वामी को उनकी पार्टी भाजपा ने टिकट नहीं दिया था।

काजल हिंदुस्तानी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मुंबई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई से सटे मीरारोड क्षेत्र में हेट स्पीच देने एवं सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाला भाषण देने का मुकदमा दर्ज किया गया है। दरअसल, 12 मार्च को सकल हिंदू समाज के तत्वाधान में हिंदू आक्रोश मोर्चा का आयोजन किया गया था। इस समारोह में लगभग 5 हजार व्यक्तियों की भीड़ एसके स्टोन ग्राउंड तक आई थी, उसी कार्यक्रम में काजल हिंदुस्तानी ने भाषण दिया था। प्रारंभिक तहकीकात के पश्चात पुलिस ने धारा 153 ए और 505 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। मीरारोड पुलिस स्टेशन ने अपनी तफ्तीश में काजल हिंदुस्तानी के स्पीच को हेट स्पीच एवं सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने वाला पाया है। सकल हिंदू समाज की ओर से आयोजित ये आक्रोश मोर्चा लव जेहाद विषय पर किया गया था। मीरारोड के गोल्डेंट नेस्ट से होता हुआ ये प्रदर्शन एस के स्टोन तक पहुंचा था। तत्पश्चात, यहां समारोह में प्रमुख वक्ता के रूप में आईं काजल हिंदुस्तानी ने भाषण दिया था। वही मामले की खबर देते हुए डीसीपी जयंत बजबले ने बताया कि इस मामले संज्ञान लेते हुए पुलिस ने मामले को तफ्तीश आरम्भ की तथा जब पुलिस के पास पुख्ता जानकारी मिल गई। उसके पश्चात ही हमने एफआईआर दर्ज की है। मामले की तफ्तीश आगे की जा रही है तथा नियमबद्ध तरीके से आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शराब माफिया के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

600 लीटर से ज्यादा अवैध शराब जब्त, 108 आरोपियों पर केस दर्ज

शहडोल, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। शहडोल पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अवैध शराब माफिया के खिलाफ पुलिस ने एक दिवसीय अभियान चलाकर भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त की साथ ही करीब 108 आरोपियों पर मामला दर्ज किया है। इन आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने लगभग 600 लीटर से अधिक शराब जब्त की, जिसकी कीमत 67 हजार से अधिक बताई जा है। जिले भर के थाना क्षेत्रों में शराब माफिया के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 565 लीटर कच्ची शराब, और 40 लीटर देशी शराब जब्त की गई है। वहीं, अवैध शराब के धंधे से जुड़े 108 लोगों पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। कोतवाली पुलिस ने नौ, थाना सोहागपुर में 10, थाना गोहपारू में सात, थाना सिंहपुर में 10, थाना खैरहा में सात, थाना धनपुरी में आठ, थाना बुढार में 11, थाना अमलाई में नौ, थाना जयसिंहनगर में सात, थाना ब्यौहारी में नौ, थाना जैतपुर में आठ, थाना देवलोंद में पांच, थाना पपौंध में पांच और थाना सीधी में तीन स्थानों पर दबिश देकर कुल 108 आरोपियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

युवा कांग्रेस अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी की मुश्किल बढ़ी

ट्रांजिट जमानत याचिका खारिज

बेंगलुरु, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। युवा कांग्रेस की निष्कासित नेता अंगकिता दत्ता के उत्पीड़न मामले में भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी। की मुश्किल बढ़ गई है। बेंगलुरु की एक स्थानीय अदालत ने श्रीनिवास की ट्रांजिट अग्रिम जमानत खारिज कर दी। श्रीनिवास पर असम की एक युवा कांग्रेस नेता अंगकिता दत्ता ने उत्पीड़न और लैंगिक भेदभाव का आरोप लगाया है। उन्हें दो मई को पूछताछ के लिए असम पुलिस के सामने पेश होने के लिए कहा गया है।

कांग्रेस नेता श्रीनिवास ने बेंगलुरु के अतिरिक्त सिटी सिविल और सत्र न्यायालय के समक्ष याचिका दायर कर ट्रांजिट जमानत की मांग की थी ताकि वह जमानत के लिए न्यायिक अदालत का दरवाजा खटखटा सके। लेकिन न्यायाधीश केएस ज्योतिश्री ने उनकी याचिका खारिज कर दी। अंगकिता दत्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील फणींद्र ने कहा कि आरोपी (श्रीनिवास) पहले ही इस मामले में गौहाटी हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा चुका है, लेकिन दावा किया कि उसने किसी अन्य अदालत का दरवाजा नहीं खटखटाया है। वकील ने तर्क दिया कि श्रीनिवास प्रभावशाली व्यक्ति हैं, इसलिए जमानत दिए जाने पर सबूत नष्ट कर सकते हैं। फणींद्र ने कहा कि श्रीनिवास पर गंभीर अपराध के आरोप लगे हैं, इसलिए हिरासत में पूछताछ की जरूरत है। वहीं, श्रीनिवास के वकील और वरिष्ठ अधिवक्ता शशिकिरण शेट्टी ने तर्क दिया कि शिकायतकर्ता (अंगकिता) की राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के साथ सांठगांठ है और उसने राजनीतिक द्वेष से प्रभावित होकर आरोप लगाए हैं।

जेट एयरवेज को फिर झटका, सीईओ संजीव कपूर ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। जेट एयरवेज के सीईओ संजीव कपूर ने बंद हो चुकी एयरलाइंस से इस्तीफा दे दिया है। बता दें कि वह पिछले साल अप्रैल में मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में एयरलाइन से जुड़े थे। सूत्रों के मुताबिक शुक्रवार को संजीव कपूर ने एयरलाइन में आखिरी दिन काम किया। फिलहाल संजीव कपूर का कोई बयान सामने नहीं आया है। दरअसल जेट एयरवेज ने अप्रैल 2019 में उड़ान बंद कर दिया था और बाद में दिवालिया घोषित कर दी गई थी। बताया जा रहा है कि कंपनी दोबारा उड़ानें शुरु करने में जुटी थीं। बता दें कि संजीव कपूर साल 2022 में इसी महीने सीईओ के पद पर जेट एयरवेज से जुड़े थे। वहीं अब एक मई से वह कंपनी को छोड़ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जालान-कालरॉक समूह (जेकेसी) ने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए कहा कि संजीव कपूर ने नोटिस पीरियड पूरा कर लिया है। दरअसल कंपनी पर काफी कर्ज होने के बाद साल 2019 में जेट एयरवेज ने उड़ानें बंद कर दी थीं। इसके बाद कंपनी दिवाला घोषित कर दी गई थी।

सीडीएस : ईरान के नजदीक आ रहे रूस और चीन सीडीएस चौहान बोले

दुनिया में तेजी से बदल रहे हालात

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने सरकार द्वारा इंजीनियर डिजाइन, डेवलेपमेंट और रक्षा उत्पादन में लिए गए नीतिगत फैसलों की जानकारी दी। नई दिल्ली में द चाणक्य डायलॉग कार्यक्रम में बोलते हुए सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि सरकार ने नई सोच के तहत कई नीतिगत फैसले लिए हैं, जिनमें इंजीनियरिंग डिजाइन में सुधार को प्रोत्साहित करना, देश में रक्षा उत्पादों के विकास और उत्पादन जैसे फैसले शामिल हैं।

रक्षा क्षेत्र में सरकार ने किए कई नीतिगत फैसले

सीडीएस चौहान ने कहा कि सरकार ने रक्षा क्षेत्र में इंडस्ट्रियल लाइसेंसिंग व्यवस्था का सरलीकरण किया है। साथ ही एफडीआई की सीमा भी बढ़ाकर 74 प्रतिशत की गई है। सरकार तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में डेडिकेटिड डिफेंस कॉरिडोर भी स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है। सीडीएस ने दुनिया भर में बन रहे सुरक्षा हालात पर कहा कि आज दुनिया तेजी से बदल रही है और नई व्यवस्था बनने में अभी समय लगेगा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ट्रांस अटलांटिक एंग्लो सैक्सन भूमि यूरोप के आसपास एकजुट नहीं हो सकी, जिसके चलते रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया। वहीं दूसरी तरफ रूस और चीन, ईरान के नजदीक आ रहे हैं।

डीबीसी कर्मचारियों को मेयर का बड़ा तोहफा

अब एक दिन की भी नहीं कटेगी सैलरी

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने इस बार जहां एमसीडी में बीजेपी को सत्ता से बेदखल कर दिया तो वहीं अब नए बदलाव भी देखने को मिल रहे हैं। इसी कड़ी में दिल्ली की मेयर डॉ। शैली ओबेरॉय ने डोमेस्टिक ब्रीडिंग चेकर्स (डीबीसी) को बड़ा तोहफा देते हुए पहली बार डीबीसी कर्मचारियों के कॉन्ट्रेक्ट को बिना ब्रेक के रिन्यू कर दिया है। इससे अब उनका एक दिन का भी वेतन नहीं कटेगा। मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल के आदेशानुसार कर्मचारियों की परेशानियों को दूर करने के लिए काम करते रहेंगे।

अप्रैल से शुरु हुआ कॉन्ट्रैक्ट

मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने डिप्टी मेयर आले मोहम्मद इकबाल और नेता सदन मुकेश गोयल के साथ आज सिविक सेंटर में महत्वपूर्ण प्रेसवार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम में 3 हजार से अधिक डीबीसी कर्मचारी हैं। अभी तक जब भी डीबीसी कर्मचारियों का कॉन्ट्रेक्ट हर साल रिन्यू होता था तो वो कुछ अंतराल के साथ होता था। इसका मतलब डीबीसी कर्मचारियों का कॉन्ट्रेक्ट एक अप्रैल से शुरू ना होकर कुछ दिन बाद से होता था। इस वजह से उनको अप्रैल का वेतन पूरा नहीं मिल पाता था।

एक दिन की भी नहीं कटेगी सैलरी

उन्होंने कहा कि इस बार डीबीसी कर्मचारियों को हमने बड़ा तोहफा दिया है। उनका कॉन्ट्रैक्ट एक अप्रैल से शुरू किया है। इस वजह से उनकी एक दिन की भी सैलरी नहीं कटेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आदेश के अनुसार दिल्ली नगर निगम के जितने भी कर्मचारी हैं, उनकी परेशानियों को दूर करने के लिए काम करते रहेंगे। मैं भरोसा देती हूं कि कर्मचारियों के मुद्दों को सुलझाने की कोशिश करेंगे। सीएम अरविंद केजरीवाल द्वारा दी गई 10 गारंटियों में एक गारंटी कर्मचारियों से जुड़ी हुई है। कर्मचारियों की जो भी समस्याएं हमारे सामने आएंगी, उन्हें तत्काल हम दूर करते रहेंगे।

बिना ब्रेक के कॉन्ट्रेक्ट हुआ रिन्यू

नेता सदन मुकेश गोयल ने कहा कि दिल्ली नगर निगम में डीबीसी वर्कर जब से काम कर रहे हैं, तभी से उनको ब्रेक देकर कॉन्ट्रेक्ट रिन्यू किया जाता था। ऐसा पहली बार हो रहा है कि बिना ब्रेक के कॉन्ट्रेक्ट रिन्यू किया जा रहा है। मैं दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों को आश्वस्त करता हूं कि प्रत्येक विभाग के कर्मचारी का ध्यान रखा जाएगा। उनकी समस्याओं को प्राथमिकता से दूर किया जाएगा।

खिलाड़ी मेडल जीतकर आए तो घर चाय पर बुलाया अब क्यों नहीं

पहलवानों के साथ दंगल में उतरीं प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर देश के पहलवानों का धरना आज भी जारी है। पहलवानों की मांग है कि जब तक कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को गिरफ्तार नहीं किया जाता, उनका धरना खत्म नहीं होगा। आज सुबह कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी भी जंतर-मंतर पहुंची। प्रियंका ने साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और दूसरी महिला पहलवानों के साथ बात की। इस दौरान कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी मौजूद रहे। मुलाकात के बाद प्रियंका गांधी ने भी पहलवानों की मांग का समर्थन किया है। उन्होंने मांग की है कि पहले बृजभूषण सिंह को पद से हटाया जाए क्योंकि वो जांच को प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी पर साधा निशाना प्रियंका गांधी ने कहा कि जब ये खिलाड़ी मेडल जीत कर आते हैं तो सभी ट्वीट करते हैं, उनकी तारीफ करते हैं, पीएम उन्हें अपने घर पर चाय पर बुलाते हैं लेकिन आज जब ये शिकायत कर रही हैं इतने गंभीर आरोप लगा रहीं है तो पीएम उनसे बात तक नहीं कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद एफआईआर दर्ज

बता दें कि महिला पहलवानों की शिकायत और सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली के कनॉट प्लेस थाने दोनों एफआईआर दर्ज की गई है। पहली एफआईआर नाबालिग पहलवान की शिकायत पर दर्ज की गई है जिसमें पॉक्सो एक्ट भी लगाया गया है वहीं दूसरी एफआईआर 6 महिला पहलवानों की शिकायत पर दर्ज की गई है। बृजभूषण के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद पहलवानों ने इसे इंसाफ की लड़ाई में पहली जीत बताया है लेकिन पहलवानों ने साफ कर दिया है कि उनका धरना जारी रहेगा। उनकी मांग है कि बृजभूषण सिंह को तुरंत कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पद से हटाया जाए।

बृजभूषण सिंह ने क्या कहा?

यौन शोषण का आरोप झेल रहे कुश्ती संघ के मुखिया बृजभूषण शरण सिंह इस वक्त गोंडा में हैं। आज पत्रकारों ने जब उनसे एफआईआर के बारे में सवाल किया तो उन्होंने कहा कि अभी उन्हें एफआईआर की कॉपी नहीं मिली है। जब मिलेगी तब वो इस पर बोलेंगे।

बेटे को नौकरी का दिया झांसा

पूर्व सैनिक से की पांच लाख रुपये की ठगी, मुकदमा दर्ज

रेवाड़ी, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। रेवाड़ी में मॉडल टाउन थाना पुलिस ने एक पूर्व सैनिक की शिकायत पर बेटे को सरकारी नौकरी का झांसा देकर रुपये ठगने का मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित जिला महेंद्रगढ़ निवासी पूर्व सैनिक है। आरोपी ने नौकरी लगाने के नाम पर लिए गए ढाई लाख रुपये वापस लौटने से इनकार कर दिया। पूर्व सैनिक ने आरोपी पर धमकी देने का भी आरोप लगाया है। मॉडल टाउन थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को दी शिकायत में महेंद्रगढ़ जिला के गांव शोभापुर निवासी बिरेंद्र सिंह ने बताया कि वह सेना से सेवानिवृत्त है और एक पैर से दिव्यांग है। गांव देहलावास गुलाबपुरा निवासी प्रदीप कुमार से उनकी काफी समय से जान पहचान है। वर्ष-2019 में प्रदीप ने बताया कि एससीसी के तहत सीपीओ पोस्ट के लिए वेकेंसी निकली हुई है। आरोपी ने उसके बेटे प्रवीण को एसपीओ पोस्ट पर नौकरी लगाने के लिए कहा और उसके बदले में पांच लाख रुपये मांगे। उन्होंने विश्वास करके सात दिसंबर 2019 को गढ़ी बोलनी रोड स्थित अपने एक रिश्तेदार घर पर प्रदीप को पांच लाख रुपये दे दिए। पांच लाख रुपये देने के बावजूद प्रदीप कुमार ने न तो उनके बेटे को नौकरी लगाया और न ही उनके रुपये वापस लौटाए। रुपये वापस लौटने के लिए कहा तो प्रदीप आनाकानी करने लगा। काफी समय बाद प्रदीप ने पांच लाख रुपये में से ढाई लाख रुपये लौटा दिए, लेकिन शेष बचे ढाई लाख रुपये देने से साफ इंकार कर दिया। आरोपी ने दोबारा रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी दी।

बेमौसम बरसात और बिजली गिरने से 10 की मौत

मुंबई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बेमौसम बरसात और ओले गिरने की घटनाओं ने कहर ढा दिया है। मराठवाड़ा रीजन में 10 लोगों की मौत हो गई है। साढ़े ग्यारह सौ से बारह सौ के करीब मुर्गे-मुर्गियों की मौत हो गई है। बड़े पैमाने पर फसलें और फलों के बागान तबाह हो गए हैं। अगले पांच दिनों के लिए भारतीय मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों के लिए राज्य के अलग-अलग जिलों में बेमौसम बरसात होने का 'ऑरेंज अलर्ट' और 'येलो अलर्ट' जारी किया है। पुणे जिला और विदर्भ के जिलों में मूसलाधार बरसात का अनुमान है। मराठवाड़ा क्षेत्र में पिछले चार दिनों में बरसात, ओलावृष्टि, बिजलियां गिरने से करीब 150 से 160 गांवों में तबाही मची हुई है। बिजलियां गिरने से दस लोगों की मौत हुई है, जिनमें नांदेड़ के छह, परभणी के 3 और बीड के 1 व्यक्ति शामिल हैं। आठ हजार हेक्टेयर तक की जमीन में फसल और फलों के बाग बर्बाद हो गए हैं। डेढ़ सौ के करीब जानवर, साढ़े ग्यारह सौ से बारह सौ के करीब मुर्गे-मुर्गियों की मौत हुई है। 50 से 60 घरों को नुकसान पहुंचा है।

मराठवाड़ा के 8 जिलों के 10 सर्कल में तबाही का तांडव

इस तरह मराठवाड़ा के आठ जिलों के दस सर्कल में मूसलाधार बरसात ने तबाही का तांडव मचा दिया है। इनमें लातूर जिले के 5, धाराशिव के 2, बीड के 2, जालना के 1 सर्कल में अतिवृष्टि हुई है। लातूर जिले के देवणी तहसील में 135 मिलिमीटर बारिश हुई है। मराठवाड़ा के अलावा विदर्भ, पश्चिम महाराष्ट्र, उत्तर महाराष्ट्र समेत कोंकण रीजन में भी बेमौसम बरसात से भारी तबाही हुई है।

अगले 5 दिन यहां बरसात का ऑरेंज और येलो अलर्ट

भारतीय मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों के लिए मराठवाड़ा और विदर्भ के कई जिलों में मूसलाधार बरसात होने का ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है।

मराठवाड़ा के अहमदनगर जिला समेत छत्रपति संभाजीनगर, लातूर, जालना, बीड के लिए ऑरेंज अलर्ज जारी किया गया है। पुणे, सातारा, सांगली, कोल्हापुर, सोलापुर, धाराशिव, नांदेड़, लातूर, नासिक, जलगांव, धुले, नंदुरबार के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

विदर्भ के इन जिलों में ऑरेंज अलर्ट

विदर्भ क्षेत्र की बात करें तो चार जिलों- वाशिम, अकोला, यवतमाल और चंद्रपुर- में आज ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इनके अलावा विदर्भ के बाकी हिस्सों, मराठवाड़ा के छत्रपति संभाजीनगर छोड़ कर बाकी भागों और उत्तर महाराष्ट्र के कई इलाकों में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

विदर्भ में कल (30 अप्रैल, शनिवार) नागपुर, भंडारा, यवतमाल, चंद्रपुर और गढ़चिरोली जिले में 30 अप्रैल को ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 1 और 2 मई की बात करें तो विदर्भ और मराठवाड़ा के जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

17 लाख का इनाम खुलने का झांसा देकर लिंक पर कराया क्लिक

महिला के खाते से गायब कर दिए चार लाख

उज्जैन, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। उज्जैन में 17 लाख रुपये का इनाम खुलने का झांसा देकर कुछ धोखेबाजों ने एक महिला से एक लिंक पर क्लिक करवाया और उसके खाते से चार लाख रुपये गायब कर दिए। स्वास्थ्य विभाग से सेवानिवृत्त महिला इस घटना के दो माह बाद बैंक पहुंची, जहां उसने अपने साथ हुई इस ठगी के बारे में बैंक अधिकारियों को अवगत कराया और उसके बाद थाना माधवनगर पहुंचकर आवेदन दिया है। माधवनगर थाने पर बंसत विहार में रहने वाली सपना पति सुनील शर्मा (56) पहुंची और शिकायती आवेदन देकर बताया कि वह स्वास्थ्य विभाग से सेवानिवृत्त हैं। उनका खाता एसबीआई बैंक में है। जिसमें चार लाख रुपये से अधिक जमा थे। उन्होंने कुछ दिन पहले घर में कुछ काम कराया और ऑनलाइन भुगतान करने के लिये ट्रांजेक्शन किया तो खाते में रुपये नहीं होने का पता चला। वह बैंक पहुंची और पता किया तो खाते में सिर्फ 24 रुपये होना सामने आए। दो माह पहले तक खाते में चार लाख से अधिक जमा था। इस बीच उनके मोबाइल पर खाते से पैसे निकालने का कोई मैसेज भी नहीं आया। महिला ने बताया कि करीब दो माह पहले उसके पास एक कॉल आया था। फोन करने वाले ने 17 लाख रुपये का इनाम खुलने का झांसा दिया। महिला बातों में आ गई और मोबाइल नंबर पर एक लिंक भेजकर साइबर ठग ने लिंक पर क्लिक करने के लिए कहा। महिला ने लिंक पर क्लिक कर दिया, जिसके बाद उनके खाते से चार लाख रुपये कट गए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 41 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.10 2080 रविवार, 30 अप्रैल 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

कांग्रेसियों ने 91 बार गालियां दीं : मोदी

कहा- ये इतनी मेहनत गुड गवर्नेंस में करते तो खराब हालत नहीं होती

बीदर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में 10 मई को विधानसभा चुनाव होंगे। वोटिंग से 11 दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के दो दिन के दौरे पर शनिवार को बीदर पहुंचे। उन्होंने तीन सभाएं कीं। सबसे पहले सुबह 11 बजे हुमनाबाद में जनसभा को 36 मिनट संबोधित किया। दूसरी- दोपहर सवा एक बजे विजयपुरा में। यहां वे 27 मिनट बोले। मोदी पौने 3 बजे बेलागावी के कुडाची में 38 मिनट बोले।

बीदर में प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे कांग्रेस के लोगों ने 91 बार गालियां दीं। गालियों के शब्दकोष में टाइम खराब करने के बजाय अगर कांग्रेस ने इतनी मेहनत गुड गवर्नेंस में की होती तो इनकी इतनी दयनीय स्थिति नहीं होती। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 27 अप्रैल को कलबुर्गी में एक चुनावी सभा के दौरान प्रधानमंत्री को जहरीले सांप की तरह बताया था। मोदी का इशारा खड़गे पर था।

खड़गे ने कहा था, आप सोच सकते हैं कि यह जहर है या नहीं, लेकिन अगर उसे चखेंगे, तो आपकी मौत हो जाएगी। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद खड़गे ने माफी मांग ली थी।

पीएम उम्मीदवार बना, तब बीदर की जनता ने आर्शीवाद दिया था

प्रधानमंत्री ने 2014 का वाकया याद करते हुए कहा, ये मेरा सौभाग्य है कि इस विधानसभा चुनाव में मेरी शुरूआत बीदर से हो रही है। बीदर का आशीर्वाद मुझे तब भी मिला था जब मैं प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बना था। आज इतनी बड़ी संख्या में यहां आ कर आपने पूरे देश को संदेश दे दिया है कि- इस बार, भाजपा सरकार। यह चुनाव कर्नाटक को देश में नंबर-1 राज्य बनाने का चुनाव है।

कर्नाटक में डबल इंजन की सरकार जरूरी

पीएम ने कहा, कर्नाटक को देश का नंबर-1 राज्य बनाने के लिए यहां डबल इंजन सरकार का होना बेहद जरूरी है। कांग्रेस की सरकार में हर साल 30 हजार करोड़ रुपये के आसपास विदेशी निवेश कर्नाटक में आता था, जबकि भाजपा की सरकार में अब हर साल करीब 90 हजार करोड़ रुपये का विदेशी निवेश कर्नाटक में आ रहा है।

पीएम किसान सम्मान निधि के लिए विपक्षी नाम तक नहीं भेजते थे

मोदी ने कहा, जब हमने पीएम किसान सम्मान निधि शुरू की थी तब कर्नाटक में कांग्रेस-जेडीएस की सरकार थी। इनको किसानों से कितनी नफरत है देखिए कि ये लाभार्थी किसानों की सूची केंद्र सरकार को भेजने में रुकावटें पैदा करते थे। उनको तकलीफ यह थी इसमें बीच में कोई कटकी नहीं थी, पैसा सीधे किसानों के खाते में जा रहा था। कांग्रेस राज में 100 से ज्यादा ऐसी सिंचाई योजनाएं थी जो दशकों से लटकी हुई थीं। बीते 9 वर्षों में दशकों से अधूरी पड़ी 60 से ज्यादा सिंचाई योजनाओं को हम पूरा कर चुके हैं।

आपके सपनों को पूरा करने का बीड़ा भाजपा ने उठाया है

पीएम ने कहा, आप सब एक ऐसा कर्नाटक चाहते हैं जहां हाइवे और एक्सप्रेस-वे का विस्तार होता रहे, जहां मेट्रो की सुविधा और ज्यादा जिलों तक हो, जहां और भी अधिक संख्या में 'वन्दे भारत' जैसी आधुनिक ट्रेनें चलें, जहां हर खेत में सिंचाई की आधुनिक सुविधाएं हो, पिछले पांच वर्षों में सामान्य मानवी ने कर्नाटक में विकास की जो रफ्तार देखी है वो रुकना नहीं चाहते और आपके इन सपनों को पूरा करने का बीड़ा भाजपा ने उठाया है।

प्रधानमंत्री बोले, कांग्रेस हर उस व्यक्ति से नफरत करती है जो जनता की बात करता है, जो उनके भ्रष्टाचार को सामने लाता है, जो उनकी स्वार्थ भरी राजनीति पर प्रहार करता है। इस चुनाव में भी कांग्रेस ने फिर से मुझे गालियां देने का काम शुरू कर दिया है। अब तक मुझे कांग्रेस के लोगों ने 91 बार अलग-अलग गालियां दी हैं। इन गालियों के शब्दकोष में टाइम खराब करने की बजाय अगर कांग्रेस ने इतनी मेहनत गुड गवर्नेंस में की होती तो इनकी इतनी दयनीय स्थिति नहीं होती।

पीएम ने कहा, जब तक कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार रही उसने गरीबों के घर बनाने की रफ्तार धीमी कर दी।

यूएन हेडक्वॉर्टर में सुना जाएगा 'मन की बात' प्रोग्राम

न्यूयॉर्क, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात प्रोग्राम का 100वां एपिसोड आज 30 अप्रैल को आने वाला है। इसे संयुक्त राष्ट्र के न्यूयॉर्क स्थित हेडक्वार्टर पर भी लाइव ब्रॉडकास्ट किया जाएगा। यूएन में भारत के मिशन ने ट्वीट किया है कि इस ऐतिहासिक पल के लिए तैयार हो जाइए। ये यूएन हेडक्वार्टर के ट्रस्टी काउंसिल चैंबर में लाइव होगा।

वहीं, माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ने भी मन की बात के लिए पीएम मोदी को बधाई दी। उन्होंने कहा, मन की बात ने स्वच्छता, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और विकास जैसे कई मुद्दों को अहमियत दी है। इसकी वजह से आज कई समुदाय के लोग आगे आकर इन पर काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी के मन की बात का 100वां एपिसोड रविवार को 11 बजे लाइव किया जाएगा। ये न्यूयॉर्क के समय के मुताबिक, रात करीब 1:30 बजे ब्रॉडकास्ट होगा। भारत के परमानेंट मिशन ने कहा, मन की बात हर महीने की एक राष्ट्रीय परंपरा बन चुका है। ये करोड़ों भारतीयों को विकास की यात्रा में अपना कर्तव्य निभाने के लिए प्रेरित करता है। यूएन के अलावा न्यूयॉर्क में भारत के कॉन्सुलेट जनरल भी इंडियन अमेरिकन और प्रवासी भारतीयों के लिए इसे न्यू जर्सी में लाइव करेंगे।

मन की बात का पहला एपिसोड 3 अक्टूबर 2014 को आया था। इसके बाद से हर महीने के आखिरी रविवार को इसका एक एपिसोड लाइव किया जाता रहा है।

अमर्त्य सेन के वकीलों ने 'बेदखली नोटिस' पर किया अदालत का रुख

6 मई तक जमीन खाली करने को कहा गया

शांतिनिकेतन (पश्चिम बंगाल), 29 अप्रैल (एजेंसियां)। नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन के वकीलों ने बंगाल की बीरभूम जिला अदालत में विश्व भारती के एक नए 'बेदखली आदेश' को चुनौती दी है। जिसमें प्रसिद्ध अर्थशास्त्री को विश्वविद्यालय परिसर में स्थित उनकी पैतृक संपत्ति के अंदर 'अतिक्रमित भूमि' का एक हिस्सा खाली करने के लिए कहा गया है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने आदेश में सेन को छह मई तक या 19 अप्रैल के प्रकाशित आदेश के 15 दिनों के भीतर कथित रूप से अनधिकृत तरीके से कब्जा की गई भूमि को खाली करने के लिए कहा है। इस दावे का विरोध करते हुए सेन के वकीलों ने शुक्रवार को जिला अदालत का रुख किया और विश्व भारती के आदेश को चुनौती देते हुए बेदखली के आदेश को अवैध करार दिया।

सेन के वकील गोराचंद चक्रवर्ती ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा, हमने विश्व भारती के अधिकारियों द्वारा जारी आदेश के प्रति अदालत का ध्यान आकर्षित किया है। उनका आदेश अवैध है। हमें यह भी पता चला है कि विश्व भारती ने एक 'कैविएट' याचिका (अपना पक्ष सुने जाने के लिए एक याचिका) दायर की है। हमने बेदखली आदेश मामले में दी गई छह मई की समय सीमा से पहले सुनवाई की अपील की है।

चक्रवर्ती ने कहा, हमें उम्मीद है कि अदालत स्थिति पर विचार करेगी और मामले की शीघ्र सुनवाई करेगी। वकील ने कहा कि बीरभूम कार्यकारी दंडाधिकारी का एक आदेश भी है, जिसमें पुलिस को छह जून तक संपत्ति के संदर्भ में यथास्थिति रखने के लिए कहा गया है, जब वह दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 145 (भूमि या जल से जुड़े विवाद की प्रक्रिया से शांति भंग होने की संभावना हो) से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई करेंगे।

सेन के 'केयरटेकर' गीतिकांत मजूमदार ने भूमि विवाद के चलते शांति भंग होने की आशंका को लेकर यह याचिका दायर की थी। सेन अभी अमेरिका में हैं और उनके जून में भारत लौटने की उम्मीद है। विश्व भारती के प्रवक्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय को इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं करनी है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा था कि अगर सेन को जबरन बेदखल करने की कोई कोशिश की गई तो वह बुलडोजर को रोकने के लिए सेन के शांतिनिकेतन आवास के बाहर धरना देने वाली पहली व्यक्ति होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं देखना चाहती हूं कि कौन अधिक शक्तिशाली है, बुलडोजर या मानवता।

मंत्री तलसानी ने की मौनिका परिवार से मुलाकात

5 लाख की आर्थिक सहायता का आश्वासन

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन मंत्री टी. श्रीनिवास यादव ने शनिवार सुबह भारी बारिश के दौरान कलासीगुड़ा नाले में फिसलने से मरने वाली लड़की मौनिका के परिवार से मुलाकात की और 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का आश्वासन दिया। मौनिका के माता-पिता से मिलने और संवेदना व्यक्त करने वाले मंत्री ने कहा कि जब लड़की का परिवार शोक मना रहा है और कुछ तत्व इसका राजनीतिक लाभ हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, साथ ही राज्य सरकार पर आक्षेप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बेहद असंवेदनशील और दुर्भाग्यपूर्ण है।

विस्तृत समाचार पृष्ठ 16

मोदी सरनेम केस, राहुल गांधी के वकील की दलीलें पूरी

सोमवार को शिकायतकर्ता का पक्ष सुना जाएगा, जज बोलें 2 मई को सुनाएंगे फैसला

अहमदाबाद, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। मोदी सरनेम मानहानि केस में राहुल गांधी की पुनर्विचार याचिका पर गुजरात हाईकोर्ट में आज सुनवाई हुई। राहुल गांधी की ओर से सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने अपनी दलीले रखीं। सिंघवी की दलीलें सुनने के बाद जस्टिस हेमंत प्रच्छक ने कहा, अब शिकायतकर्ता को अपना पक्ष रख लेने दीजिए। 2 मई को इस मामले का निपटारा कर देंगे।

बीते 23 मार्च को सूरत की अदालत ने राहुल गांधी को धारा 500 के तहत दो साल की सजा सुनाई थी। हालांकि, कोर्ट से उन्हें तुरंत जमानत भी मिल गई थी। इससे पहले 20 अप्रैल को हुई सुनवाई में सूरत की सेशन कोर्ट ने आपराधिक मानहानि के मामले में राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद राहुल ने गुजरात हाईकोर्ट

का दरवाजा खटखटाया है।

यह केस 2019 में कोलार में चुनावी रैली के दौरान दिए गए राहुल के बयान से जुड़ा है। राहुल ने रैली में कहा था कि हर चोर का सरनेम मोदी क्यों होता है। इस बयान पर गुजरात के भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने मानहानि का केस दाखिल किया था।

गुजरात हाईकोर्ट में राहुल के केस की सुनवाई जारी है। राहुल गांधी की तरफ से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, हम फैसले पर रोक लगाने की मांग कर रहे हैं। यह कोई गंभीर अपराध नहीं है जिसे माफ नहीं किया जा सकता। हम दोषसिद्धि पर रोक लगाने की मांग कर रहे हैं। गैर-पहचान वाले मामले में ऐसी शिकायत दर्ज नहीं की जा सकती है। उन्होंने नवजोत सिंह सिद्धू का उदाहरण देते हुए कहा कि जब नवजोत सिंह सिद्धू को सजा पर स्टे मिल सकती है तो राहुल गांधी को क्यों नहीं?

याचिकाकर्ता का राजनीतिक करियर खत्म हो सकता है

सिंघवी ने यह भी दलील दी कि ऐसे मामलों में दोष सिद्ध होने पर सजा 3 से 6 महीने की हो सकती है, लेकिन 1-2 साल की नहीं। पहले अपराध में 2 साल की सजा नहीं हो सकती है। अगर सजा पर रोक नहीं लगाई गई तो याचिकाकर्ता का राजनीतिक करियर खत्म हो सकता है।

चीन-पाकिस्तान का गठजोड़ खतरनाक

नौसेना प्रमुख बोले- हिंद महासागर में बढ़ रही चुनौती

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार का कहना है कि आत्मनिर्भरता की तरफ से नौसेना तेजी से कदम बढ़ा रही है और 2047 तक भारतीय नौसेना पूरी तरह से आत्मनिर्भर हो जाएगी। चीन और पाकिस्तान की बढ़ती चुनौती पर भी नौसेना प्रमुख ने अपनी बात रखी और कहा कि हिंद महासागर में चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। नौसेना प्रमुख ने ये भी कहा कि हिंद महासागर में सर्विलांस बढ़ाया गया है।

चीन-पाकिस्तान का गठजोड़ खतरनाक

नौसेना प्रमुख ने कहा कि चीन और पाकिस्तान के साझा हित हैं और जिन देशों के साझा हित होते हैं वो आर्थिक और सैन्य तौर पर सहयोग करते हैं। चीन, पाकिस्तान को मिलिट्री हार्डवेयर उपलब्ध करा रहा है और जहां तक हमारी जानकारी है, चीन अगले 10-15 सालों में पाकिस्तान को 50-प्लेटफॉर्म फोर्स बनाने की तैयारी कर रहा है। पाकिस्तानी नौसेना के लिए आठ नई सबमरीन का निर्माण किया जा रहा है, नई ब्रिगेड तैयार की जा रही है और भी कई अन्य तरह के कंस्ट्रक्शन हो रहे हैं। पाकिस्तान तेजी से अपनी नौसेना का आधुनिकीकरण कर रहा है।

भारत हिंद महासागर में बढ़ा रहा सर्विलांस

वहीं चीन की बात करें तो चीन ने बीते 10 सालों

में करीब 148 जहाजों और सबमरीन को अपनी नौसेना में कमीशन किया है। जो कि एक बड़ी संख्या है। इसके अलावा चीन नए युद्धक विमान और जहाजों का भी निर्माण कर रहा है। चीन नया एयरक्राफ्ट कैरियर भी बना रहा है। भारतीय नौसेना की तैयारियों पर एडमिरल हरि कुमार ने कहा कि हम हिंद महासागर में निगरानी बढ़ा रहे हैं, साथ ही रडार सिस्टम को भी मजबूत किया जा रहा है। जल्द ही 3-6 वारशिप नौसेना में शामिल किए जाएंगे। हिंद महासागर में चीन के बढ़ती मौजूदगी के बीच हालात पर करीब से नजर रखी जा रही है। साथ ही अपनी तैयारियों को परखने के लिए हर साल युद्धाभ्यास किए जा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में करीब एक दर्जन आतंकवादी सक्रिय हो सकते हैं

डीजीपी दिलबाग बोले, इस क्षेत्र में पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियारों की सप्लाई हो रही

जम्मू-कश्मीर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सेना पर आतंकवादी हमले को लगभग एक हफ्ता हो गया है। इस बीच डीजीपी दिलबाग सिंह ने एक नई जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि करीब एक दर्जन आतंकवादी उस क्षेत्र में सक्रिय हो सकते हैं, जहां पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियारों की सप्लाई हो रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले एक हफ्ते से आतंकियों से निपटने बड़े पैमाने पर सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन अब तक सफलता नहीं मिली है। हाल ही में डीजीपी ने इलाके का दौरा किया। उन्होंने कहा कि सेना पर हालिया हमला सक्रिय स्थानीय समर्थन से किया गया था।

डीजीपी ने कहा कि आतंकवादियों को आश्रय देने के लिए गिरफ्तार किए गए संदिग्धों में से एक नासिर अहमद है। आतंकवादी समर्थक नासिर अहमद और उसका परिवार, जो पहले से ही सुरक्षा बलों के रडार पर थे। उन्होंने आतंकवादियों को लॉजिस्टिक्स दिए थे। उससे पूछताछ के आधार पर पुलिस को आतंकवादी गतिविधियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली है।

गिरफ्तारियों से आतंकियों को ट्रैक करने में मदद नहीं मिली :

उन्होंने कहा कि गिरफ्तारियों से आतंकवादियों को ट्रैक करने में ज्यादा मदद नहीं मिली है। असली सफलता तो तब मिलेगी जब हम हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को बेअसर करने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि कम से कम एक दर्जन संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। 200 से ज्यादा को आतंकवादी हमले के संबंध में पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

एसएफजे आतंकी पन्नू ने नया वीडियो जारी किया

अंबाला-राजपुरा रोड पर नारे लिखे, रेलवे ट्रैक पर खालिस्तानी झंडा दिखा ट्रेन रोकने का दावा

अमृतसर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। खालिस्तानी समर्थक व सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अपना नया वीडियो जारी किया है। आतंकी इसमें दोबारा लोगों को बहला-फुसला कर उसका समर्थन करने की मांग उठा रहा है। वहीं दावा किया गया है कि एक बार फिर पंजाब में खालिस्तानी झंडे लगाए गए हैं और ट्रेन रोकी गई है।

आतंकी पन्नू ने वीडियो में कहा कि 29 अप्रैल 1986 को तत्कालीन जत्थेदार गुरबचन सिंह मानोचाहल ने पंजाब को खालिस्तान बनाने की घोषणा की थी। इस समागम में 10 लाख से अधिक सिख पहुंचे थे। इस घोषणा के बाद से अभी तक डेढ़ लाख से अधिक सिख अपनी जान गंवा चुके हैं। इसी दिन की वर्षगांठ पर खालिस्तान समर्थकों ने अंबाला-राजपुरा रूट पर खालिस्तानी झंडे लगाए हैं। इतना ही नहीं, खालिस्तानी झंडे दिखा कर ट्रेनों को रोकने का भी दावा किया गया है।

सेना की आर्टिलरी रेजिमेंट में पहली बार शामिल हुईं महिलाएं

3 चीन और 2 पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनात, गलवान में शहीद की पत्नी बनी लेफ्टिनेंट

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन आर्मी के इतिहास में पहली बार आर्टिलरी रेजिमेंट में महिला अधिकारियों को शामिल किया गया है। शनिवार को ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकेडमी, चेन्नई में पासिंग आउट परेड के बाद 5 महिला अधिकारी आर्टिलरी रेजिमेंट में कमीशन हो गईं। इनमें से 2 को पाकिस्तान की सीमा पर लगी यूनिट में पोस्टिंग दी गई है। वहीं 3 अधिकारी चीन बॉर्डर पर तैनात यूनिट में काम करेंगी।

गलवान हमले में शहीद हुए जवान दीपक सिंह की पत्नी रेखा सिंह भी सेना में शामिल हो गई हैं। वे अपनी ट्रेनिंग पूरी करने के बाद सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर भर्ती हुई हैं। दीपक सिंह को अपनी वीरता के लिए वीर चक्र दिया गया था।

पुरुषों के बराबर चुनौतियां का किया सामना

लेफ्टिनेंट महक सैनी को सर्विलांस एंड टारगेट एक्विजिशन रेजिमेंट (एसएटीए), लेफ्टिनेंट साक्षी दुबे और लेफ्टिनेंट अदिति यादव को फील्ड रेजिमेंट, लेफ्टिनेंट पवित्र मुदगिल को मीडियम रेजिमेंट और लेफ्टिनेंट आकांक्षा को रॉकेट रेजिमेंट में कमीशन दिया गया है।

>14

आनंद मोहन को फिर से जेल भेजने की मांग

जी.कृष्णैया की पत्नी ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका, कहा- बिहार सरकार का फैसला गलत

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व सांसद आनंद मोहन की रिहाई का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। शनिवार को उनकी रिहाई को डीएम जी कृष्णैया की पत्नी उमा देवी ने चुनौती दी है। उनकी ओर से दायर याचिका में आनंद मोहन को फिर से जेल भेजने की मांग की गई है। जेल मैनुअल में बदलाव के बाद बिहार के बाहुबली नेता और पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह गुरुवार सुबह 6.15 बजे सहरसा जेल से रिहा हुए थे।

वोट बैंक की राजनीति के लिए ऐसा किया गया

जी कृष्णैया की पत्नी उमा सदमे में हैं। वह कहती हैं, ऐसा वोट बैंक की राजनीति के लिए किया जा रहा है। वह रिहाई को खुद के साथ अन्याय बताती हैं। पहले दोषी को फांसी की सजा हुई थी, फिर उसे उम्रकैद में बदल दिया गया। अब सरकार उसकी रिहाई करा रही है। ये बिल्कुल सही नहीं है।

नीतीश सरकार ने गलत उदाहरण पेश किया

आनंद मोहन की रिहाई पर डीएम जी कृष्णैया की बेटी पदमा ने नाराजगी जताई है। हैदराबाद में उन्होंने कहा कि बिहार सरकार को अपने इस फैसले पर दोबारा सोचना चाहिए।

सरकार ने एक गलत उदाहरण पेश किया है। ये सिर्फ एक परिवार के साथ अन्याय नहीं है, बल्कि देश के साथ अन्याय है। उनकी बेटी ने रिहाई के खिलाफ अपील करने की भी बात कही है।

>14

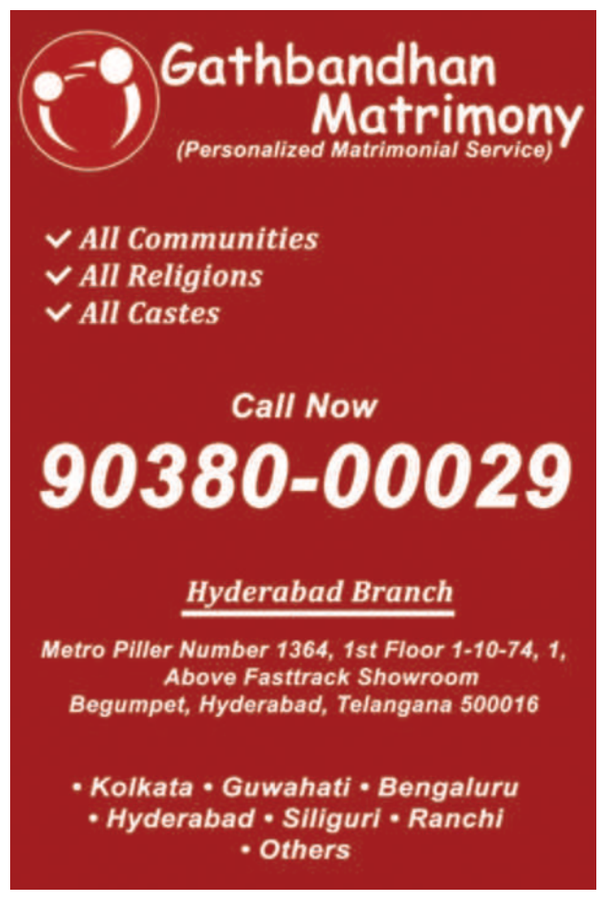

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सु वि चा र

आदमी जिन्दगी में उतना ही, बड़ा कर सकता है, जितना बड़ा वह सोच सकता है!

रविवार, 30 अप्रैल, 2023 4

हैश ऑयल के साथ नशीले पदार्थों के कारोबारी गिरफ्तार

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद नारकोटिक्स एन्फोर्समेंट विंग के अधिकारियों ने शनिवार को हैश ऑयल की आपूर्ति और बिक्री में शामिल पांच लोगों को पकड़ा है। इनके पास से पुलिस ने ढाई लीटर हैश ऑयल, पांच मोबाइल फोन और एक कार बरामद की है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान जेमेली बंडू, कापू चंदर राव, आंध्र प्रदेश के मूल निवासी और मादक पदार्थ के आपूर्तिकर्ता, कर्मनघाट के ई संतोष रेड्डी, अंबरपेट के एन साई भरत, सरूरनगर के वी हरितेजा के रूप में की गई। डीसीपी (एच न्यू), गुम्मी चक्रवर्ती के अनुसार, संदिग्ध बंडू और चंदर राव आंध्र प्रदेश के विशाखा एजेंसी में मदुगुला मंडल के निवासी हैं। शुक्रवार को शहर आए थे और संतोष, भरत व हरीतेजा को 2.5 लीटर हैश ऑयल बेच रहे थे। इसी बीच उन्हें पकड़ा गया। स्थानीय तस्करों को 80 हजार रुपये प्रति लीटर बेच रहे थे। इसके बाद 5 मिलीलीटर की छोटी बोतलों में भरकर स्थानीय उपभोक्ताओं को बेच रहे थे। हमने कुछ उपभोक्ताओं की पहचान की जो विभिन्न पृष्ठभूमि जैसे चिकित्सा और आईटी, छात्र और कुछ बेरोजगार व्यक्तियों से थे। उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाएगी।

पूरे देश में आदर्श राज्य के रूप में उभर रहा है तेलंगाना : केसीआर

सचिवालय उद्घाटन की पूर्व संध्या पर राज्य के लोगों को दी बधाई

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कहा कि कई बलिदानों और शांतिपूर्ण संसदीय प्रणाली से हासिल तेलंगाना राज्य बहुत ही कम समय में पूरे देश में आदर्श राज्य के रूप में उभर रहा है। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कहा कि तेलंगाना सचिवालय का निर्माण जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप, राज्य की प्रतिष्ठा उज्ज्वल रूप से विक्सित होने और लोगों का आत्म-सम्मान मजबूत होने के लक्ष्य से एक अभिनव तरीके से किया गया है। सीएम ने कहा कि यह दिन तेलंगाना समुदाय के लिए गर्व प्रकटित करने का दिन है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने डॉ. बीआर अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय के उद्घाटन की पूर्व संध्या पर राज्य के लोगों को बधाई दी।

सीएम केसीआर ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि कई भ्रांतियों और आलोचनाओं को दूर करने की दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ शुरू हुई नया सचिवालय का निर्माण बहुत कम समय में पूरा हो गया और

राज्य के जनता को सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि सचिवालय का निर्माण भावी पीढ़ियों की प्रशासनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उच्चतम तकनीकी मूल्यों के साथ किया गया है। सीएम ने कहा कि यह निर्माण देश का पहला पर्यावरण के अनुकूल निर्माण है। सभी मानकों का पालन करते हुए और कई खूबियों से नया सचिवालय का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के लिए सबसे सुखद वातावरण में काम करने के लिए बनाया गया सचिवालय सरकार के कामकाज को बहुत प्रभावित करेगा और गुणात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सचिवालय का निर्माण आकांक्षाओं के पक्ष में ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करते हुए उन्हें साकार करने की दिशा में आगे बढ़ने प्रेरणा देने के लक्ष्य से बनाया गया है। सीएम ने कहा कि एक राज्य सचिवालय को डॉ. बी.आर. अंबेडकर का नाम देना देश में पहली बार है। सीएम ने कहा कि अंबेडकर महाशय के नामकरण के पीछे सामाजिक-आर्थिक राजनीतिक सांस्कृतिक क्षेत्रों में एससी, एसटी ,बीसी, अल्पसंख्यक, महिलाओं और गरीब समुदायों को समान अधिकार दिलाना एक महान लक्ष्य है। सामने शहीद स्मारक ज्योति, पास में गगन को छूनेवाली अंबेडकर महाशय की प्रतिमा कल के लिए एक मार्गदर्शन के रूप में खड़ा है।

सुशासन प्राप्त करने के उदात्त लक्ष्य के साथ तेलंगाना सचिवालय को दार्शनिक और सैद्धांतिक समझ के साथ अम्बेडकर महाशय का नाम दिया गया है। सीएम ने कहा कि देश के सबसे युवा राज्य के रूप में अन्य राज्यों की तुलना में तेलंगाना देश के लिए एक आदर्श के रूप में सभी लोगों के लिए कल्याणकारी शासन प्रदान कर रहा है। सीएम केसीआर ने स्पष्ट किया कि तेलंगाना शासन कुछ ही समय में देश के लिए एक मॉडल बन गया है और इसे पूरे देश में फैलाने के लिए तेलंगाना शासन को नए सचिवालय से विस्तार किया जाएगा।

सीएम केसीआर ने गहरा विश्वास जताया कि तेलंगाना राज्य महान तारीखे से विक्सित होगी और विजन के साथ हासिल की गई प्रगति देश भर में फैलेगी। इस अवसर पर सचिवालय को महान बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले मजदूर निर्माण में कड़ी मेहनत करने वाले सभी पेशों के कर्मचारी, महान मॉडल प्रदान करने वाले वास्तुकार, अथक परिश्रम करने वाली ठेका एजेंसियां, उनके इंजीनियर, आरएंडबी मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी, वरिष्ठ अधिकारियों, इंजीनियरों, निर्माण में शामिल सभी कर्मचारियों और सरकारी कर्मचारियों को सीएम केसीआर बधाई दी।

सचिवालय उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे : बंडी

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज स्पष्ट किया कि वह रविवार को होने वाले राज्य सचिवालय के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित भवन सचिवालय की तरह नहीं बल्कि राज्य के एक विशेष समूह की संरचना जैसा दिखता है। राज्य भाजपा प्रमुख ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने अपने राजनीतिक सहयोगी और एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी की आंखों में खुशी देखने के लिए सचिवालय भवन का निर्माण किया। उन्होंने राज्य के लोगों से कहा कि वे एक बार सचिवालय का दौरा करें और अपने अहसास के लिए एक सेल्फी लें। संजय ने कहा कि राज्य में उनकी पार्टी के सत्ता में आने के बाद वे सचिवालय के मौजूदा गुंबदों को ध्वस्त कर देंगे और तेलंगाना की संस्कृति से मिलते-जुलते इसे संशोधित करेंगे।

अनंतपुर में आरएंडबी गेस्ट हाउस में एपी बीजेपी कार्यकर्ताओं द्वारा उनके स्वागत के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, बांदी ने कहा कि उनकी पार्टी पड़ोसी कर्नाटक राज्य चुनाव जीतेगी। यह कहते हुए कि कांग्रेस पार्टी केंद्र में सत्ता में नहीं थी, उन्होंने पूछा कि सत्ता में लौटने के बाद वह कर्नाटक राज्य का विकास कैसे करेगी? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के बाद कर्नाटक में राजनीतिक माहौल बदलने की संभावना है। उन्होंने सीएम केसीआर पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सीएम भी देश भर में पैसे खर्च कर रहे हैं।

झूठे मामले दर्ज करने के लिए कांग्रेस ने केंद्र की खिंचाई की

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने आज केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक और मेजर जनरल शंकर राय चौधरी के खिलाफ बोलने के लिए झूठे मामले दर्ज कर उन्हें परेशान कर रही है। केंद्र सरकार की करतूत। पार्टी सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर चुप हैं।

टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी और पार्टी के अन्य नेताओं के साथ गांधी भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए गौरव गोगोई ने कहा कि पूर्व राज्यपाल और सेना के एक दिग्गज के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद भाजपा का राष्ट्रवाद उजागर हो गया और भाजपा नेताओं से पूछा कि ये किस तरह के राष्ट्रवाद का प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से पूछा कि आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के कार्यकर्ताओं के संभावित हमले की 2500 खुफिया सूचनाएं मिलने के बाद भी सैनिकों के 88 वाहनों के काफिले को सड़क मार्ग से ले जाने का फैसला क्यों लिया? उन्होंने केंद्र सरकार से यह भी पूछा कि उसने सीआरपीएफ के काफिले की आवाजाही के दौरान लिंक सड़कों को बंद क्यों नहीं किया, साथ ही यह भी पूछा कि जम्मू-श्री नगर राजमार्ग पर 300 किलोग्राम विस्फोटक से भरा वाहन कैसे घुस गया? उन्होंने कहा कि मलिक ने बताया था कि इतनी भारी मात्रा में विस्फोटकों से भरे वाहन को दस से 12 दिनों तक कश्मीर में रखा गया है। मेजर जनरल शंकर राय चौधरी की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए, गौरव गोगोई ने कहा कि मेजर जनरल ने यह स्पष्ट कर दिया था कि फुलवामा हमला पाकिस्तानी सीमा के पास एक सड़क पर भारी काफिले की आवाजाही के कारण हुआ था।

यह कहते हुए कि तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने 26/11 के हमले के बाद अपने पदों से इस्तीफा दे दिया, उन्होंने केंद्र सरकार से पूछा कि उसने उन अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की, जो अपने कर्तव्यों का ठीक से निर्वहन करने में विफल रहे। गोगोई ने कहा कि 40 सैनिकों की जान लेने वाले फुलवामा को चार साल हो चुके हैं, देश को उन लोगों का नाम जानने का अधिकार है, जिनकी विफलता के कारण यह दुखद हमला हुआ। उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ें और एक श्वेत पत्र जारी करें।

नए सचिवालय का उद्घाटन आज, तैयारी पूरी

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नवनिर्मित डॉ. बी.आर. अम्बेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय रविवार को शुभारंभ के लिए तैयार हो गया है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव दोपहर करीब एक बजे सचिवालय पहुंचेंगे और अनुष्ठानों और विशेष पूजा में हिस्सा लेंगे। बाद में, वह पट्टिका का अनावरण करेंगे और छठी मंजिल पर अपने कक्षों में कुर्सी पर बैठेंगे और नए सचिवालय में औपचारिक रूप से प्रशासन की शुरुआत करने के लिए फाइलों पर हस्ताक्षर करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक मंत्रियों और अन्य को मुख्यमंत्री के कुर्सी पर बैठने के दौरान उनके साथ नहीं जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। दरअसल, मुख्य सचिव, मंत्रियों और अन्य अधिकारियों को दोपहर 1.58 बजे से 2.04 बजे के बीच संबंधित कक्षों में अपनी-अपनी कुर्सियों पर बैठने का निर्देश दिया गया है। इस बीच, नए सचिवालय भवन के उद्घाटन के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। पुलिस महानिदेशक अंजनी कुमार ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उद्घाटन समारोह के लिए सुरक्षा और बैठने की योजना का निरीक्षण किया। मंत्रियों, विधायकों और अन्य वीआईपी के लिए अलग प्रवेश और निकास मार्ग सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को विशेष निर्देश जारी किए गए। नगर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद और अन्य अधिकारियों के साथ, डीजीपी ने सचिवालय परिसर का दौरा किया और पार्किंग, सुरक्षा और बैठने की व्यवस्था पर निर्देश जारी किए।

सुल्तान बाजार नरसिंह मंदिर मंदिर में गोपुरम् का जीर्णोद्धार

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंह मंदिर सुल्तान बाजार में मंदिर के ट्रस्टी कमलनारायण अग्रवाल एवं गोविन्द् नारायण राठी के शनिवार प्रातः 9 बजे नरसिंह मंदिर गोपुरम का जीर्णोद्धार किया गया। मंदिर के ट्रस्टि गोविन्द नारायण राठी ने कलश की पूजा की। पं. मधुसुधन चर्ल एवं रमेश ब्यास के सानिध्य में पूजा का आयोजन किया गया। तत्पश्चात 5 कलशों की पूजा वैदिक मंत्र के साथ गोपुरम् लगाया गया। इस अवसर पर पं. रमेशचन्द्र ब्यास, नवल ब्यास, सत्यनारायण एवं चेतन कुमार उपस्थित रहे।

गृह मंत्री महमूद अली से मंत्री आवास पर क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात कर गोशामहल की जनसमस्याओं के बारे में विचार-विमर्श करते हुए स्थानीय नेता आनंद कुमार गौड़। साथ में हैं बी, कृष्णा, जी, प्रकाश, के. राजेश, संत शिवप्पा, एच. रघुनंदन व अन्य।

मानवता के कल्याण के लिए प्राचीन ज्ञान को समझें : अब्दुल नज़ीर

राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में भाग लिया

तिरुपति, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर ने कहा कि वेद कई युगों से ज्ञान के खजाने हैं और वैदिक विद्वानों और छात्रों को इस प्राचीन ज्ञान को समझना चाहिए और मानवता की भलाई के लिए इसका सार फैलाना चाहिए। टीटीडी द्वारा संचालित श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में, उन्होंने शुक्रवार को तिरुपति के महती सभागार में आयोजित इसके सातवें दीक्षांत समारोह में भाग लिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, वेद मानव बौद्धिक खोज का पहला फल हैं जबकि संस्कृत ज्ञान को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम है। "वेद हमारे पूर्वजों द्वारा दिए गए विशाल ज्ञान के भंडार हैं। हमें प्राचीन भारतीय परंपरा और आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बीच तालमेल विकसित करके आने वाली पीढ़ियों के लिए इस प्रचुर ज्ञान को आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने फलदायी परिणाम प्राप्त करने के लिए पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़कर वर्तमान समय की जरूरतों को पूरा करने के प्रयासों के लिए एसवीवीयू की सराहना की। "मुझे सूचित किया गया था कि विश्वविद्यालय द्वारा अब तक लगभग 3000 पांडुलिपियों को डिजिटाइज़ किया जा चुका है, मेरी इच्छा है कि विश्वविद्यालय न केवल देश में बल्कि दुनिया भर में समाज के लाभ के लिए विशाल ज्ञान के प्रसार में अपने प्रयासों में अधिक से अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचे"।

इससे पहले, दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि ब्रह्माश्री मणि द्रविड़ शास्त्री ने इस अवसर पर अपने संबोधन में स्नातकों, स्नातकोत्तरों और वैदिक छात्रों को प्राचीन वैदिक ज्ञान की विरासत को आगे बढ़ाने और राज्य, राष्ट्र के विकास के लिए योगदान देने का आह्वान किया। टीटीडी ईओ श्री एवी धर्म रेड्डी ने दीक्षांत समारोह के दौरान वैदिक विद्वानों और छात्रों को हिंदू सनातन धर्म के "मशाल वाहक" के रूप में बताते हुए वैदिक बिरादरी को संबोधित करते हुए कहा कि वेद हिंदू सनातन धर्म और सभी वैदिक विद्वानों का आधार हैं।

एसवी वैदिक विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. रानी सदाशिव मूर्ति ने अपनी शैक्षणिक रिपोर्ट में विकास गतिविधियों और भविष्य की परियोजनाओं को संक्षेप में बताया।

इस अवसर पर कुलाधिपति द्वारा ब्रह्मश्री सुब्रह्मण्य शास्त्री सालक्षण घनपति, ब्रह्माश्री मणि द्रविड़ शास्त्री को महामहोपाध्याय की उपाधि से सम्मानित किया गया, जबकि ब्रह्माश्री रामसोमयाजी शास्त्री और ब्रह्माश्री वामसीकृष्ण घनपति को वाचस्पति की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस अवसर जेईओ (एच एंड ई) सदा भार्गवी, डीईओ भास्कर रेड्डी, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार राधे श्याम, डीन, संकाय, विद्वान, छात्र और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। इसी क्रम में आंध्र प्रदेश के राज्यपाल अब्दुल नजीर ने शनिवार को अपने परिवार के साथ पवित्र तिरुमाला मंदिर में दर्शन किए।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. : 17/2023, दि.28/04/2023
भंडारण मदों की आपूर्ति

PUB/0435

ई-प्रापण निविदा सूचना

निम्न निविदाओं को आनलाईन पर प्रदर्शित किया गया है। निविदादाताओं से अनुरोध है कि, **वेबसाईटः www.ireps.gov.in** देखें तथा अपने आफर्स को आनलाईन पर प्रस्तुत करें। निविदा विवरण, मात्रा, पूधरा, एसडी को वेबसाइट पर देखा जा सकता है। मैन्युअल तौर पर प्रस्तुत आफर्स अस्वीकार होंगे। डाक व्दारा प्रस्तुत आफर्स पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा बंद करने का समय, निविदा की नियत तिथि के 14.30 बजे है। सभी स्वदेशी प्रस्तावों, पूर्व धरोहर राशि को, आनलाईन पर उपलब्ध **वेबसाइटः www.ireps.gov.in** व्दारा ही स्वीकार किया जायेगा।

निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण
25.23.4481	उच्च क्षमतायुक्त मोटर डबल रिवर्सर
56.23.1132A	रिलेज-मिनिएचर प्लग इन टाइप,एम टू सी
25.23.4511	हिटाची हेतु ट्यूब फार संसपेंशन युनिट
79.23.1853	व्दितिय व तृतीय एसी कोचेस हेतु तकिया व्यवस्था
60.22.5365	अनुपातिक वाल्व ओइएमः पीएल पार्ट नं. एचवायएन25
60.22.5511	केबल टार्क लिमिटर का प्रापण या प्रोक्युरमेंट
60.23.9028	आरडीएसओ डीआरजी.सं.नुसार जेएफपीस हेतु क्रैम्प्स
25.23.4831	तत्संबंधित निर्माण के प्रोगाम्ड स्विचेस का सेट
25.23.4512	मोबाइल कांटाक्ट सेगमेंट एसेम्बल
60.23.9030	आरडीएसओ डीआरजी सं.टी-4220 हेतुसीएमएस क्सिंग्ज

टिप्पणीः निविदा खोलने की नियत तिथिः
क्रम सं.01 के लिए दि.16-05-2023, क्रम सं.02 व 03 के लिए दि.18-05-2023, क्रम सं.04 के लिए दि.19-05-2023, क्रम सं.05 के लिए दि.22-05-2023, क्रम सं.06 के लिए दि.24-05-2023, क्रम सं.07 से 09 के लिए दि.25-05-2023, क्रम सं.10के लिए दि.26-05-2023.
उपरोक्त निविदाओं के अलावा अन्य निविदाओं का मूल्य रु.25 लाख से कम है। विवरण हेतु कृपया उक्त रेलवे वेबसाइट देखें।
प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना सं. सी-एसजी-पीटी-एलटीइ-02, दि.21-04-2023 (शुध्दिपत्र सं. 1)

PUB/0436

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता/प्राजेक्टस्/टेलि. / सिकंदराबाद, दक्षिण मध्य रेलवे, भू तल, माइक्रोवेव बिल्डिंग, सिकंदराबाद-500025 व्दारा निम्न विवरित कार्यों हेतु निर्धारित प्रारूप में खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं. एवं तिथिः सी-एसजी-पीजी-एलटीइ-02, दि.21-04-2023 कार्य विवरणः इरिसेट पर एलटीइ टेस्ट बेड, वीओआयपी आधारित कंट्रोल कम्युनिकेशन सिस्टम लैब, पीए सिस्टम लैब की स्थापना, आडियो एंड वीडियो सिस्टम्स का अपग्रेडेशन करना, इरिसेट पर ट्रांसमिशन लैब तथा ट्रेन ट्राफिक कंट्रोल लैब का सुधार कार्य। निविदा का अनुमानित मूल्यः रु.5,56,62,382.40, बोली सुरक्षा जमा राशिः रु.4,28,300/-, स्वीकृति पत्र जारी की तिथि से कार्य पूरा करने की अवधिः 06 महिने, निविदा प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 15-05-2023, सु.11.00 बजे, जिसे दि.18-05-2023, सु.11.00 बजे तक बढाया गया है। निविदा खोलने की तिथि व समयः 15-05-2023, सु.11.00 बजे, जिसे दि.18-05-2023, सु.11.00 बजे तक बढाया गया है। आफर की वैधताः निविदा बंद करने की तिथि से 60 दिन, निविदा पुस्तिका का मूल्यः रु. शून्य
शुध्दिपत्र विवरणः मात्राओं के बिल की मद सं. 17 व 18 के तकनीकी विनिर्देश में बदलाव किया गया है। तत्संबंधित तकनीकी विनिर्देश के प्रति पृथक अनुलग्नक ए 1 जोडा गया है। अनुलग्नक ए में स्थित इन मदों के विविरित विनिर्देशों पर ध्यान न दिया जाए।

इंडियन रेलवे की वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर अधिक जानकारी या विवरण प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे निविदादातागण जो, वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर आमंत्रित निविदाओं में भाग लेना चाहते हैं, उन्हें अनिवार्य तौर पर तत्संबंधित वेबसाइट पर रजिस्टर करना होगा। अधिक जानकारी हेतु कृपया उक्त वेबसाइट देखें।
उप मुख्य सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता (प्राजेक्ट्स/टेलि.) सिकंदराबाद

निविदा सं. : सी_एसजी _36 _434 दि.28-04-2023

PUB/0437

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद व्दारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्युरमेंट के माध्यम से दि. 19-05-2023, 15.30 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1 निविदा सं. : सी_एसजी _36 _434 दि.28-04-2023 कार्य विवरणः 12 महिनों की अवधि के लिए सिकंदराबाद डिवीजन के सब डिवीजन से जुडे एडीएसटीइ/वीकेबी सेक्शन में सिग्नलिंग मेनटेनेन्स एस्सेट्स की मरम्मत करना। अनुमानित मूल्य(रु.) 52,98,784.90

अधिक जानकारी हेतु कृपया वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें। जीसीसी 2022 नुसार बोली सुरक्षा राशि/पूर्व धरोहर राशि का भुगतान करना होगा।

आयआरएसजीसीसी -2022 नुसार, सभी निविदादाताओं को निःशुल्क रुप में ई-निविदा प्रपत्र जारी किया जायेगा। (संदर्भः आयआरएसजीसीसी -2022 भाग-I, खंड-3)
वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता, सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं. 09 से 11-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी दि.27-04-2023

PUB/0438

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मंडल रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद व्दारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्युरमेंट के माध्यम से दि. 22-05-2023, 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. 9-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी, कार्य विवरणः डिप्युटी सीएमएम/एम एंड इ स्टोर्स, लालागुडा के स्टैकिंग स्टोर्स मदों के लिए 34एमX24एम साइज युक्त नये शेड का निर्माण कार्य। अनुमानित मूल्यः रु.1,54,98,827/-, पूधराः रु.2,27,500/-

निविदा सं. 10 -डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः सिकंदराबाद-धोने सेक्शन (यूपी,डीएन एंड एसएल) (1) टीटीआर कार्य (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)-12 सेट्स-(इन 12= 12 सेट्स) (2) टीटीआर कार्य(एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)-11 सेट्स-(इन 12= 3 सेट्स, इन 8.5= 8 सेट्स) एंड टीटीआर कार्य (एफएस+सीएस+सीएमएससी)-1 सेट(130केएमपीएच)(इन 8.5= 1 सेट), अनुमानित मूल्यः रु.99,90,215/-, पूधराः रु.1,99,800/-

निविदा सं. 11 -डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी, कार्य विवरणः 1. मुदखेड जंक्शन-सिकंदराबाद जंक्शन (यूपी एंड डीएन/एसएल) टीटीआर कार्य (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)-6 सेट्स-2. मुदखेड जंक्शन-सिकंदराबाद जंक्शन (यूपी एंड डीएन/एसएल) टीटीआर कार्य (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)-22 सेट्स-एंड टीटीआर कार्य(सीएस+टीडब्ल्यूएस+सीएमएससी)-1 सेट(130केएमपीएच) अनुमानित मूल्य रु.1,11,34,342/-, पूधराः रु.2,05,700/-

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), हैदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना सं. सी/इ.221/इएलएस/एलजीडी/आरसी/360/2023-24/02 दि. 27/04/2023

PUB/0439

अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्न कार्यों हेतु अनुभवी ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 1. निविदा सं. व तिथिः सी/इ.221/इएलएस/एलजीडी/आरसी/360 दि.27-04-2023 कार्य विवरणः 2 वर्षों की अवधि के लिए अधिकृत राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व्दारा फैसलिटी डिसपोजल पर इलेक्ट्रिक लोको शेड, लालागुडा के खतरनाक अपशिष्ट(हजर्डस वेस्ट) का निपटारा ।

निविदा मूल्यः रु.35,43,622.22, बोली सुरक्षा राशिः रु.70,900/- निविदा प्रपत्र का मूल्यः रु. शून्य, पूरा करने की अवधि 24 महिने, खोलने एवं बंद करने की तिथि व समयः 25-05-2023, 15.00 बजे एवं 25-05-2023, 15.15 बजे

आफर की वैधताः निविदा खोलने की तिथि से 63 दिन

निविदा दस्तावेज की प्रस्तुतिः आयआरइपीएस वेबसाइटःwww.ireps.gov.in के माध्यम से

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता, इएलएस, लालागुडा, सिकंदराबाद

A0612

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

वधु चाहिए

Punjabi boy 32 Years from Bangalore (Affluent Family) Only Son Businessman Is looking for a match
(080-69072069)

वर चाहिए

31 वर्षीय, अग्रवाल शिक्षित, घरेलू, तलाकशुदा सुंदर कन्या हैदराबाद निवासी, (Upper Middle Class Family) अच्छे परिवार से विवाह के लिए संपर्क करे।
संपर्क : (080-69072069)

वर चाहिए

अग्रवाल 27 वर्षीय शिक्षित, घरेलू सुंदर कन्या हैदराबाद निवासी हेतु अच्छे परिवार से वर चाहिये।
संपर्क : (080-69072069)

वर चाहिए

जैन परिवार हैदराबाद निवासी सुंदर कन्या 26 वर्षीय ऊच वर्गीय परिवार से विवाह के लिए संपर्क करे
संपर्क : (080-69072069)

वर चाहिए

अग्रवाल 27 वर्षीय शिक्षित हैदराबाद कार्यरत सुन्दर कन्या (Upper Middle Class Family) हेतु अच्छे परिवार से वर चाहिये।
Contact - 080-69072069

मदद का दिया झांसा दे कर खाते से निकाले 45 हजार रुपये

रेवाड़ी, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। रेवाड़ी के औद्योगिक कस्बा धारूहेड़ा में दो आरोपियों ने एक व्यक्ति को मदद का झांसा देकर उसका एटीएम कार्ड बदल लिया और बैंक खाते से 45 हजार रुपये निकाल कर फरार हो गए। दोनों आरोपी सफेद रंग की कार में सवार थे। ठगी का पता लगने पर पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुय कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में धारूहेड़ा निवासी वाले रणधीर सिंह ने बताया कि उनका हीरो कंपनी के पास स्थित केनरा बैंक में खाता और उन्होंने इसी खाते का एटीएम कार्ड भी लिया हुआ है। 27 अप्रैल को वह रुपये निकलवाने के लिए बैंक में गए थे, लेकिन वहां पर एटीएम से रुपये नहीं निकले।

मई में कहां चलेगी लू और किन इलाकों में होगी बारिश

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। अप्रैल के सुहाना बीतने के बाद अब लोगों को मई के मौसम को जानने को लेकर उत्सुकता है तो हम आपको बता दें कि मौसम विभाग की तरफ से मई को लेकर कुछ राहत की खबर है। मई 2023 में देश के कई राज्यों में लू चलने की संभावना है तो कुछ इलाकों में बारिश से मौसम सुहाना रहेगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की ओर से एक रिपोर्ट जारी की गई है। आइए जानते हैं इस रिपोर्ट में मौसम को लेकर क्या भविष्यवाणी की गई है? बिहार, झारखंड और ओडिशा समेत पूर्वी भारत के कई हिस्सों में मई में तापमान सामान्य से अधिक रहने और कुछ दिन लू चलने का पूर्वानुमान है। आईएमडी ने मई के लिए तापमान और बारिश संबंधी मासिक पूर्वानुमान के तहत बताया कि

पश्चिमोत्तर और पश्चिम-मध्य भारत के कुछ हिस्सों में रात में मौसम गर्म रहने और दिन में सामान्य से कम तापमान रहने की संभावना है।

मई में होगी राहत की फुहार?

आने वाले दिनों में मौसम की स्थिति का पूर्वानुमान लगाते हुए, आईएमडी ने कहा कि अगले पांच दिनों के दौरान 'देश के अधिकांश हिस्सों' में गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। मई में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों सहित देश के पश्चिमोत्तर और पश्चिम-मध्य हिस्सों में सामान्य या सामान्य से अधिक बारिश होने के आसार हैं। इसके अलावा, पूर्वोत्तर क्षेत्र, केरल, आंध्र प्रदेश और दक्षिण कर्नाटक के कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है। आईएमडी के अनुसार, मई में 61.4 मिलीमीटर की लंबी अवधि के औसत (एलएपी) की 91-109 प्रतिशत बारिश होने की संभावना है।

यहां चलेगी हीट वेव

विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि मई में बिहार, झारखंड, ओडिशा, गांगेय पश्चिम बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश, तटीय आंध्र प्रदेश और उत्तरी छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों तथा पूर्वी मध्य प्रदेश, तेलंगाना और तटीय गुजरात के अधिकतर हिस्सों में सामान्य से अधिक गर्म हवाएं चलने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि मई में भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में मौजूद तटस्थ अल नीनो का प्रभाव रहने की संभावना है और मौसम संबंधी अधिकतर मॉडल मई से मानसून के दौरान क्षेत्र के गर्म होने का संकेत दे रहे हैं।

अल नीनो का पड़ता है असर

ऐसा बताया जाता है कि अल नीनो या भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के गर्म होने का भारत में मानसूनी बारिश पर प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, हिंद महासागर में समुद्र की सतह (जिसे हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी) भी कहते हैं) के तापमान जैसे अन्य कारक भी मौसम को प्रभावित करने के लिए जाने जाते हैं। महापात्र ने कहा कि हिंद महासागर में मौजूद तटस्थ आईओडी संबंधी स्थितियां आगामी मौसम में सकारात्मक होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि सकारात्मक हिंद महासागर द्विध्रुवीय स्थितियां भारतीय मानसून के पक्ष में और अल नीनो के प्रभाव को कम करने में मदद करने के लिए जानी जाती हैं। इस महीने की शुरुआत में विभाग ने 87 सेंटीमीटर की लंबी अवधि के औसत (एलएपी) की 96 प्रतिशत बारिश होने की संभावना जताई थी।

पुलिस का जब्त किया ड्रग जांच में निकला यूरिया, हाईकोर्ट ने डीजीपी को 10 लाख रुपये मुआवजा देने को कहा

ग्वालियर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने पुलिस द्वारा एक युवक के खिलाफ एनडीपीएस के एक झूठे मामले में जेल भेजने के मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए डीजीपी से पीड़ित को दस लाख रुपये देने और जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं।

पुलिस ने इस मामले में आरोपी से खतरनाक नशीला ड्रग एमडीएमए जब्त करने का दावा किया था, जबकि एफएसएल की जांच में पाया गया कि वह यूरिया है। ग्वालियर के मुरार थाना पुलिस ने 6 सितम्बर 2022 को एक आरोपी को पकड़ा था और दावा किया था कि उसके कब्जे से 760 ग्राम एमडीएम पकड़ी गई है। एमडीएम अभी सबसे मंहगा ड्रग प्रोडक्ट है और इसका उपयोग सेलिब्रिटी द्वारा पूल पार्टियों में किया जाता है। दावा किया गया था कि ग्वालियर के रेस्ट्रोरेंट और फार्म हाउस पर होने वाली पूल पार्टियों में खपाने के लिए यह लाया गया था पुलिस की यह कार्रवाई मीडिया में भी खूब चर्चा में आई थी।

इस मामले में मुरार थाना पुलिस ने आरोपी रोहित तिवारी के खिलाफ के एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज कर उनसे 760 ग्राम एमडीएमए ड्रग की जब्ती दिखाई थी और आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। आरोपी ने अपने वकील के माध्यम से इस मामले में आर्टिकल 439 के तहत हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में याचिका दायर की और उसमें जब्त किए गए पदार्थ की एफएसएल रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष पेश करने का निवेदन किया।

कोचिंग सेंटर पर गई लड़की नहीं लौटी

परिजनों को मैसेज करके कहा- मैंने शादी कर ली

रोहतक, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। रोहतक में घर से कोचिंग सेंटर पर गई 21 साल की युवती वापस नहीं लौटी। परिजनों को मैसेज करके कहा, मैंने शादी कर ली है। इसके बावजूद पिता ने पुरानी सब्जी मंडी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाकर बेटी को तलाश करने की मांग की है। पुलिस को दी शिकायत में लड़की के पिता ने बताया कि उसकी बेटी निजी कोचिंग सेंटर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है। वीरवार सुबह करीब 10 बजे घर से कोचिंग सेंटर पर जाने की कहकर निकली थी। हर रोज समय पर वापस आ जाती थी, लेकिन वीरवार को नहीं लौटी। मोबाइल भी बंद आ रहा है। इससे परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने रिश्तेदारियों व सहेलियां के पास पता किया, लेकिन कहीं सुराग नहीं लगा। इसी बीच बेटी के नंबर से मैसेज आया कि उसने शादी कर ली है। इसके बाद मोबाइल ऑफ हो गया। पुलिस का कहना है कि उनके पास युवक व युवती की तरफ से पत्र आया है। युवती ने लिखा है कि उसने 2022 में ही पानीपत जिले के युवक से शादी कर ली थी। अब वे रोहतक नहीं आना चाहते। युवती के अदालत में बयान दर्ज करवाए जाएंगे। इसके लिए वह रोहतक नहीं आना चाहती। पुलिस खुद उसे लेने जाएगी। शादी करने के बारे में लड़की ने थाने में पत्र भेजा है।

स्कूल में मासूम बच्चों पर कहर ढाने वाली टीचर्स गिरफ्तार

मुंबई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। कांदिवली स्थित एक प्री-स्कूल के बच्चों को पीटने वाले दो महिला शिक्षकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों महिला शिक्षकों का वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वे प्री-नर्सरी के दो और ढाई साल के बच्चों को बुरी तरह से पीटती नजर आ रही हैं। इतना ही नहीं, दोनों टीचर्स बच्चों के लंच बॉक्स से खाना निकालकर भी खा लेती हैं। इस वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। वायरल वीडियो मुंबई के कांदिवली के राइम्स एंड रैंबल्स प्री-स्कूल का है। स्कूल के सीसीटीवी फुटेज में ये टीचर्स छोटे-छोटे बच्चों को पीटते हुए नजर आ रहीं हैं। ये सीसीटीवी फुटेज दो अप्रैल को वायरल हुए थे। सीसीटीवी फुटेज वायरल होने के बाद बच्चों के माता-पिता ने वीडियो देखा जिसके बाद उन्होंने इसकी शिकायत की। इन सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों शिक्षकों के खिलाफ थाने में मामला दर्ज किया गया है।

कर्नाटक में चुनाव प्रचार करवाने कमल हासन के पास पहुंची कांग्रेस, एमएनएम ने किया दावा

बेंगलूरू, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव होने में सिर्फ 10 दिन का समय बाकी है। राज्य में सभी राजनीतिक दलों का प्रचार अभियान तेजी से चल रहा है। एक तरफ सत्तारूढ़ बीजेपी फिर से सरकार बनाने की तैयारी कर रही है तो दूसरी ओर कांग्रेस सत्ता में काबिज होने की जद्दोजहद करती दिख रही है। इस बीच खबर है कि मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने एक बार फिर से अभिनेता और राजनेता कमल हासन से संपर्क किया है और उनसे पार्टी के प्रचार के लिए अनुरोध किया है। हाल ही में चुनाव को लेकर राज्य में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रोड शो और जनसभाएं की थी। इसके अलावा, पार्टी के अन्य दिग्गज नेता भी प्रचार अभियान को लेकर जोर शोर से जुटे हैं।

कमल हासन ने पहले दिया था समर्थन

इससे पहले मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) के नेता कमल हासन ने तमिलनाडु में इरोड (पूर्व) उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार ईवीकेएस एलंगोवन को अपना समर्थन दिया था। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस अब कथित तौर पर कमल हासन के पास दोबारा पहुंची है। पार्टी ने उनसे कर्नाटक में होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रचार करने का अनुरोध किया है। एमएनएम के सूत्रों ने बताया कि कमल हासन उनके (कांग्रेस) आमंत्रण और चुनाव में प्रचार करने को लेकर सोच विचार कर रहे हैं। बता दें कि राज्य में 224 सीटों के लिए कुल 2,613 उम्मीदवार मैदान में हैं। 10 मई को एक चरण में मतदान होगा। चुनाव के परिणाम 13 मई को घोषित किए जाएंगे।

जानें पार्टी के कितने उम्मीदवार मैदान में?

कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने कहा कि 2,613 उम्मीदवारों में से 2,427 पुरुष, 184 महिलाएं और 2 अन्य उम्मीदवार हैं। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों में बीजेपी से 224, मेलुकोटे में सर्वोदय कर्नाटक पार्टी के समर्थन को लेकर कांग्रेस से 223, जेडीएस से 207, आम आदमी पार्टी से 209, बहुजन समाज पार्टी से 133, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) से 4, जनता दल यूनाइटेड से 8 और एनपीपी से 2 हैं। वहीं, पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) से 685 और निर्दलीय प्रत्याशी 918 हैं।

अवैध संबंधों का विरोध करने पर पत्नी के किए चार टुकडे

गुरुग्राम, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। नौसेना में कुक का काम करने वाले पति के अवैध संबंधों का विरोध करने पर पत्नी के चार हिस्से कर दिए। पुलिस से बचने के लिए उसने पत्नी के हिस्सों को अलग-अलग जगहों पर ठिकाने लगा दिया था। इनमें से महिला का धड़ पचगांव के पास खेत में बने एक कमरे से अधजली हालत में बरामद हुआ था। इसकी गर्दन को भी पुलिस ने बाद में बरामद कर लिया था। इस मामले में पुलिस ने मृतका के पति जितेंद्र को गिरफ्तार किया है। जितेंद्र नौसेना में कुक था। करीब एक साल पहले ही वह रिटायर हुआ है। जांच में पता चला है कि जितेंद्र ने दूसरी शादी भी कर रखी है। दूसरी महिला से भी उसे एक बच्चा है।

रत्नागिरी में रिफाइनरी प्रोजेक्ट के खिलाफ आंदोलन उग्र

संजय राउत बोले- सीएम को गलत जानकारी दे रहे

मुंबई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के रत्नागिरी में बारसू रिफाइनरी पर शिवसेना नेता संजय राउत ने बड़ा आरोप लगाया है. संजय राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि रिफाइनरी को लेकर सरकार में समन्वय नहीं है. अधिकारी मुख्यमंत्री को गलत जानकारी दे रहे हैं. लोग सड़कों पर मरने-मारने के लिए क्यों उतर रहे हैं, ये सरकार को समझना चाहिए. संजय राउत ने कहा कि समन्वय किसी के बीच नहीं है, केवल इसलिए कि इस्लामिक कंपनी जो सऊदी अरबिया की है उसके लिए रत्नागिरी में मराठी आंदोलनकारियों पर लाठीचार्ज किया जा रहा है. एक हिंदूवादी सरकार के दौर में यह है इनका हिंदुत्व. बारसू के रिफाइनरी के मुद्दे पर संजय राउत ने रत्नागिरी के जिलाधिकारी पर झूठी जानकारी देने का आरोप लगाया और उसे हटाने की मांग की.

शरद पवार को लेकर कही ये बात

इससे पहले ,संजय राउत ने आरोप लगाया था कि बारसू में रिफाइनरी परियोजना जमीन खरीदने वाले नेताओं और 'बाहरी लोगों' के हितों की रक्षा के लिए शुरू की जा रही है. इस दौरान उन्होंने मांग की थी कि सरकार ऐसे लोगों की सूची सार्वजनिक करे. राउत ने आगे कहा कि मैंने सुना है कि शरद पवार ने स्थानीय लोगों के साथ बातचीत किए जाने और उन्हें विश्वास में लिए जाने की बात कही है, लेकिन उन्हें सरकार पर भरोसा नहीं है. दरअसल इससे पहले शरद पवार ने कहा था कि महाराष्ट्र सरकार को रत्नागिरी में रिफाइनरी परियोजना का विरोध कर रहे स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत करनी चाहिए. अगर इसके बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं होता है तो परियोजना के लिए वैकल्पिक स्थल ढूंढना चाहिए.

दिल्ली में पहलवानों के प्रोटेस्ट पर रखी राय

वहीं दिल्ली में जंतर-मंतर पर चल रहे पहलवानों के प्रदर्शन को लेकर भी संजय राउत ने अपनी बात रखी. उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर मैं बस इतना ही कहना चाहूंगा अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट के हाथ में जाएगा तब सरकार को उनका फैसला मानना चाहिए.

कोलकाता में सेक्स रैकेट का पर्दाफाश पुलिस ने 4 नाबालिग को छुड़ाया

कोलकाता, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के पास न्यूटाउन इलाके में पुलिस ने एक बार फिर सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। जतरागाछी इलाके के एक गेस्ट हाउस में सेक्स रैकेट चल रहा था। पुलिस ने उस रैकेट से चार नाबालिगों को छुड़ाया। इको पार्क थाने की पुलिस और विधाननगर पुलिस की खुफिया शाखा ने न्यूटाउन के जतरागाछी इलाके में छापेमारी की और नाबालिगों को बचाया गया था। शुरुआत में पुलिस और स्थानीय सूत्रों से पता चला कि उस गेस्ट हाउस में पिछले कई महीनों से रैकेट चल रहा था। पुलिस को इसकी जानकारी गुप्त सूत्रों से पहले से ही थी। उस सूचना के आधार पर बिधाननगर पुलिस की खुफिया शाखा के अधिकारियों ने जतरागाछी स्थित गेस्ट हाउस में छापा मारा। शुरुआती तौर पर पता चला है कि उस गेस्ट हाउस से दो लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस गिरफ्तार दोनों लोगों से पूछताछ कर रही है। नाबालिगों को उस गेस्ट हाउस में लाया जाता था और उससे गंदे काम करवाए जाते थे। इस बीच ताजा जानकारी के मुताबिक अभी गेस्ट हाउस की तलाशी ली जा रही है। ईको पार्क थाने की पुलिस और विधाननगर पुलिस की खुफिया शाखा के अधिकारी पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। इस बीच, स्थानीय निवासियों का एक वर्ग शिकायत कर रहा है कि इस गेस्ट हाउस में चल रहे रैकेट के बारे में पुलिस को कई बार सूचित किया गया था, लेकिन अभी तक पुलिस की ओर से इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जतरागाछी में गेस्ट हाउस से सटे इलाके में पुलिस कार्रवाई से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के इस अभियान की स्थानीय निवासी भी सराहना कर रहे हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी शहर के अलग-अलग हिस्सों में रैकेट चलने के आरोप लगते रहे हैं। बिधाननगर थाने की पुलिस पूर्व में ऐसी कई घटनाओं में आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इस बार न्यूटाउन के जतरागाछी इलाके में पुलिस ने एक और हनी ट्रैप रैकेट का भंडाफोड़ किया है। बता दें कि आरोप लगा है कि नेपाल, भूटान और बांग्लादेश से नाबालिग लड़कियों को फुसलाकर लाया जाता है और फिर उसे गंदे धंधे में ढकेल दिया जाता है।

निसार ने दी थी पुंछ हमले में शामिल आतंकवादियों को अपने घर में पनाह

जम्मू, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के पुंछ जिले की मेंढर सब डिवीजन के भाटादूरिया इलाके में सैन्य वाहन पर हमला करने वाले आतंकवादियों को अपने घर में पनाह देने और उन्हें असलहा बारूद और अन्य समान उपलब्ध करने वाला ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) निसार पिछले कई सालों से सक्रिय जीडब्ल्यू था। इस बात का खुलासा जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीजीपी दिलबाग सिंह ने शुक्रवार को दरहाल में पत्रकारों से रूबरू होते हुए किया। डीजीपी ने बताया कि निसार पिछले कई सालों से आतंकवादियों का समर्थक और सक्रिय (ओजीडब्ल्यू) रहा है। वर्ष 1990 में इस इलाके में लश्कर का एक कमांडर सक्रिय था और निसार तब से उस के लिए (ओजीडब्ल्यू) के तौर पर काम करता रहा है। डीजीपी ने बताया कि निसार पर हमें पहले से शक था और पहले से निसार पुलिस की संदिग्ध व्यक्तियों की सूची में शामिल था। इसको पहले भी कई बार हिरासत में लेकर पूछताछ की जा चुकी है। इस बार भी निसार पर शक था, इसी शक के आधार पर उसको उठाया गया। जांच के दौरान पुलिस को कुछ सबूत मिले, जिस की बुनियाद पर इससे पूछताछ हुई और पूछताछ के दौरान यह माना गया कि निसार भाटादूरिया में सैन्य वाहन पर घात लगा कर हमला करने वाले आतंकवादियों के साथ पूरी तरह से शामिल है और उसके परिवार के लोग भी पूरी तरह से शामिल है। भाटादूरिया हमले के मास्टरमाइंड नियंत्रण रेखा के उस पार बैठे रफीक नाई का साथी है निसार। वहीं, सूत्रों ने बताया कि नियंत्रण रेखा के उस पर बैठा भाटादूरिया हमले का मास्टरमाइंड, कुख्यात आतंकवादी व नशीली दवाओं का सप्लायर रफीक नाई का बड़ा करीबी और खास लोगों की सूची में निसार का नाम भी आता है। आतंकी रफीक नाई जो भाटादूरिया का है और पिछले करीब एक दशक से वो एलओसी के उस पार बैठा है और लश्कर के साथ जुड़ कर आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है और साथ ही नियंत्रण रेखा के इस ओर हथियारों की खेप, आईईडी और नशीली दवाओं की खेप भेजने में शामिल रहा है। सूत्रों की मानें तो रफीक नाई के इशारे पर ही निसार के पास वो आतंकवादी पहुंचे जिन्हें निसार ने घर में पनाह दी और रफीक के इशारे पर ही निसार के घररणनीति रची गई कि किस प्रकार से सैन्य वाहन पर हमला करना है। एलओसी के उस पार से रफीक नाई द्वारा ड्रोन से भेजे गए हथियार, गोला बारूद, नकद राशि निसार और उसके कुछ अन्य साथी आतंकवादियों तक पहुंचाते रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि निसार अकेला ही नहीं बल्कि भाटादूरीया के कुछ और लोग भी रफीक नाई के इशारे पर काम करते हैं और उन्होंने भी भाटादूरियां में शामिल आतंकवादियों का साथ दिया और उनकी मदद की। वहीं, पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुंछ पुलिस की सीआईडी और स्पेशल ब्रांच कई बार जिला प्रशासन को लिख चुकी थी कि निसार पर पीएसए लगा कर उसे जेल में डाला जाए लेकिन किन कारणों से पुंछ प्रशासन ने उस पर पीएसए नहीं लगाया यह जांच का विषय है।

मेट्रो में घिनौनी हरकत करने वाले शख्स का गंदा वीडियो वायरल

डीसीडब्ल्यू की सख्ती पर एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की प्रमुख स्वाति मालीवाल ने दिल्ली मेट्रो में कथित तौर पर हस्तमैथुन करते हुए एक व्यक्ति के वायरल वीडियो के संबंध में सख्त टिप्पणी की थी जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने उस शख्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दिल्ली पुलिस को महिला आयोग ने नोटिस जारी किया था जिसके घंटों बाद पुलिस हरकत में आई और केस दर्ज किया है। हालांकि, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है और आईपीसी की धारा 294 (अश्लील हरकतें और गाने) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच चल रही है। डीसीडब्ल्यू ने मामले में दर्ज प्राथमिकी की प्रति के साथ इस पूरे मामले में एक मई तक विस्तृत कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। डीसीडब्ल्यू प्रमुख स्वाति मालीवाल ने इस घटना को बीमार मानसिकता करार दिया है। उन्होंने कहा, 'वायरल वीडियो में एक शख्स को दिल्ली मेट्रो में बेशर्मी से मास्टरबेट करते हुए देखा जा सकता है. यह बिल्कुल घिनौना है। आरोपी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए और मामले में कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।" मालीवाल ने कहा, दिल्ली मेट्रो में इस तरह के मामले अधिक से अधिक सामने आ रहे हैं और ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ अनुकरणीय कार्रवाई करने की आवश्यकता है ताकि मेट्रो में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

हावड़ा से गिरफ्तार हुआ संदिग्ध आतंकी, बंगाल एसटीएफ ने दबोचा

कोलकाता, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में हावड़ा जिले से शनिवार को एक संदिग्ध आतंकवादी गिरफ्तार हुआ है। राज्य पुलिस के एसटीएफ ने उग्रवादी गतिविधियों से जुड़े होने के आरोप में नन्नू मीणा नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बंगाल एसटीएफ ने हावड़ा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। उसे पुलिस द्वारा आज कोर्ट में पेश किया जाएगा और पुलिस उसे अपनी हिरासत में लेने की फरियाद करेगी। बता दें कि एक हफ्ते के अंदर बंगाल से यह दूसरा संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार हुआ था। उसके अलकायदा के साथ संबंध पाये गये थे। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार किया था।

हावड़ा से पुलिस ने गिरफ्तार किया संदिग्ध आतंकी

पुलिस द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि शनिवार को बंगाल एसटीएफ द्वारा हावड़ा थाना क्षेत्र से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उस पर आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े होने का आरोप है। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम नन्नू मीणा है। उसकी उम्र चालीस साल है। उसका घर पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले के दिनहाट में बताई गई है। पुलिस ने बताया कि पिछले साल अगस्त में थाने के एक मामले में जांच के दौरान बंगाल एसटीएफ के हाथ कुछ अहम जानकारियां लगीं। उसके बाद गुप्त सूचना के आधार पर आज यह गिरफ्तारी की गयी। यूएपी एक्ट की विभिन्न धाराओं के अलावा भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं के तहत मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी शख्स के खिलाफ भारतीय दंड संहिता सहित यूएपीए की विभिन्न धाराओं में मामला शुरू किया गया है। पुलिस ने उससे पूछताछ कर रही है और उसके साथियों के बारे में जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रही है। पुलिस की ओर से उसे आज कोर्ट में पेश किया जाएगा और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जाएगी।

एक हफ्ते के अंदर बंगाल से गिरफ्तार हुआ दूसरा आतंकी

लगभग एक सप्ताह पहले बंगाल एसटीएफ ने गिरफ्तार आतंकियों से मिली सूचना के आधार पर हावड़ा के इलाके से ही एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया था और उससे कई अहम दस्तावेज भी बरामद किये गये थे। उससे उसके आतंकी गतिविधियों में शामिल होने की जानकारी मिली थी। बता दें कि इसके पहले भी बंगाल के सीमावर्ती जिलों मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना जिले से कई संदिग्ध आतंकवादियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इस बारे में एनआईए ने जांच शुरू की थी।

शराब के नशे में पत्नी पर चाकू से हमला करने वाले को पांच साल की जेल

सीहोर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। धारदार चाकू से हमला कर पत्नी को घायल करने वाले आरोपी पति को कोर्ट ने पांच वर्ष के कठोर कारावास एवं 1000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश अभिलाष जैन ने ये फैसला सुनाया है। न्यायालय द्वारा पीड़िता को प्रतिकर योजना 2018 के तहत प्रतिकर राशि दिये जाने का आदेश भी पारित किया गया। मीडिया सेल प्रभारी केदार सिंह कौरव ने बताया कि घटना दिनांक 14 सितंबर 2021 की रात 2:30 बजे पीड़िता तरूणा दोहरे अपने घर पर सो रही थी। आरोपी पति सुनील दोहरे शराब के नशे में आया और बाल पकड़कर उसे उठाकर बोला की तू अपनी मां के घर नहीं जायेगी, तो उसने पूछा कि क्यों नहीं जाएगी। इस बात पर पति गंदी गंदी गालियां देने लगा और वही पर रखी छुरी से जान से मारने की नीयत से उसके पेट, सीने व हाथ-पैर पर वार किए, जिससे उसे गंभीर चोट आई और वह जमींन पर गिर गई।

पीड़िता की चिल्लाने की आवाज सुनकर ससुर परमानंद आये और उन्होंने पड़ोस में जाकर तरूणा के पिता को उठाया, फिर उन्होंने 100 डॉयल कर पुलिस को बुलाया, पुलिस पीड़िता को इलाज के लिए शासकीय जिला अस्पताल सीहोर ले गई। पीड़िता की स्थिति गंभीर होने के कारण वहां से उसे भोपाल रेफर कर दिया, जहां पर उसका इलाज चला। आरक्षी केन्द्र थाना कोतवाली द्वारा आरोपी के विरूद्ध धारा 307 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।

रेत कला के मुकुट : सुदर्शन पटनायक

अतुल कुमार

रेत के महत्व को हम उतना ही समझते हैं जितना कि उसका इस्तेमाल इमारतों या अन्य बिल्डिंगों को बनाने में होता है . सीमेंट के साथ उसको मिलाने को भी जानते हैं . इन दिनों हर तरफ बन रही इमारतों में रेत का अधिक उपयोग हो रहा है .पानी के बाद रेत ऐसा दूसरा प्राकृतिक संसाधन है जिसका जम कर इस्तेमाल हो रहा है .पूरी दुनिया में रेत की मांग बढ रही है . रेत का कारोबार तेज़ी से बढ रहा हैं ज़रूरत गैर ज़रूरत इमारतें बनती जा रही हैं , पुल सडकों और फ्लाइओवरों की जितनी ज़रूरत है उससे कहीं अधिक बिल्डिंगों का निर्माण हो रहा है . क्यों कि एक बिज़नेस है तो दूसरा सेवा ! सेवा पीछे छूट गयी जिस रेत का उपयोग सेवा भावी कलापों में ज़्यादा होना चाहिये वह पीछे रह गयी . आधुनिक बाज़ारवाद ने दिखावे की जो परिभाषाएं गढी, उसका कस्टमर होना ज़रूरी बनाया गया क्यों कि उसे स्टेटस सिंबल से जोडा गया . रेत ,पानी और हवा सब बिक रहे हैं . लिटरेचर में पढा " समय की रेत पर छोडे निशान " उसी रेत पर कई कहावतें ,कहानियां और किस्से लिखे गये . लेकिन रेत पर कला भी फली फूली इसका उल्लेख कम हुआ . याद आयी सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक की जिन्होंने रेत कला को उंचाइयों की बुलंदी दी .

मशहूर रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने पुरी समुद्र तट पर 48 फीट तथा 8 इंच का दुनिया का सबसे ऊंचा रेत का महल बना गिनिज़ वर्ल्ड रिकार्ड बनाया सुदर्शन ने अमेरिका में बनाए गये 45 फीट और 10 इंच के रेत के महल का रिकार्ड तोडा .रेत महल के सभी मानदंडों को पूरा कर कीर्ती पायी .

बीते महीनों में देश की चर्चित फिल्म " आर आर आर " के गाने " नाटू नाटू " को मिले बेस्ट ओरीजनल सांग तथा " एलिफेंट व्हिस्पर्स " ने इतिहास रचते हुए दो आस्कर अवार्ड अपने नाम किये जिससे देश में खुशी और उल्लास की लहर दौडी . ऐतिहासिक उपलब्धि पर देश गौरांवित हुआ .इस खुशी को सुदर्शन पटनायक ने अनोखे ढंग से मनाया दोनों फिल्मों की सफलता पर पुरी के समुद्र तट पर एक सुंदर रेत कलाकृति का निर्माण किया और उसकी तस्वीर को ट्विटर पर शेयर किया . जिसे कला प्रेमियों ने सराहा .रेत कलाकारी में पटनायक ने अपना

नाम रौशन किया कई ऐसी नायाब कलाकृतियों को रेत पर उकेरा जिसे देख दुनिया हैरत में पडी .उसकी खूबसूरती ने रेत कला को बढावा दिया .

बताया जाता है कि बचपन में जब सुदर्शन के यार दोस्त पेन और पेंसिल का इस्तेमाल कर चित्र बनाते तब वह पुरी के समुद्र किनारे की रेत पर अपने दिल में भरे दुख को इसके माध्यम से प्रस्तुत करते .दुनिया में शांति को बढावा देने के लिये अपनी कला का उपयोग किया .ग्लोबल वार्मिंग ,ऐड्स तथा धूम्रपान जैसे मसलों पर जागरूकता लाने की कोशिश की .समुद्र तटों से उन्हें कितना गहरा जुडाव हैं वह इसी से साबित होता है कि कुछ वर्ष पूर्व पुरी में बंकिमुहान बीच को प्रदूषण मुक्त करने की मांग को ले दो दिन तक भूख हडताल की जिसके बाद उसे स्वच्छ बनाने का अभियान चला और वह स्वच्छ हुआ.

उनकी अधिकतर कलाकृतियों में सामाजिक संदेश होते है जो दर्शकों को अंदर तक अपील करते हैं .छोटी उम्र में गरीबी के कारण घरों में पोंछा लगाने का काम कर चुके इस सैंड आर्टिस्ट का यश पूरी दुनिया में फैला हुआ है . डेनमार्क के प्रतिष्ठित " कोपहेगन इंटनैशनल सैंड स्कल्पचर " महोत्सव में पर्यावरण पर बनाई उनकी कलाकृति को सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार मिला ." गो ग्रीन " और " सेव अर्थ " पर बनायी उनकी कलाकृतियों को कला प्रेमियों ने बहुत पसंद किया.सात दिनों में इन सब्जेक्टस पर 15 फुट ऊंची कलाकृति बनाई . पर्यावरण पर उनके मतानुसार " जलवायु परिवर्तन " से पूरी दुनिया परेशान है .हमें सोचना होगा कि पर्यावरण के साथ हम कैसा बर्ताव करते हैं प्रकृति के साथ संतुलन बनाये रखने के लिये एक उचित राह खोजनी होगी .अतः मैंने जन जागरूकता के लिये रंगीन बालू की मदद से इन कलाकृतियों को बनाया . इन कलाकृतियों में समुद्र में होने वाले प्लास्टिक .प्रदूषण से निपटने का मेसेज दिया जिसमें प्लास्टिक में उलझे कछुए और मछली के पेट में प्लास्टिक की बोतलों तथा पैकेट्स आदि से उनमें होने वाली छट्पटाहट को रेखांकित किया जो प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्परिणामों को बताता है .दरअसल बडा चित्रकार बनना चाहते थे लेकिन गरीबी के कारण कला में इस्तेमाल होने वाले सामान खरीदना उनके बस में नहीं था पिता के न होने के बाद घर में पांच सदस्य थे जिनमें दादी को रु 200 पेंशन मिलती वे रेल्वे से रिटायर थीं इसमें परिवार का गुज़ारा मुश्किल से होता . कला के प्रति उनकी बेपनाह चाह ही उन्हें पुरी के समुद्र किनारे खींच ले गयी घरों में काम इसलिये नहीं करते कि उन्हें तनख्वाह मिले बल्कि इसलिये उसे करते कि दो वक्त की रोटी मिले .काम निबटा सुदर्शन समुद्र किनारे पहुंचते और रेत पर अपनी फीलींग्स को उंगली से उकेरते जिसमें हालात का दर्द समाया होता कला के प्रति उनकी आशिकी और बढती गयी . सातवें दशक के कशिश भरे हिट गाने " रुक जाना नहीं तू कहीं हार के - कांटों पे चलके मिलेंगे साए बहार के " की पंक्तियों को साकार करते हुए वह रेत कला के सिरमौर बने .अपने जीवन की पहली कलाकृति पिता को समर्पित करते हुए उनकी परछाई को बनाया जो सदा साथ खडी रहती है .इस कला को सीखने के लिये कोई शिक्षा नहीं ली आर्टिस्टिक स्किल स्वतः उनमें जन्मा ." पेड बचाओ ,भविष्य बचाओ " के लिये उन्हें पीपुल्स चायस पुरस्कार मिला .पांच बार विश्व चैंपियन का खिताब जीता .15 अप्रेल 1977 को पुरी उडीसा में जन्मे इस कलाकार ने पुरी बीचों को कैनवास बना उस पर कलाकारी की . समुद्र किनारे आने वाले टूरिस्ट उनको देख सुझाव देते जिसे मान उसमें सुधार करते एक बार एक पर्यटक ने कहा नाक लंबी बनी है तब उसमें उस वक्त तक सुधार किया जब तक कि वह सुधर नहीं गयी . इसी तरह कला को निखारते गये . अब उनकी बनायी कलाकृतियों को देख दर्शक खुश हो तालियां बजाते हैं और उनके साथ सेल्फी ले आनंदित होते हैं .

सुदर्शन पटनायक ने दुनिया भर के 60 से अधिक मूर्ती कला प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले 27 बार पहले स्थान को पा देश का गौरव बढाया रूस ,जर्मनी , अमेरिका ,कनाडा , और कोरिया आदि कई मुल्कों में अपनी कला से ख्याति पायी . सन 2004 में आयी सुनामी के पीडितों के लिये अपनी कला के ज़रिये अपील की थी जिसकी दुनिया भर में काफी सराहना व चर्चा हुई इस सुनामी ने कई मुल्कों में तबाही मचायी थी ।

जिसमें हज़ारों लोगों की जान गयी .देश विदेश के कई प्रतिष्ठित पुरस्कार पा चुके इस कलाकार को सन 2014 में पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित किया गया समसामयिक विषयों तथा चर्चित हस्तियों पर उनकी रेत कलाकृतियां प्रायः चर्चा में रहती है क्यों कि वह अनूठी और मनमोहक जो होती हैं . रेत कला के इस महान कलाकार को हम महानायक क्यों नहीं मानते ! सिर्फ बालीवुड और क्रिकेट के ही क्यूं ? इसका सोल्यूशन क्या है ? सोचिये ।

काव्य कुंज

जिंदगी का तराना

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

जब हमने झूम कर
नाच कर जिंदगी का
सच्चा तराना गाया
सबको हम पर बहुत प्यार आया
लोगों का हजूम हमसे मिलने आया
जब हमने झूम कर ----
सब खुश थे जिंदगी की सच्चाई को जानकर
रात और दिन का सफर
उनको बड़े प्यार से समझ आया
जब हमने झूम कर जिंदगी का----
ईमान बेच कर जाने क्यों दौलत ए इमारत बनाते हैं
सब यही पड़ा रह जाएगा जाते वक्त बड़ी सोच होगी
दिल कसकता रह जाएगा अभी भी वक्त है कुछ दम
ठहरो और सोचो क्यों ना चिराग ए मोहब्बत
सब दिल मे जलाया जाए खुशियो की बहारो को लाया जाए
मदद को हाथ बढ़ाया जाए हमें आशीष और खुदा की
इबादत दोनों ही मिल जाएंगी
जब हमने झूम कर नाच कर
यू तो खुदा ने दी हैं,नेमतें हम सबको हम सबको
बा टने के लिए सबको हंसाने के लिए
आओ आज मिलकर, सब को हंसाया जाए
प्रेम का सबक सबको पढ़ाया जाए
कमजरफी का पैमाना दिल से मिटाया जाए
झूम कर नाच कर
जिंदगी का सच्चा तराना गाया जाए।।

असुवन

टी तारासिंह
हैदराबाद

असुवन से नैन भिगोये
गम यूँ छलके है मन से तन से
जैसे छलके हो मदीरा प्याले से
अपना हाल ओर क्या बताते ।
असूवन से नैन भिगोये
गम यूँ छलके है मन से तन से
जैसे छलके हो मदीरा प्याले से
कही पे है सुखों की छाया
कही पे है दुःखो की धूप
भला हो बुरा हो जिंदगी में
जीना तो पडेगा दुःखों से लडना पडेगा
जिंदगी बनी है आशाओं निराशाओ से
अपना गम अपने को सहना होगा
ढुढ़ लेना छाया ढुढ़ लेना प्यार
अपना हाल ओर क्या बताते ।।

निस्वार्थ प्रेम

मुत्यमवार प्रवलिका
हैदराबाद

तुम कितनी नादान हो,
दुनिया में
सच्चा और निस्वार्थ
प्रेम है तुम्हारा !
अपनी खुशी का तो !
कभी ऐहसास नहीं,
मुझे जीवन देकर अपनी खुशी समझती रही।
कैसे चुकाऊँ तेरे इस त्याग का प्रतिफल,
सोचते रहता हूँ मैं हर पल असफल।
कितनी ही यातनाएं सहती हो, दुःखी नहीं होती
अपनी कोख की पहरेदार की तरह रक्षा करती
स्वयं कुछ खाओ-न-खाओ खून-पसीना एक कर
ताकत सारी नन्हियाल/नन्हों को न्योछावर करती
दूर मत करना खुद से मुझे, गमले में बोए बीज की तरह,
कितना कुछ सुख मिलने पर भी आखिर को दुःखी रह जाता हूँ।
किसी और की कोख में ठीक से सांस न ले पाऊँ शायद।
तुमसे मिले उल्वोदक को मैं बूंद-बूंद चूसकर
अपने जड़ें मजबूत कर लेता हूँ ।
इस दुनिया को देखने के कुतूहल में,
मैं तेरी परवाह नहीं करता हूँ
बल्कि तुझे बहुत बहुत कष्ट देकर
आखिर इस दुनिया को देख लेता हूँ ।
मैं स्पष्ट रूप में यह कह सकता हूँ
एक बड़ी आंधी आने पर भी, गमले की पौध जैसा,
गिर-गिर तो नहीं जाऊंगा हिम्मत से हर तूफान
का डटकर सामना करूंगा अपना शरीर खोखला कर
तुमने सारा खून मेरे लिए बहाया
निरंतर चल रहे युद्ध में
लड़ने के लिए मुझे मजबूत बनाया
मैं चाहता हूँ, हर दम तुम्हारे साथ रहूँ
संतान ही हर मां का सौभाग्य है।
अपनी संतान की खुशी में, वह खिलती रही है
जीवन संघर्ष की समाप्ति के बाद भी
मुझे अपनी गोदी में सुलाती है ।
एक मुझे अपनी कोख से जन्म देती,
दूसरी मुझे अपनी कोख में चैन की नींद सुलाती
सब कुछ सह कर अंततः अपने भावी संतान के लिए
अपनी जान जोखिम में डाल, मुझे इस दुनिया की
पहचान कराने वाली ओ मेरी माँ
कैसे चुकाऊँ तेरे इस त्याग का प्रतिफल,
सोचते रहता हूँ मैं हर पल असफल।

नदी और स्त्री

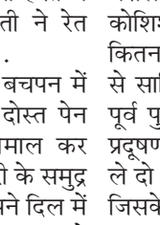

डॉ टी महादेव राव

नदी बह रही है
स्त्री जिस तरह जीती है
खुद में कई दर्द समेटे
नदी का प्रवाह लेकर चलता है
उसके आंसुओं को
पता नही चलता
पानी और आंसू दोनों होते हैं एक से पारदर्शी
हमें नदी की कल कल सुनाई पड़ती है
हम भ्रम में हैं कि नदी खुश है किलक रही है
लेकिन पत्थरों पेड़ पौधों से गुजरती नदी
भीतर तक भिद जाती है अंदर ही अंदर घुलती जाती है
नदी स्त्री है एक दुखी सी उसे भीतर सब सहते हुए
बाहर हंसने का अभिनय आता है नदी बहती जाती है
मौसम कोई हो रास्ता नया हो उसे फर्क नहीं पड़ता
जैसे स्त्री हर हाल में चेहरे पर शिकन नहीं लाती
बस कर्म करती रहती है
स्त्री संसार सागर में गोते लगाती है
अपना अस्तित्व बचाए हुए
लेकिन नदी अपना छोटा रूप छोड़
समुद्र के अस्तित्व को अपना लेती है
खुद सागर बन जाती है ।।

दोस्त की ज़रूरत

वाईवी रत्नम

मैं कुछ नहीं कहता हूँ
लेकिन तुम बहुत कुछ समझ लेते हो
मेरे दिल की धड़कनों को
मुझसे पहले तुम ही एहसास करते हो
अपनों ने मुझे धोखा दिया
लेकिन रब ने तुझ जैसा दोस्त दिया
अफसोस हुआ कि मैं अकेला हो गया
सोचा ऊपरवाले ने मुझे अन्याय किया
मगर जब तुम आए हो मेरी जिंदगी में
लगा कुछ खास लिखा है मेरी लकीरों में
सब कुछ है मेरे पास लेकिन
महसूस करता हूँ यह सफर अधूरा
यदि सच्चा दोस्त मिल जाए राह में
तो समझूँ कि जीवन बन गया पूरा
रंगों की ज़रूरत होती है गुलशन को
सितारों की ज़रूरत होती है चाँद को
लेकिन यार के बिना ज़िंदगी ही क्या है
यार की आहट से निखरती है ज़िंदगी।।

चाँद

कुमुद बाला,
हैदराबाद

चाँद के भी अनगिनत रूप
कभी वह मामा कहलाता
तो कभी प्रिय सखा
अँधियारी रात में जब चेहरा तक नहीं
दीखता किसी का
लहरों का भी सन्नाटा पसरा होता
हवाओं के बहने की आवाज सुनाई देती
और यह कभी भारी पदचाप बन डराती
तब अम्बर की खिड़की खोल
अभ्र की जुल्फों को पीछे कर
बड़े धीरे से चाँद खिड़की से नीचे झांकता
हल्की दूधिया रौशनी फैल जाती
और चेहरे पर मुस्कुराहट तैर जाती
वह पल बड़ा सुहाना होता है
अनगिनत यादों को समेट लेता है
तभी तो इसे ईद का चाँद कहते हैं
जो जल्दी नज़र नहीं आता हज़ार नखरे दिखाता
और जब नज़र आता, लाखों खुशियाँ साथ लेकर आता
तन्हाई में यही चाँद हमदम कहलाता
कभी प्रिय की बेवफाई का गवाह भी बनता
तो कभी प्रिय के सपनों का राजकुमार कहलाता
हर त्यौहार में साथ निभाता
और सफर में दूर तक साथ निभाता
कभी माँ से बलाएँ लेता
और कभी बच्चे की थाली में झिलमिलाता
कभी प्रेयसी बन दूर से लुभाता
और कवियों की कल्पना में खूब खिलखिलाता
नये गीतों में इसका जिक्र आता
कभी कुछ कहता और कभी सुनाता
वह एक कहानी, जिसका न आदि है और न ही अंत
ये किस्से अनंत और इसके रूप अनंत।

ग़ैरों की ख़ातिर

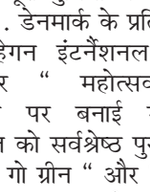

रेणुका अग्रवाल

नफ़रतों से फूल खिला नहीं करते।
रंज ओ ग़म लेके मिला नहीं करते।
अपनो के सितम हँसकर सह लेते हैं
वो गैरों से कभी गिला नहीं करते।
भूल चुके जो माँ की ममता को भी
उनसे कोई उम्मीद किया नहीं करते।
बात करते ही जो दिल ख़राब करदे
वो सुकून से कभी जिया नहीं करते।
जिनका दिल दिमाग़ है दर बदर ख़ुद
वो किसी के ज़ख्म सिया नहीं करते।
मयखाने में बैठकर मय से परहेज़ करे
ऐसे लोग कभी भी दिखा नहीं करते।
इश्क मासूम था हुस्न अदाकारा रहा
खुद को माशूक में मुब्तला नहीं करते।
जो आपकी तवक़्क़ो न करे कभी भी
उनपे दिल कभी भी फिदा नहीं करते।
ज़माने वाले कभी अपने नहीं होते *रेणू*
ग़ैरों की ख़ातिर अश्क पिया नहीं करते।

श्रम दिवस अभिनंदन

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

1 मई का दिन खास
श्रम दिवस आगाज,
15 घंटे करते काज,
उठी विद्रोह आवाज,
दुख दर्द से भरे हुए,
श्रमिक सब एक हुए,
कोना कोना संसार का,
श्रम के उपकार का,
श्रमिक जीवन था बेज़ान,
श्रम दिवस का हुआ ऐलान,
परिश्रम देवता को दिया सम्मान,
अन्तर्राष्ट्रीय श्रम दिवस श्रमिक मान,
खुशी इजहार दिन, रहता अवकाश,
सुधरी स्थिति सुधरे मजदूर हालात,
अभी तो शुरुवात है, श्रमिक खुशहाल तभी बनेगी बात है,
विश्व को देना होगा ध्यान,
हर श्रमिक को मिले रोटी कपड़ा और मकान,
श्रम दिवस हर श्रम के लिए,
चाहे मानसिक श्रम करते कम्प्यूटर लिए,
प्रौद्योगिकी का बिछा जाल, रात दिन का बुरा हाल,
सभी पर लागू हो समय बंधन,
आया श्रम दिवस करो अभिनंदन।

हां.. मैं कविता लिखता हूं

डॉ डी डी देसाई

हाँ.. हाँ...मैं कविता लिखता हूं...।
बासी, कवक नहीं.. तरोताज़ा लिखता हूँ।
सुनहरी शीतल टिमटीमाती शाम,
अधबीती रातों की सिसकती ख़ामोशी,
अनगिनत पल्लूओं में दबी रुदनरत,
विशालकाय हिमालय सी तपन में,
त्रस्त माताओं की कहानी लिखता हूं।
हाँ...हाँ...मैं कविता लिखता हुँ।
बासी कवक नहीं...तरोताज़ा लिखता हुँ।
हजारों लोगोंकी हजारों बातें,
दिन के ताने.. कड़वी बोली कड़वी रातें,
जो सहन कर गया वो तर गया,
कोई पंखे से लटक गया कोई मर गया।
मर्यादा पुरुषोत्तम भी बच न सके इससे,
वैदेही की अग्निपरीक्षा मुजुबानी लिखता हुँ।
हाँ...हाँ...मैं कविता लिखता हुँ।
इतिहास ही नहीं.. तरोताज़ा लिखता हुँ।
पांडवों का बल, कौरवों का हुजूम,
मुरलीधर का साथ कहीं चलाख शकुनी,
किसीका राजपाठ.. किसी की निगरानी,
वक्त से बदला वक्त बदली वारदात पुरानी,
पुनः पांचाली का वस्त्रहरण लिखता हुँ।
हाँ...हाँ...मैं कविता लिखता हुँ....।
असरदार ही नहीं.. तरोताज़ा लिखता हुँ।
बीता हुआ कल गुजरते हुए आज का प्रलय,
दरबान हीन अधिकोश, तालेबंद हैं देवालय,
आश्रम में जनसैलाब है बंजर निवासालय,
पाखंडियों की मंडी और शमशान में सच्चाई,
बेईमान काफिलों में परचम ईमानी लिखता हुँ।
हाँ.. हाँ...मैं कविता लिखता हुँ...।
प्रासंगिक ही नहीं तारोताजा लिखता हुँ।।

चलो आज़ फिर से...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

प्यार तो करते हैं हमसे,
इक़रार अभी बाकी है
राहों में खड़े हैं कब से,
इंतज़ार अभी बाकी है
आए भी चल दिए,
तूफ़ान खड़ा करते हैं
चलो आज़ फिर से मुस्कराते हैं
मुलाकात ना सही दिल से याद तो कर लेते हैं
तेरे ख्यालों की जुस्तजू में रात गई ताकते
तेरे दीदार की आरजू में रात..स्वयं को हाकते
तुम जीते, मैं हारा,तन्हाईयों से रिश्ते जोड़ते हैं
फूल कांटों की पहचान.., दिल न तुम से लगाते
मालूम होता तुम बेवफ़ा,जख्मों को यूँ न दिखाते
बहा दी किश्ती मझधार में, सिर्फ़ हाथ मलते हैं
मैं अब मौन रहता हूँ, तेरे चले जाने के बाद
खुद को ही दफनाता हूँ,तेरे चले जाने के बाद
थक गया, और नहीं, रह रह कर ख्वाब मचलते हैं
चलो आज़ फिर से...

तू पुरुषार्थ कर

गजानन पाण्डेय

कल की आस व्यर्थ है
जो कुछ है आज है
गर खुद पर विश्वास है
तू फिर क्यों उदास है ।
मन की दुविधा छोड़ दे
चिंता को मन से दूर कर
तेरे हाथ कर्म है
बस तू पुरुषार्थ कर ।
मन पर लगाम रख
लक्ष्य पर ध्यान रख
धैर्य व उत्साह से
हर चुनौती को पार कर ।

वक्त

अगर तुम मेरे लिए, वक्त बचा कर लाते हो
तो स्वागत है,और अगर बचे हुए वक्त में आते हो
तो लौट जाओ, तुम्हें आराम की ज़रूरत है
थक गए होगे ऑफिस, घर-परिवार,
दोस्त यार, रिश्तेदार, सब संभालते संभालते
और मैं,इनमें से कुछ भी नहीं होना चाहती।
नहीं चाहती एक और काम की तरह
तुम्हें बेचैन करना, और ना ही ख़ुद को ऐसे
उपेक्षित देख सकती हूं
इसलिए अब कभी मेरा हाल मत पूछना
क्योंकि जवाब सुनने का, तुम्हारे पास वक्त नहीं है
और मुझे भी पता है, तुम संभाल लेते हो खुद को
मेरी जरूरत होती भी नहीं तुम्हें
तुम्हारी भागती दौड़ती ज़िंदगी को
पल भर का ठहराव देना चाहती थी
लेकिन तुम तेज़ रफ़्तार तुम्हें ठहराव पसंद नहीं
और तुम्हारी पसंद सर आंखों पर...

-प्रिया भारती, सिवान , बिहार

तुम्हारी बाहों तक...

अनायास ही
तुम्हारी बाहों से मेरी बाहें...
एक मुलाक़ात के बाद बिछड़ जाएंगी
पर मेरे अंतर्मन की पुकार को सुन लेना तुम
मेरी चुप्पी में दबी मिलन की आकांक्षा ,
हो जाएगी खाक मान-मर्यादाओं की ताप से...
पर मतवाले हाथी की तरह झूमते हुए तुम
तोड़ देना सारी मर्यादाओं के गढ़ को
जो मेरे जीवन आदर्श को दे रहा चुनौती
वर्षों से अब तक...
और हर-दिन,हर-वक़्त
एक अतृप्त मीठे अहसास की तरह
तुम महसूस करना कि हमारी क़िस्मत में
लिखा है एक दूजे का साथ,
और इसे सोचते हुए एक फूल खिल जाए तुम्हारे होठों पर...
आह! मेरे अपने प्रीत
फिर मुझमे जल उठेगा वही शोला
जो न ही बुझा होगा तेरे अंदर
और न ही भुलाया होगा मैने भी...
क्योंकि मेरा प्रेम तो पलता है तुम्हारे प्रेम से
इसलिए जब तलक ये जहाँ है
प्रेम भी रहेगा मेरी बाहों से तुम्हारी बाहों तक...।

मनिका पंडा(पीएच.डी),ओडिशा

ग्रीष्म के ऊष्ण में

केएल प्रभाकर प्राण

भास्कर बरस रहा है धूप ताप के बाण
तड़प रहे हैं जीवकोटि के तन मन प्राण
जीवकोटि ढूंढ रहे हैं शीतल शीतल छाया
है यह भानु के धूप प्रकोप की लीला माया
अब मुझसे कहते हैं ये मेरे तन मन
हे! प्राण तुम वहाँ चलो, है जहाँ सघन वन
वहाँ सुने हम हरे भरे वृक्षों की प्रेम भरी धुन
वृक्षों के झुरमुट में बीते ग्रीष्म के ये दिन
मोती रूपी स्वच्छ स्वच्छ शीतल झरना
ऋतु ग्रीष्म के धूप ताप को तुम हरना
हे! झरना इच्छा मेरी है कि तेरी गोद में रहना
मोती जैसे तेरी बूँद बूँद है शीतल गहना
ग्रीष्म के ऊष्ण में, शीतल अपना गात बनाऊँ
सघन वन और सकल जलाशयों को
मैं अपने मन का मीत बनाऊँ।।

बैरागी होने का हुनर

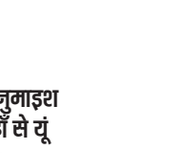

लवली आनंद,
बिहार

खुद गम में रह कर भी
खुशी दिखाने का हुनर
सीखा कहाँ से तूने
यूं दिल बहलाने का हुनर?
खुद कैद में रह कर भी
पक्षियों को पिजड़े से
उड़ाने का हुनर
सीखा कहाँ से तूने
बेखौफ यूं जीने का हुनर?
खुद - खुली किताब की
तरह रह कर कभी आया न
कुछ छुपाने का हुनर
सीखा कहाँ से यूं तूने
छलावा करने का हुनर?
भीड़ में रह कर भी भीड़ की नुमाइश
न करने का हुनर सीखा कहाँ से यूं
खुद को आजमाने का हुनर?
बेरंग रह कर भी रंगीन मिजाज का हुनर
बता सीखा कहाँ से यूँ बैरागी होने का हुनर?

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

खड़गे की गलती देगी भाजपा को मौका ?

कर्नाटक चुनाव से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के एक विवादित बयान ने सियासी पारा गर्म कर दिया है। कलबुर्गी में एक जनसभा के दौरान उनकी जुबान फिसल गई। खरगे ने पीएम मोदी की तुलना जहरीले सांप से कर दी। इस बयान के बाद भाजपा हमलावर है और वो खड़गे के साथ साथ राहुल और सोनिया गांधी को भी निशाने पर ले रही है। मल्लिकार्जुन खरगे ने कलबुर्गी की रैली में वो गलती कर दी जो कर्नाटक चुनाव में पूरी कांग्रेस के लिए आत्मघाती साबित हो सकती है।

इससे पहले भी कांग्रेस नेताओं के बयान आत्मघाती होते रहे हैं। मणिशंकर अय्यर से लेकर सोनिया गांधी तक के बयान अलग-अलग चुनावों में कांग्रेस के लिए मुश्किलें बढ़ाते रहे हैं। भाजपा इन बयानों को चुनावी मुद्दा बनाती रही है। कुछ बयान तो ऐसे रहे जिन्होंने पूरे चुनाव को पलट दिया। आइये जानते हैं ऐसे ही बयानों के बारे में...

कर्नाटक में अभी क्या हुआ

कर्नाटक चुनाव में मतदान के लिए दो हफ्ते से भी कम समय बचा है। राज्य में चुनाव प्रचार चरम पर है। गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी पार्टी का चुनाव प्रचार करने के लिए पहुंचे। उन्होंने कलबुर्गी में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान खरगे की जुबान फिसल गई। उन्होंने पहले पीएम मोदी को अच्छा इंसान बताया और फिर उनकी भाषा अभद्र होती चली गई। खरगे ने कहा कि पीएम मोदी जहरीले सांप की तरह हैं। आप सोच सकते हैं कि यह जहर है या नहीं। यदि आप इसके संपर्क में आते हैं तो आपकी जान चली जाएगी।

कांग्रेस नेता खड़गे ने इस पर सफाई भी दी। उन्होंने कहा कि मैं पीएम मोदी के लिए नहीं बोल रहा था। मेरा मतलब था कि बीजेपी की विचारधारा सांप की तरह है। मैंने पीएम मोदी के लिए व्यक्तिगत रूप से यह कभी नहीं कहा। मैंने जो कहा था कि उनकी विचारधारा सांप की तरह है और यदि आप इसे छूने की कोशिश करते हैं, तो आपकी

मृत्यु निश्चित है। इसके बाद भी भाजपा नेताओं के हमले खरगे पर जारी रहे। विवाद ज्यादा बढ़ता देख खरगे ने ट्वीट करके अपने बयान पर माफी मांग ली।

गुजरात में खड़गे ने की थी रावण से तुलना

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पिछले साल नवंबर में गुजरात में एक चुनावी रैली में पीएम मोदी की तुलना रावण से कर दी था। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा था, 'बीजेपी नगरपालिका तक के चुनाव में कहती है मोदी को वोट दोक्या मोदी यहां काम करने आएंगे। पीएम हर वक्त अपनी ही बात करते हैं। आप किसी को मत देखो मोदी को देख कर वोट दो। आपकी सूरत कितनी बार देखना। कॉरपोरेशन में भी आपकी सूरत देखना, एमएलए के इलेक्शन में भी आपकी सूरत देखना, एमपी इलेक्शन में भी आपकी सूरत देखना..हर जगह..आपके रावण के जैसे 100 मुख हैं क्या?'

गुजरात चुनाव से पहले खरगे की इस टिप्पणी ने कांग्रेस को राज्य के चुनाव में एक तरफ से साफ कर दिया था। इस चुनाव में भाजपा को रिकॉर्ड 156 सीटें मिली थीं। वहीं, कांग्रेस 17 सीटों में ही सिमट गई।

'चौकीदार चोर है' नारा उल्टा पड़ा

2019 लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने राफेल सौदे को लेकर 'चौकीदार चोर है' का नारा दिया था। कांग्रेस का यह बयान पार्टी के लिए एक बार फिर आत्मघाती साबित हुआ। पूरे चुनाव के दौरान भाजपा ने 'मैं भी चौकीदार' नाम से अभियान चलाया और इसका असर चुनाव नतीजों में साफ दिखा। इस चुनाव में भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए अकेले 303 सीटें जीती थीं। वहीं, कांग्रेस महज 52 सीटों पर सिमट गई थी।

मणिशंकर अय्यर का 'नीच' वाला बयान

2022 से पहले साल 2017 में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने पीएम मोदी पर 'नीच' का तंज कसा था। यह बयान बाद में कांग्रेस के लिए एक सेल्फगोल साबित हुआ, क्योंकि इसने कांग्रेस को गरीब विरोधी और पिछड़ी जाति विरोधी करार देने में पीएम मोदी की मदद की। एक ओर जहां कांग्रेस दशकों बाद राज्य में सत्ता की राहें देखी रही थी कि एक बयान ने ऐन वक्त पर पूरा माहौल उलट दिया। भाजपा ने मणिशंकर के बयान के बाद आसानी से जादुई आंकड़ा पार कर लिया।

2014 के आम चुनाव से पहले कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने तत्कालीन प्रधानमंत्री उम्मीदवार नरेंद्र मोदी के लिए 'चायवाला' कहकर तंज कसा था। इस बयान के बाद भाजपा ने इसे जमकर भुनाया और पूरे चुनाव के दौरान चायवाला थीम पर 'चाय पर चर्चा' कार्यक्रम आयोजित किए। कांग्रेस के लिए यह टिप्पणी चुनाव में भारी पड़ गई और पहली बार देश में भाजपा ने अकेले के बलबूते देश में सरकार बनाई।

लोकसभा चुनाव 2014 में प्रियंका गांधी ने अमेठी में एक जनसभा में कहा था कि मोदी ने उनके शहीद पिता का अपमान किया है, और वे 'नीच राजनीति' करते हैं। इसके बाद नरेंद्र मोदी ने प्रियंका को आड़े हाथों लिया और कहा था कि यह नीच राजनीति भारत को शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व में स्थान दिलाने की ताकत रखती है। मोदी ने प्रियंका के बयान पर पलटवार करते हुए कहा था, हम नीच जाति के हैं इसलिए वे हमारी राजनीति को नीच कह रहे हैं। मोदी ने डुमरियागंज में अपने सम्बोधन में कहा था, हम नीच जाति के लोगों ने सदियो से पसीने बहाए हैं, हमारे पसीने की कमाई आप खा रहे हैं।

साल 2007 में सोनिया गांधी ने भाजपा के तत्कालीन मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी को 'मौत का सौदागर' कहा था। 2007 के गुजरात चुनाव में दिए गए सोनिया गांधी के एक बयान ने पूरे चुनाव प्रचार का रुख मोड़ दिया था। सोनिया के इस बयान को पीएम मोदी ने गुजरात की अस्मिता के साथ जोड़ दिया और उसका नतीजा ये हुआ कि भाजपा की बंपर जीत हुई।

समलैंगिक शादी या सांस्कृतिक बर्बादी

भारतीय ज्ञान विज्ञान, परंपराएं, रीति रिवाज व सांस्कृतिक मान्यताएं आज विश्व पटल पर स्वीकार की जाने लगी हैं। भोगवादी जीवन से तंग लोग अपनी पाश्चात्य संस्कृति को तिलांजलि देकर जहां वे एक ओर भारतीय संस्कारों व मान्यताओं को अपना रहे हैं वहीं, कुछ मुट्ठी भर लोग भारतीय जीवन मूल्यों का मखौल उड़ाते हुए अपने अमर्यादित, अप्राकृतिक व असांस्कृतिक कुकृत्यों को वैधानिक मान्यता दिलाने पर तुले हैं। दुर्भाग्य से ऐसे लोगों के साथ हमारे यहां के कुछ कथित बुद्धिजीवी, वकील तथा न्यायाधीश भी उनके सहयोगी की भूमिका में दिख रहे हैं। हाँ! हम बात कर रहे हैं दो समलैंगिकों के अप्राकृतिक व्यवहार को विवाह की मान्यता की।

संस्कार भारतीय जीवन मूल्यों तथा सामाजिक व्यवस्था की धुरी होते हैं। यूं तो भारतीय परंपरा में गर्भाधान पुंसवन, सीमंतोनयन, जातकर्म, नाम करण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, चूड़ा कर्म, कर्णवेध, उपनयन, वेदारंभ, समावर्तन, विवाह, वानप्रस्थ, संन्यास तथा अंत्येष्टि संस्कार सहित सोलह संस्कारों का वर्णन मिलता है। किन्तु इनमें मात्र एक ही संस्कार ऐसा है जिसमें दो लोग मिलकर सामूहिक रूप से एक साथ संस्कारवान होते हैं। इसे विवाह संस्कार कहते हैं जिसके लिए स्त्री व पुरुष दोनों का होना अनिवार्य है। इस संस्कार का मुख्य प्रयोजन योग्य संतानोत्पत्ति कर समाज व राष्ट्र को उन्नत करना है। यूं तो विवाह भी आठ प्रकार के बताए हैं। ब्राह्म, दैव, आर्ष, प्राजापत्य, असुर, गंधर्व, राक्षस व पैशाच नामक विवाहों में से ब्राह्म विवाह को ही सर्वश्रेष्ठ बताया गया है। विवाहों की जो निकृष्टतम पद्धति भी है उसमें भी स्त्री व पुरुष दोनों का होना अनिवार्य है। यदि हिंदू मान्यताओं को छोड़ भी दें तो पाएंगे कि दुनियां के अन्य किसी भी मत, पंथ, संप्रदाय में भी सर्वत्र स्त्री के साथ पुरुष या पुरुष के साथ स्त्री के विवाह को ही मान्यता दी गई है। आदिकाल से ही विवाह को हमारे यहाँ एक बड़े उत्सव के रूप में मनाया जाता रहा है। भारतीय समाज में चार आश्रमों यथा ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ व सन्यास आश्रम में से गृहस्थ आश्रम का विशेष महत्व है। इसमें प्रवेश ही विवाह संस्कार के माध्यम से होता है। यह आश्रम शेष सभी आश्रमों की धुरी भी है। यदि यही कलंकित या दूषित हो जाएगा तो अन्य आश्रमों का क्या होगा। भारतीय मान्यताओं के अनुसार विवाह बंधन में बंधने वाले युगल एक दूसरे के प्रति समर्पित भाव से दायित्व का भाव लेकर एक होने का संकल्प लेते हैं ना कि अपने अपने अधिकारों के लिए लड़ते हैं। वे अपनी संतान माता-पिता, रिश्तेदारों व समाज के लिए दायित्व बोध से काम करते हैं। विवाहों को कानूनी मान्यता हेतु हमारे यहाँ अलग अलग रिलीजन के हिसाब से अलग अलग कानून बनाए गए हैं। ये सभी संविधान के अनुच्छेद 246 के अंतर्गत संसद को प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत बनाए गए है। जो उन कानूनों के अंतर्गत नहीं आता उनके लिए विशेष विवाह अधिनियम 1954 है। इसके अंतर्गत दो विविध मतों के मतावलंबी अपने अपने मत का पालन करते हुए बिना मतांतरित हुए भी विवाह कर सकते हैं। किन्तु किसी भी कानून में दो समलैंगिक व्यक्तियों को पति-पत्नी के रूप मान्यता देने का कोई विधान नहीं है। संसार का कोई भी धर्म समलैंगिक विवाह को मान्यता नहीं देता। अब यदि दो समलैंगिकों अर्थात महिला का महिला के साथ या किसी पुरुष का पुरुष के साथ सह-जीवन को विवाह की स्वीकृति दी जाती है तो उसके क्या परिणाम होंगे उन पर विचार करते हैं। यदि समलैंगिक विवाह को मान्यता दी जाती है तो संतानोत्पत्ति कैसे होगी? इन्हें बच्चा कोई गोद देगा ही क्यों? क्या कानून ऐसे जोड़ों को दत्तक गृहण का अधिकार देगा? बच्चे यदि गोद भी ले लिए जाएं तो क्या उन समलैंगिकों के आचरण व व्यवहार के दुसप्रभाव से बच्चा अछूता रह सकता है? दत्तक बच्चों को मातृत्व और पितृत्व का सुख कैसे संभव है? बच्चा जब विद्यालय जाएगा तो उसके माँ व बाप का नाम क्या होगा? संतानोत्पत्ति होगी ही नहीं तो गोद लिए बच्चे के प्रति उस कथित दम्पत्ति का व्यवहार और बच्चे पर उसका दुसप्रभाव दोनों ही अकल्पनीय होंगे। बच्चों व बड़ों में पारिवारिक संस्कार कहां से आयेंगे जो कि जीवन की शांति, व्यवस्था व नैतिक मूल्यों पर आधारित समाज के लिए बहुत आवश्यक हैं? पति पत्नी की युगल जोड़ी के बिना पूजा पाठ, धार्मिक अनुष्ठान कैसे हो पाएंगे? बच्चे की रिस्तों की डोर ही पूरी तरह टूट जाएगी। भाई-बहिन, माता-पिता, मौसा-मासी, दादी-दादी, नाना-नानी इत्यादि सभी रिश्तों की इति श्री हो जाएगी, जिनसे व्यक्ति जीवन भर ऊर्जावान रहता है। दत्तक को माता पिता की प्रॉपर्टी में हिस्सा कैसे मिलेगा। प्रकृति के प्रतिकूल इस अप्राकृतिक व्यवहार से समाज में व्यभिचार, हिंसा, रोग, असंतोष व अवैधानिक कार्यों को बढ़ावा मिलेगा। यदि सिर्फ शारीरिक आकर्षण को विवाह का रूप दिया गया तो कल कोई भी दो वयस्क (भाई-बहिन या पिता-पुत्री भी) एक दूसरे से विवाह की जिद करेंगे! कहेंगे आप यह तय करने वाले कौन होते हैं कि हम अपनी यौन अभिरुचि किसके साथ रखें? एक बात और, समलैंगिक विवाह की बात तो हो रही है किन्तु अभी तक किसी ने समलैंगिक निकाह की बात नहीं की ! **- विनोद बंसल**

राजनीतिक मंच बनता जा रहा पहलवानों का धरना ?

जंतर-मंतर पर एक बार फिर पहलवानों का धरना-प्रदर्शन जारी है। विनेश फोगाट समेत 7 पहलवानों ने अपनी याचिका में शीर्ष अदालत से डब्ल्यूएफआई के प्रमुख बृजभूषण सिंह के खिलाफ एफआईआर का आदेश देने की मांग की थी । पहलवानों का कहना है कि उनसे जो वादे हुए थे, वे पूरे नहीं हुए हैं। शुक्रवार को बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद भी पहलवानों का धरना जारी है। जो पहलवान विनेश फोगाट के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्होंने तो साफ कह दिया है कि उनका व्यवस्था पर से विश्वास उठ गया है। इन्होंने आज से तीन महीने पहले भी धरना दिया था और खेल-मंत्रालय के साथ ही IOA को भी एक शिकायत की थी। इनकी ही शिकायत पर एक जांच समिति तो आइओए ने बनाई थी और दूसरी समिति खेल-मंत्रालय ने बना दी थी। इन समितियों ने अभी तो अपनी रिपोर्ट ही दी है। पहलवानों को अभी एकाध दो हफ्ते तो धैर्य दिखाना ही चाहिए था। उनको प्रतीक्षा करनी चाहिए थी क्योंकि दोनों ही समितियों ने अपने निष्कर्ष सरकार को दे दिए हैं। अब ये तो सरकार पर है न कि वह जब उचित समझेगी तो उनको सार्वजनिक करेगी। इस बीच कुश्ती संघ ने तो अपनी गतिविधियां दुबारा प्रारंभ कर दी हैं। अभी हाल ही में गोंडा में अंडर 17 की नेशनल चैंपियनशिप का भी आयोजन हुआ है। यह बहुत ही बढ़िया टूर्नामेंट रहा, काफी शानदार पार्टिसिपेशन रहा। तो, कुश्ती संघ तो अपने हिसाब से चल रहा है। पहलवानों को वापस धरने पर बैठने से पहले आइओए और ओवरसाइट कमेटी की रिपोर्ट का इंतजार तो करना ही चाहिए था न।

इस कमेटी में मैरीकॉम, योगेश्वर दत्त जैसे वर्ल्ड चैंपियन हैं। डोला बनर्जी, तृप्ति मरुगंडे जैसे खिलाड़ी, दो बड़े वकील, राजगोपाल जैसे सीईओ, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की पूर्व एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर राधिका श्रीमान भी उसी कमिटी में थे। अब ऐसी जांच कमेटी को भला आप कैसे गलत कह सकते हैं। खुद बबीता फोगाट भी उस कमिटी की एक सदस्य थीं, जो पहली बार धरना-प्रदर्शन का हिस्सा रही थीं। उस कमेटी ने बहुत कायदे से, लगभग 8 सप्ताह तक सभी संबंधित पार्टियों को बुलाकर, ऑन कैमरा उनके बयान लिए। बाकायदा एफिडेविट देकर बयान लिए गए हैं। इस जांच समिति को इतने हल्के में लेने की जरूरत नहीं है। अब आप योगेश्वर दत्त या मैरीकॉम को इतने हल्के में लेंगे क्या?

जो पहलवान और खिलाड़ी धरना पर बैठे हैं, उनको कैसे पता कि कमेटी ने कुछ नहीं किया? समिति ने सबको सुना, आपने जो साक्ष्य दिए, वो ऑन रिकॉर्ड बाकायदा वीडियोग्राफी करवा कर रिकॉर्ड किए गए। उन्होंने सवाल पूछे, आपने जवाब दिए, आपने बाकायदा शपथ-पत्र दिया है, तो फिर आप कैसे कह सकते हैं कि समिति ने कुछ नहीं किया। कम से कम समिति की रिपोर्ट तो आने दीजिए। आप अभी से कैसे और क्यों मान बैठे हैं कि रिपोर्ट में बृजभूषण सिंह को या फेडरेशन को क्लीन-चिट मिल गई है? यह कहना गलत होगा कि सरकार ने पहलवानों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता कोर्ट में हैं। जंतर-मंतर पर जो पहलवान बैठे हैं, उनसे मिलने साई यानी स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के डिप्टी डीजी शिवकुमार तो कोलकाता से मिलने दूसरे ही दिन आ गए थे। वह पहलवानों से मिले। उन्होंने कहा भी कि पहलवानों ने जांच मांगी थी और उनकी भावनाओं का ख्याल रखते हुए ही दो-दो कमेटियां बनीं। उसमें योगेश्वर दत्त, मैरीकॉम से लेकर आपकी प्रतिनिधि बबीता फोगाट तक शामिल थीं। ऐसे 12 लोग थे कमेटी में। अब अगर उन पर ही पहलवानों को भरोसा नहीं, तो फिर कैसे जांच करवाई जाए? जहां तक बबीता फोगाट के जबरन रिपोर्ट पर साइन करने की बात है या उनको अंधेरे में रखकर हस्ताक्षर करवाने की बात है तो एक बात जान लीजिए। बबीता 56-60 किलोवर्ग की विश्व चैंपियन पहलवान हैं। उनसे किसने और कैसे जबर्दस्ती कर ली? अगर बिना पढ़े उन्होंने डॉक्यूमेंट साइन किए तो यह तो बहुत ही हास्यास्पद है। क्या बबीता बिना देखे किसी भी कागज पर साइन कर देती हैं? वह तो वैसे भी जांच कमेटी की सदस्य थीं। पूरी की पूरी जांच कैमरे में हुई है। जो जानकारी छन कर आ रही है, उसमें 90 फीसदी प्रश्न तो बबीता ने खुद ही पूछे हैं। सवाल यह है कि आप खुद की कमेटी को ही कैसे नकार सकते हैं?

सरकार को 5 अप्रैल को रिपोर्ट मिली है। सरकार क्या उस रिपोर्ट का अध्ययन करेगी, लीगल ओपिनियन लेगी, चार लोगों को पढ़वाएगी-लिखवाएगी कि नहीं? फिर, इस जल्दबाजी की तुक क्या है? जो रिपोर्ट चार हफ्ते में देनी थी, वह तीन महीने में दी गई न। तो, जब पहलवानों ने तीन महीने तक इंतजार किया तो दो हफ्ते और कर लेते। एक और बात जो छन कर आई है, वह ये है कि सबसे बड़ा असहयोग तो इन खिलाड़ियों की तरफ से था, जो आज धरने पर बैठे हैं। खुद बबीता फोगाट 10 बार बुलाने पर एक बार हाजिर हुईं। तब उनके साइन हुए हैं। वह तो अपना फोन ही बंद कर बैठ गई थीं। ऐसा राधिका श्रीमान और योगेश्वर दत्त ने बताया है। तो ये जो विश्वस्तर के खिलाड़ी हैं, ये सब झूठे हैं?

जहां तक एफआईआर की बात है, तो उसका एक एसओपी यानी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रॉसिजर होता है। अगर ताजा मामला है, जैसे कल रात की घटना है और पीड़िता अगर थाने पहुंचती है, तो तुरंत एविडेंस इकट्ठा करने के लिए आरोपित को तुरंत हिरासत में लेती है, ताकि फॉरेंसिक एविडेंस मिल सकें। यहां तो मामला 10 साल पुराना है, 5 साल पुराना है, तो पुलिस ने इनकी शिकायत ले ली है और जांच शुरू कर दी है। उस जांच में सरकार से दिल्ली पुलिस ने दोनों कमेटी की रिपोर्ट भी मांगी है। अब आरोप लगाने वाले पहलवानों को पुलिस बुलाएगी और साक्ष्य में अगर दम हुआ तो एफआईआर दर्ज हो जाएगी। ये कोई मसला ही नहीं है।

पिछली बार जब पहलवान धरने पर बैठे थे तो वृंदा करात जैसी नेत्री को भी इन्होंने मंच से उतार दिया था। यहां तक कि बॉक्सर विजेंद्र सिंह को भी मंच नहीं दिया था। अब इस बार ये कह रहे हैं कि जो भी उनका समर्थन करने आएगा, उसका स्वागत है। तो, इसका तो मतलब यही है कि ये सीधा-सादा पॉलिटिकल मंच बन गया है। पिछली बार आपने किसी को मंच पर झांकने नहीं दिया, इस बार आप न्योता देकर बुला रहे हैं। जबकि पहलवानों के लंबे संघर्ष के बाद पुलिस ने 28 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि मामले में एफआईआर दर्ज की जाएगी। राजनीतिज्ञों को न्योता मिलते ही पहलवानों के धरने को समर्थन देने के लिए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी शनिवार 29 अप्रैल सुबह जंतर मंतर पहुंची। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा भी उनके साथ रहे। जंतर मंतर पर पहलवानों के धरने का शनिवार को सातवां दिन है। आज शाम तक दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल भी धरना स्थल पर आने वाले हैं । शुक्रवार को बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद भी पहलवानों का धरना जारी है।इसके अलावा आंदोलनकारी पहलवानों को और भी कई राजनीतिक दलों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, खिलाड़ियों, बॉलीवुड चेहरों और खापों का समर्थन मिला रहा है । 26 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक, कांग्रेस के उदित राज, भूपेंद्र हुड्डा और सीपीआई (एम) लीडर वृंदा करात समेत कई राजनीतिक दलों के नेता पहलवानों के धरने पर पहुंचे थे। पहलवानों ने 28 अपैल को ट्विटर कैंपेन चलया जिसमें कई बड़े चेहरों ने उनका साथ दिया। पिछली रात इन्होंने एक न्योता भेजा था, लेकिन एक भी एक्टिव रेसलर, यहां तक कि जो पिछली बार मंच पर इनके साथ लड़कियां बैठी थीं, वे भी इनके साथ धरने पर नहीं बैठी हैं। सिर्फ विनेश, साक्षी और बजरंग पहलवान की पत्नी संगीता वहां पहुंची हैं। यहां तक कि बबीता और उनकी बहन गीता भी नहीं पहुंची हैं। यह पूरी की पूरी राजनीति ही है। जब थाने में ये कंप्लेंट पहुंचे थे, तो उनके साथ नरेंद्र नाम के एक वकील थे इनके साथ। ये वकील हुड्डा परिवार से जुड़े हैं और अब यह मामला पूरा राजनीतिक ही हो गया है। इन पहलवानों के कंधे पर रखकर कुछ राजनीतिक लोग बस अपनी बंदूक चला रहे हैं। **-अशोक भाटिया**

बाहुबली आनंद मोहन की रिहाई के सियासी मायने क्या हैं ?

राजनीति में मुद्दें को हमेशा जिंदा रखा जाता है, ताकि जब भी जरूरत हो उसे बाहर निकाला जा सके और आनंद मोहन तो जीते जागते राजपूत और बाहुबली नेता हैं। साल 2016 और 2021 में भी आनंद मोहन के जेल से बाहर निकलने की संभावना बनी थी। पर उस वक्त शायद सियासत को उनकी जरूरत महसूस नहीं हुई। अब जब 2024 के चुनावी साल नजदीक आया तो अचानक उनकी जरूरत भी आन पड़ी और नतीजा सभी के सामने है। जिस लालू यादव की सरकार में आनंद मोहन का पूरा राजनीतिक करियर तहस नहस कर दिया गया था, उसी राजद की गठबंधन सरकार ने उनके जेल निकासी का मार्ग प्रशस्त किया है। नीतीश और लालू यादव को लग रहा है कि राजनीति के एमवाई समीकरण में राजपूत बिरादरी का यह नेता आगे चलकर फिट बैठेगा। ऐसे में जेल मैन्यूअल में बदलाव कर उन्हें बाहर निकाल लिया गया। उधर, भाजपा के नेता इस वक्त बेहद संभल कर बयानबाजी कर रहे हैं। वे आनंद मोहन की रिहाई का खुलेतौर पर विरोध नहीं कर रहे हैं, पर जेल मैन्यूअल में बदलाव के कारण अन्य 26 लोग जो बाहर आए हैं, उन्हें दुर्दांत अपराधी के तौर पर पेश कर नीतीश सरकार को घेर रहे हैं। भाजपा नेताओं के संभल कर बोलने के पीछे भी कई कारण हैं।

बिहार के सहरसा, औरंगाबाद, शिवहर, वैशाली आदि जिलों में अच्छा खासा राजपूत वोट बैंक हैं। इन जिलों के आसपास के क्षेत्रों में भी राजपूतों के वोट का हमेशा असर रहता है। बिहार में करीब सात से आठ प्रतिशत राजपूत वोटर्स हैं। करीब 35 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां राजपूत वोटर्स अपने दम पर खेल पलट सकते हैं। ऐसे में भाजपा नेता इस वोट बैंक को बेवजह नाराज नहीं करना चाहते हैं।

दूसरी तरफ इस सच्चाई से भी मुंह नहीं मोड़ा जा सकता है कि इस वोट बैंक पर कभी भी किसी एक दल का राज नहीं रहा है। यह बंटा हुआ वोट बैंक है। पिछले कई चुनाव में इस वोट बैंक ने भाजपा और उनके

सहयोगियों के प्रति प्यार दिखाया है। जबकि शिवहर जैसे राजपूत बहुल क्षेत्र में आनंद मोहन के बेटे चेतन आनंद को राजद के टिकट से चुनाव में विजय दिलाकर विधानसभा पहुंचाया है। ऐसे में यह तय कर पाना कि आनंद मोहन के मैदान में आ जाने से वोट पूरी तरह राजद या जदयू को चला जाएगा बहुत मुश्किल है।

2015 और 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव के आंकड़ों को अगर गौर से देखें तो पाएंगे कि भारतीय जनता पार्टी ने सवर्ण वोटों को अपनी ओर करने के लिए राजपूत और भूमिहार उम्मीदवारों पर काफी भरोसा दिखाया। खासकर राजपूतों के प्रति भाजपा का प्रेम किसी से छिपा नहीं है। 2015 में जहां 30 राजपूतों को जबकि 2020 के चुनाव में 22 राजपूतों को टिकट दिया गया था। इनमें कई ने अपने-अपने क्षेत्र में जीत दर्ज की। ऐसे में आनंद मोहन को लेकर भाजपा नेता बेवजह किसी विवाद में पड़ना नहीं चाह रहे हैं।

बिहार की राजपूत बिरादरी भी लंबे समय से आनंद मोहन को जेल से रिहा करने के लिए प्रयासरत थी। राजपूत नेता के तौर पर आनंद मोहन की पहचान ने सियासी दलों में यह आस जगा रखी है कि गठबंधन को एक ऐसा राजपूत नेता मिला है जो आने वाले चुनाव में तुरुप का इक्का साबित हो सकता है। पर बिहार की राजनीति इतनी आसान भी नहीं है। जिस जिलाधिकारी जी कृष्णैया की हत्या के आरोप में आनंद मोहन जेल में थे, वो दलित जाति से आते थे। ऐसे में आनंद मोहन की रिहाई को दलितों के अनादर के तौर भी पेश किया जा रहा है। मायावती का बयान काफी कुछ कह गया है, उन्होंने कहा है कि नीतीश सरकार का फैसला दलित विरोधी है।

ऐसे में एक दलित अधिकारी की हत्या के आरोपी का जेल से बाहर आना एमवाई समीकरण को कहां तक सार्थक करेगा, यह आने वाला वक्त तय करेगा। पहले के बिहार और अब के बिहार में भी काफी कुछ बदल चुका है। वो दौर गुजर चुका है जब बिहार के युवा दबंगों के पीछे-पीछे चलकर अपना भविष्य खोजते थे। बिहार में निश्चित तौर पर राजनीति में जाति हावी है, लेकिन अब यह जीत का सर्वमान्य पैमाना नहीं रह गया है।

गायत्री मंत्र जपने के हैं अनेक फायदे

क्या है गायत्री मंत्र

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात

अर्थात- प्राणस्वरूप, दुःखनाशक, सुखस्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पापनाशक, देवस्वरूप परमात्मा को हम अन्तःकरण में धारण करें. वह परमात्मा हमारी बुद्धि को सन्मार्ग में प्रेरित करें.

हिंदू धर्म शास्त्रों में ऐसे बहुत से मंत्रों का उल्लेख मिलता है। जिनका जप यदि दैनिक जीवन में किया जाए। तो ये अति लाभदायक होते हैं। इन्हीं मंत्रों में से एक है गायत्री मंत्र। हिंदू धर्म के ग्रंथ ऋग्वेद में उल्लेख मिलता है, कि जो भी व्यक्ति गायत्री मंत्र का उच्चारण करता है। उसका जीवन सुखमय हो जाता है। साथ ही कई सारी समस्याएं भी खत्म हो जाती हैं। गायत्री मंत्र को हिंदू धर्म शास्त्रों में महामंत्र कहा जाता है। यदि प्रतिदिन गायत्री मंत्र का जप किया जाए, तो जीवन से सारे अभाव दूर होते हैं, और जीवन में सफलता और सुख समृद्धि आती है। इस मंत्र का जाप कैसे करना चाहिए।

कब और कैसे करें गायत्री मंत्र का जप

ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि प्रातः काल बिस्तर से उठने के बाद सभी नित्य कर्मों से मुक्त हो जाने के पश्चात 8 बार गायत्री मंत्र का उच्चारण करना चाहिए। सूर्योदय के समय घर के पूजा स्थल या किसी अन्य शुद्ध जगह पर बैठकर तीन माला या 108 बार गायत्री मंत्र का जप करना शुभ होता है। माना जाता है कि ऐसा करने से वर्तमान के साथ-साथ भविष्य में भी इच्छा पूर्ति के साथ आपकी रक्षा होती है। एक अन्य मान्यता के अनुसार भोजन करने से पहले 3 बार गायत्री मंत्र का उच्चारण करने से भोजन अमृत के समान हो जाता है। यदि किसी कार्य से घर से बाहर जा रहे हैं, तो घर से निकलते समय 5 या 11 बार गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। ऐसा करने से समृद्धि सफलता सिद्धि प्राप्त होती है।

गायत्री मंत्र से होते हैं ये लाभ

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यदि गायत्री मंत्र का कोई व्यक्ति ठीक तरीके से नियमित रूप से जाप करता है। तो उस व्यक्ति का क्रोध शांत होता है, जीवन में तनाव और चिंता जैसी समस्याएं नहीं आती। कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है, और करियर में तरक्की प्राप्त होती है। ऐसे व्यक्ति का समाज में मान सम्मान बढ़ता है। नकारात्मकता दूर होकर, तमाम तरह के रोगों से मुक्ति मिलती है। एकाग्रता बढ़ती है और जीवन की हर समस्या का हल होता है।

पांडवों को श्रीकृष्ण की सीख

महाभारत में युद्ध के लिए कौरव और पांडवों की सेनाएं आमने-सामने खड़ी थीं। पहला ही दिन था। कुछ ही देर में युद्ध शुरू होने वाला था। तभी अचानक पांडवों के बड़े भाई युधिष्ठिर ने अपने अस्त्र-शस्त्र रथ पर रख दिए और रथ से नीचे उतरकर पैदल ही कौरवों की ओर चलने लगे। युधिष्ठिर को कौरव पक्ष की ओर जाते देखकर अन्य पांडव भाइयों ने पूछा कि भैया आप कहां जा रहे हैं? भाइयों की बात पर ध्यान दिन बिना युधिष्ठिर आगे बढ़ते रहे। जब युधिष्ठिर ने जवाब नहीं दिया तो पांडव सेना के सभी लोग सोचने लगे कि युधिष्ठिर युद्ध शुरू होने से पहले ही कौरवों के सामने समर्पण करने जा रहे हैं। भीम-अर्जुन चिंता करने लगे, उन्होंने श्रीकृष्ण से कहा कि अब आगे आपको ही संभालना है, देखिए कहीं भैया समर्पण न कर दें।दूसरी ओर कौरव सेना के लोग भी युधिष्ठिर को अपनी ओर आता देखकर यही बात करने लगे कि युधिष्ठिर हमसे डर गया है और समर्पण करने आ रहा है।

दोनों सेनाओं के लोग अपने-अपने स्तर पर युधिष्ठिर के लिए अलग-अलग बातें करने लगे, लेकिन सच्चाई किसी को समझ नहीं आ रही थी। श्रीकृष्ण ने भीम और अर्जुन से मुस्कान के साथ कहा कि आप चिंता न करें। धैर्य रखें। मैं जानता हूं, युधिष्ठिर क्या करने वाले हैं। थोड़ी ही देर में युधिष्ठिर भीष्म पितामह के सामने पहुंच गए और हाथ जोड़ लिए। जो लोग दूर से देख रहे थे, उन्हें तो यही लगा कि युधिष्ठिर ने समर्पण कर दिया है। जबकि, वास्तविकता तो ये थी कि युधिष्ठिर ने हाथ जोड़कर भीष्म से कहा कि पितामह आज्ञा दें, हम आपके विरुद्ध शस्त्र उठा सके और आपसे युद्ध कर सके। युधिष्ठिर की इस बात से भीष्म प्रसन्न हो गए। उन्होंने कहा कि अगर तुमने आज्ञा न मांगी होती तो मैं गुस्सा हो जाता।

श्रीकृष्ण की सीख

भीष्म के बाद युधिष्ठिर द्रोणाचार्य, कृपाचार्य के पास भी युद्ध के लिए आज्ञा मांगने पहुंचे थे। श्रीकृष्ण ने पांडवों को समझाया कि जब हम कोई बड़ा काम करते हैं तो सबसे पहले बड़ों का आशीर्वाद और अनुमति लेनी चाहिए। तभी काम में सफलता मिलती है। आज हम युद्ध शुरू करने जा रहे हैं। इसलिए युधिष्ठिर अपने बड़ों का आशीर्वाद और अनुमति ले रहे हैं। जब हम बड़ों का आशीर्वाद लेकर काम करते हैं तो साहस बना रहता है और हम पूरी ताकत के साथ अपने काम कर पाते हैं।

श्रीकृष्ण ने पांडवों को समझाया कि जो दिख रहा है, हर बार वह सच भी हो, ऐसा जरूरी नहीं। हमें धैर्य रखना चाहिए और सोच-समझकर किसी नतीजे पर पहुंचना चाहिए।

खोलना चाहते हैं खुद का अस्पताल ध्यान रखें वास्तु के 5 सरल टिप्स

दिशाओं को दें महत्त्व

मरीजों के हित और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए हॉस्पिटल में नर्सिंग रूम, नर्सिंग होम के लिए वास्तु के नियमों का पालन करना बहुत आवश्यक है। इसलिए हॉस्पिटल का मुख्य द्वार पूर्व या उत्तर दिशा में होना सबसे शुभ होता है। डॉक्टर का परामर्श उत्तर दिशा में, ऑपरेशन थिएटर पश्चिम दिशा में, कैश काउंटर दक्षिण पश्चिम दिशा में और मरीजों के साथ आए हुए परिजनों के लिए वेटिंग रूम दक्षिण दिशा में रखना चाहिए।

हॉस्पिटल में उपयोग होने वाली इलेक्ट्रॉनिक मशीन जैसे एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, एमआरआई आदि के लिए दक्षिण पूर्व दिशा सर्वोत्तम मानी जाती है। मरीजों के लिए एक जनरल एवं प्राइवेट कक्ष उत्तर, पश्चिम अथवा उत्तर पश्चिम दिशा में होने चाहिए। यदि आपका हॉस्पिटल दो या दो से अधिक मंजिल का है। तो ऊपर जाने के लिए सीढ़ियां पश्चिम, उत्तर-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण या दक्षिण पूर्व दिशा में बनवाई जा सकती हैं।

इसके अलावा वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि हॉस्पिटल या नर्सिंग होम में बनी हुई सीढ़ियां यदि विषम संख्या में हों जैसे 11,15,17,23। इन जगहों पर यानी उत्तर पूर्व दिशा में सीढ़ियों का निर्माण नहीं कराना चाहिए। हॉस्पिटल नर्सिंग होम के मध्य भाग को सदैव खाली रखना चाहिए। हॉस्पिटल में मंदिर या पूजा स्थल उत्तर पूर्व दिशा में बनवाना उत्तम होता है। पीने के पानी की व्यवस्था भी उत्तर पूर्व दिशा में ही होनी चाहिए।

रंगों का भी है महत्व

हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम की दीवारों पर सफेद या हल्का नीला रंग होना चाहिए। मरीजों के लिए इस्तेमाल में होने वाले बेड पर चादर का रंग सफेद और ओढ़ने के लिए कंबल का रंग लाल हो, तो यह शुभ होता है। खिड़कियों और दरवाजों पर हरे रंग के पर्दे लाभकारी होते हैं। हॉस्पिटल एवं नर्सिंग होम में सही रंगों का प्रयोग मरीजों को प्रसन्न और स्वस्थ रखने में मदद करता है। इसलिए हॉस्पिटल एवं नर्सिंग होम के कर्मचारियों को रंग-बिरंगे कपड़े पहनने से परहेज करना चाहिए।

वैशाख मास मोहनी एकादशी

मोहिनी एकादशी

मोहिनी एकादशी का व्रत 1 मई को रखा जाएगा। 30 अप्रैल को रात 8 बजकर 28 मिनट से एकादशी तिथि प्रारंभ होगी और 1 मई को रात 10 बजकर 9 मिनट तक रहेगी। उदय तिथि के अनुसार, 1 मई को ही मोहिनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा।

एकादशी तिथि का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। एकादशी तिथि का दिन भगवान विष्णु को समर्पित है। एकादशी तिथि के दिन भगवान विष्णु की पूजा अर्चना करना बहुत ही शुभ माना जाता है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि के दिन मोहिनी एकादशी पड़ती है। इस दिन भगवान विष्णु ने मोहिनी अवतार लिया था। इसलिए इसे मोहिनी एकादशी कहा जाता है। आइए जानते हैं कब है वैशाख मास की मोहिनी एकादशी तिथि और शुभ मुहूर्त कब से कब तक रहेगा।

मोहिनी एकादशी व्रत का महत्व

शास्त्रों में मोहिनी एकादशी का व्रत सबसे उत्तम बताया गया है। इस दिन भगवान विष्णु ने मोहिनी अवतार लेकर असुरों का वध किया था। कहते हैं इस व्रत को करने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं और व्यक्ति अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करता है। इतना ही नहीं एकादशी का व्रत करने से घर परिवार में सुख शांति बनी रहती है और व्यक्ति को धन बुद्धि और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

मोहिनी एकादशी पूजा विधि

एकादशी तिथि के दिन व्यक्ति को सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि के बाद सूर्य नारायण को जल अर्पित करें।

सूर्य भगवान को जल अर्पित करने के बाद हाछ में थोड़ा जल लेकर एकादशी का व्रत रखने के संकल्प लें।

इसके बाद घर में लकड़ी की चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद उन्हें पीला फूल, चंदन, पीले वस्त्र आदि अर्पित करें।

इसके बाद मोहिनी एकादशी व्रत की कथा पढ़ें। आप चाहें तो किसी से यह कथा सुन भी सकते हैं। इसके बाद अगले दिन शुभ मुहूर्त में अपना व्रत का पारण कर लें।

1 मई को सूर्य उदय के बाद शुरू होगी शहनाई की गूंज

मई में 15 व जून में 11 लग्न, जानें तारीख

वर्ष 2023 में गुरु अस्त होने के कारण वैशाख महीना के अक्षय तृतीया के दिन भी लग्न नहीं था लिहाजा इस दिन शहनाई नहीं बजी, लेकिन अब फिर शहनाई बजने का समय आ गया है। 29 अप्रैल को गुरु मेष राशि में सुबह 05 बजकर 06 मिनट में गोचर कर रहा है।

इसके साथ ही गुरु उदय हो जाएगा और शादी-विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य की शुरुआत हो जायेगी।

14 अप्रैल को खरमास की समाप्ति हुई थी। लेकिन गुरु अस्त होने के कारण शादी-विवाह, मुंडन, गृह प्रवश जैसे कार्यों पर विराम लगा रहा। मांगलिक कार्य के लिए गुरु उदय होना आवश्यक माना जाता है। उन्होंने कहा कि खरमास व गुरु अस्त होने के कारण पिछले डेढ़ महीने से मांगलिक कार्य का मुहूर्त नहीं बन रहा था, लेकिन एक मई को गुरु उदय होने के बाद दो मई से फिर से शहनाई की गूंज शुरू हो जाएगी।

मई व जून में इस दिन है लग्न

लग्न की शुरुआत दो मई से हो रही है। 27 जून तक शादी-विवाह तक मौसम रहेगा। मई माह में विवाह के शुभ मुहूर्त 2, 4, 6, 8, 9, 10, 11, 15, 16, 20, 21, 22, 27, 29 और 30 तारीख को है। वहीं, जून में 1, 3, 5, 6, 7, 11, 12, 23, 24, 26 और 27 तारीख को शादी-विवाह किया जा सकता है।

इसके बाद लग जाएगा चातुर्मास

मई में विवाह के 15 और जून में 11 शुभ मुहूर्त हैं। इसके बाद से चातुर्मास लग जाएगा। इस दौरान मांगलिक कार्यों पर रोक रहती है। उसके बाद फिर नवंबर में विवाह का शुभ मुहूर्त प्रारंभ होगा। लोग दिसंबर में भी शादी कर सकेंगे।

धृतराष्ट्र को महाभारत का आंखों देखा हाल सुनाने वाले संजय का युद्ध के बाद क्या हुआ

हम लोग हमेशा महाभारत के संजय की चर्चा करते हैं, जिन्हें उस युद्ध का सजीव वर्णन धृतराष्ट्र को सुनाने के लिए विशेष दिव्य दृष्टि मिली थी। आखिर कौन थे संजय। महाभारत से लेकर आजतक वो क्यों अमर हैं। उस युद्ध के बाद उनका क्या हुआ। वैसे आपको बता दें कि वो जाति से बुनकर और धृतराष्ट्र के मंत्री भी थे।

संजय महर्षि वेद व्यास के शिष्य थे। वो धृतराष्ट्र की राजसभा में शामिल थे। राजा धृतराष्ट्र उनका सम्मान करते थे। संजय विद्वान गावाल्गण नामक सूत के पुत्र थे और जाति से बुनकर। संजय का अर्थ होता है विजय। उनका पूरा नाम संजय गावलगण था। कहते हैं कि जब महाभारत का युद्ध कुरुक्षेत्र में चल रहा था तब संजय हस्तिनापुर में बैठकर धृतराष्ट्र को युद्ध का आंखों देखा हाल सुना रहे थे।

महाभारत के युद्ध में संजय ने जिस तरह सारे युद्ध का बखान किया। युद्ध की संरचना और बारीकियों के साथ बताने के साथ तब ग्रहों की स्थितियां, प्रभाव के बारे में बताया, उससे उनका चरित्र बेहद बुद्धिमान और सुलझे हुए शख्स की तरह उभरता है।

खरी-खरी बातें करते थे

संजय को धृतराष्ट्र ने महाभारत युद्ध से ठीक पहले पांडवों के पास बातचीत करने के लिए भेजा था। वहां से आकर उन्होंने धृतराष्ट्र को युधिष्ठिर का संदेश सुनाया था। वह श्रीकृष्ण के परमभक्त थे। बेशक वो धृतराष्ट्र के मंत्री थे। इसके बाद भी पाण्डवों के प्रति सहानुभुति रखते थे। वह भी धृतराष्ट्र और उनके पुत्रों अधर्म से रोकने के लिये कड़े से कड़े वचन कहने में हिचकते नहीं थे।

अक्सर धृतराष्ट्र उनकी बातों पर क्षुब्ध भी हो जाते थे

संजय हमेशा राजा को समय-समय पर सलाह देते रहते थे। जब पांडव दूसरी बार जुआ में हारकर 13 साल के लिए वनवास में गए तो संजय ने धृतराष्ट्र को चेतावनी दी थी कि 'हे राजन! कुरु वंश का समूल नाश तो पक्का है लेकिन साथ में निरीह प्रजा भी नाहक मारी जाएगी। हालांकि

धृतराष्ट्र उनकी स्पष्टवादिता पर अक्सर क्षुब्ध भी हो जाते थे। महाभारत के बाद संजय को मिली दिव्य दृष्टि खत्म हो गई। महल में बैठकर धृतराष्ट्र को सुनाते थे युद्ध का हाल जब ये पक्का हो गया कि युद्ध को टाला नहीं जा सकता तब महर्षि वेदव्यास ने संजय को दिव्य दृष्टि प्राप्त थी। ताकि वो युद्ध-क्षेत्र की सारी बातों को महल में बैठकर ही देख लें और उसका हाल धृतराष्ट्र को सुनाएं। इसके बाद संजय ने नेत्रहीन धृतराष्ट्र को महाभारत-युद्ध का हर अंश सुनाया। ये भी कहा जा सकता है कि वह हमारे देश के सबसे पहले कमेंटेटर भी थे।

युद्ध के बाद महर्षि व्यास की दी हुई दिव्य दृष्टि भी नष्ट हो गई। श्री कृष्ण का विराट स्वरूप, जो केवल अर्जुन को ही दिखाई दे रहा था, संजय ने भी उसे दिव्य दृष्टि से देखा।

ऐसा कैसे हो गया था

संजय को दिव्य दृष्टि मिलने का कोई वैज्ञानिक आधार महाभारत या बाद के ग्रंथों में नहीं मिलता। इसे महर्षि वेदव्यास का चमत्कार ही माना जाता है। दरअसल वह वेद व्यास के शिष्य थे और उन पर अगाध आस्था रखते थे। साथ ही महाराजा धृतराष्ट्र के प्रति समर्पित थे। हालांकि वह धार्मिक थे, लिहाजा धृतराष्ट्र के मन्त्री होने पर भी पांडवों के पक्ष को सही मानते थे। कौरवों के लिए कड़े-से-कड़े वचन कहने में भी संजय हिचकते नहीं थे।

संजय को उन्हें दिव्य दृष्टि कैसे मिली और कैसे खत्म हो गई, इसे लेकर कालांतर में लिखी गई कई टीकाओं में कुछ खास जिक्र नहीं किया गया।

युद्ध के बाद संन्यास ले लिया

महाभारत युद्ध के बाद कई सालों तक संजय युधिष्ठर के राज्य में रहे। इसके बाद वो धृतराष्ट्र, गांधारी और कुंती के साथ संन्यास लेकर चले गए। पौराणिक ग्रंथ कहते हैं कि वो धृतराष्ट्र की मृत्यु के बाद हिमालय चले गए।

अर्जुन के बालसखा भी थे

अर्जुन के साथ संजय की लड़कपन से मित्रता थी। इसी से अर्जुन के उस अन्तःपुर में, जहां नकुल-सहदेव और अभिमन्यु का भी प्रवेश निषिद्ध था, संजय को प्रवेश करने का अधिकार था।

शूटरों ने एके-47 से 400 राउंड फायरिंग कर सात को उतारा था मौत के घाट, अब 10 साल की सजा

गाजीपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। गाजीपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने माफिया मुख्तार अंसारी पर बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने माफिया मुख्तार अंसारी को 10 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही पांच लाख का जुर्माना भी लगाया है। मुख्तार के भाई और बसपा सांसद अफजाल अंसारी पर भी एमपी-एमएलए कोर्ट ने चार साल की सजा और एक लाख का जुर्माना लगाया है।इस सजा के साथ ही सांसद अफजाल अंसारी की सांसदी भी समाप्त हो गई है।

ये है पूरा मामला

एमपी/एमएलए कोर्ट में चल रहे इस मामले में बीते 15 अप्रैल को फैसला आना था। न्यायाधीश के अवकाश में होने के चलते फैसला नहीं आ पाया था। ऐसे फैसले के लिए 29 अप्रैल को तारीख नियत की गई थी। वर्ष 2007 के इस मामले में बीते एक अप्रैल को बहस और सुनवाई पूरी कर ली गयी थी

और 15 अप्रैल को फैसला होना था। अफजाल अंसारी, मुख्तार अंसारी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत एमपी/एमएलए कोर्ट में चल रहे इस केस में बीजेपी विधायक कृष्णानंद राय हत्याकांड केस गैंग चार्ट में शामिल है। जबकि नन्दकिशोर रूंगटा के अपहरण और हत्या का केस भी गैंग चार्ट में शामिल है।

29 नवंबर 2005 को गाजीपुर के भांवरकोल थाना इलाके सियाड़ी गांव में भाजपा विधायक कृष्णानंद राय समेत सात लोगों पर एके-47 जैसे अत्याधुनिक असलहों से लगभग 400 राउंड से ज्यादा फायरिंग कर हत्या कर दी गई थी। सातों लोगों का शव पोस्टमार्टम के लिए बीएचयू लाया जाने लगा तो भाजपा विधायक के समर्थक उग्र हो गए थे और जगह-जगह तोड़फोड़ व हिंसा की गई थी।

बलिया से लेकर मऊ, गाजीपुर और बनारस तक फूटा गुस्सा

भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की हत्या के बाद बलिया से लेकर मऊ, गाजीपुर और बनारस तक उनके समर्थकों में एक हफ्ते तक जबरदस्त गुस्सा देखने को मिला था।

अपने नेता की सनसनीखेज हत्या को समर्थक पचा नहीं पा रहे थे। नृशंस हत्याकांड के विरोध में समर्थकों ने जगह-जगह आगजनी, तोड़फोड़ और हिंसा की थी।

वहीं, वाराणसी शहर की बात करें तो यहां समर्थकों ने लंका, भेलूपुर, कमच्छा, सिगरा, इंग्लिशिया लाइन और लहुराबीर सहित कुछेक अन्य इलाकों में जमकर उपद्रव किया था। समर्थकों का आक्रोश देखते हुए कई निजी स्कूल और कॉलेज कुछ दिनों के लिए बंद कर दिए गए थे। इसके साथ ही गाजीपुर और बनारस में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था।

मुख्तार का भाई अफजाल अंसारी को 4 साल की सजा 1 लाख का लगा जुर्माना

गाजीपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। बीएसपी सांसद अफजाल अंसारी दोषी करार दिए गए हैं. अफजाल अंसारी को 4 साल की सजा सुनाई गई है. साथ ही 1 लाख का जुर्माना लगाया गया है. पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है. गैंगस्टर एक्ट मामले में कोर्ट ने उन्हें दोषी करार दिया है. गाजीपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट ने उन्हें सजा सुनाई है. माना जा रहा है कि कोर्ट द्वारा 4 साल की सजा सुनाए जाने के बाद अब अफजाल अंसारी की सांसदी भी जाएगी.

वहीं, दूसरी ओर 2007 के गैंगस्टर एक्ट मामले में गाजीपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने मुख्तार अंसारी को 10 साल की सजा सुनाई गई है. साथ ही 5 लाख का जुर्माना भी लगाया है. बता दें कि अंसारी भाईयों पर अपहरण हत्या का मामला दर्ज है. इस पर कोर्ट ने शनिवार को सजा सुनाई है. सजा सुनाए जाने से पहले कोर्ट के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम किए गए थे.

लटकता मिला फैशन डिजाइनर का शव

मुरादाबाद, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की पीतल नगरी मुरादाबाद में एक फैशन डिजाइनर ने संदिग्ध परिस्थिति में सुसाइड कर ली है। उसका शव बेडरूम में फंदे पर लटका मिला है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची सिविल लाइंस थाना पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामला मुरादाबाद के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में नवीन नगर का है। फैशन डिजाइनर की पहचान नवीन नगर की ही रहने वाली मुस्कान के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि वह मुंबई में काम करती थी।

उसने फंदा लगाने के कुछ देर पहले एक वीडियो बनाकर अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो वह कह रही है कि लोग कहते हैं प्राब्लम शेयर करने से सब ठीक हो जाता है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं होता। उसने अपनी प्राब्लम बहनों को, माता पिता को और दोस्तों को बताई। लेकिन लोग उल्टा उसे ही समझाने लगे। लोग कहते हैं कि उसे

सेल्फ कांफिडेंस नहीं है। बताया जा रहा है कि उसने यह वीडियो दोपहर अपनी कार में बैठकर बनाई थी। वहीं शाम को इसे इंस्टाग्राम पर शेयर करने के बाद उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली। घटना के कुछ देर बाद ही उसके कमरे से किसी तरह की हलचल नहीं मिलने पर परिजनों को शक हुआ। देखा तो उसका शव फंदे से लटका हुआ था। आनन फानन में सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद सिविल लाइंस थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव का पंचनामा कराया।

पुलिस के मुताबिक फैशन डिजाइनर मुस्कान का वीडियो देखने से यह तो पता चलता है कि वह किसी परेशानी को लेकर तनाव में थी, लेकिन वह परेशानी क्या थी, इसके बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं मिली है। मुरादाबाद के एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया के मुताबिक सुसाइड के कारणों की पड़ताल के लिए मुस्कान के माता पिता के अलावा परिवार के अन्य सदस्यों और उसके दोस्तों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस की पूछताछ में परिजनों ने बताया कि होली से पहले तक मुस्कान के जीवन में सबकुछ ठीक ठाक ही था। होली के बाद वह मुंबई चली गई, लेकिन जब वहां से वापस लौटी तो काफी परेशान थी। फांसी लगाने से पहले बनाए अपने वीडियो में वह कह रही है कि वह जो कुछ कर रही है, अपनी मर्जी से कर रही है। इसके लिए कोई किसी को ब्लेम ना करे। यह उसका आखिरी वीडियो है और अब उसे आप अब कभी देख नहीं पाएंगे।

सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क एआईएमआईएम में होंगे शामिल

संभल, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के सांसद डॉ शफीकुर्रहमान बर्क इन दिनों अपनी ही पार्टी से नाराज चल रहे हैं और खुलकर बोल रहे हैं, जिसके बाद उनके अब किसी और पार्टी में शामिल होने के कयास लगाए जाने लगे हैं। इस बीच एआईएमआईएम सांसद इम्तियाज जलील ने बर्क़ को अपनी पार्टी में शामिल होने का न्योता दिया है और कहा कि उन्हें किसी से डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि सपा में एक राजा होता है और बाकी आप कितने बुजुर्ग हो इसका कोई मतलब नहीं होता है, इसलिए बर्क़ साहब को कल का इंतज़ार नहीं करना चाहिए। एआईएमआईएम सांसद ने कहा कि शफीकुर्रहमान बर्क आज ही हमारी पार्टी में आयें, हम उनका हाथ फैला कर स्वागत करेंगे। पूरी इज़्ज़त के साथ हम उन्हें कबूल करेंगे। आज देश के हालात जो है उसके हिसाब से अगर हम अपनी कयादत को एकजुट कर खड़ा नहीं करेंगे तो हमारे साथ और भी ज्यादा जुल्म होंगे। मजलिस में हम उनका खुशामदीद करना चाहेंगे। उनके अनुभव का यहां सही इस्तेमाल होगा जिसके उन्हें भी फ़ायदा मिलेगा और हमें भी मिलेगा इसलिए उन्हें हमारे साथ आना चाहिए।

समाजवादी पार्टी पर लगाया आरोप

भाजपा के खिलाफ पूरे विपक्ष को एकजुट करने वाले नेताओं से उन्होंने सवाल किया कि जब पूरे विपक्ष को एकजुट करने की बात होती है तो हमें साथ क्यों नहीं लिया जाता। उन्होंने कहा कि लालू और मुलायम के बेटे मुसलमानों के वोटों पर राजनीति करते हैं, इसलिए उन्हें लगता है कि अगर एआईएमआईएम को साथ ले लिया तो फिर मुस्लिम मतदाता उन्हें छोड़कर एआईएमआईएम में चला जाएगा। इसलिए वह लोग हमें गठबंधन में शामिल नहीं करते हैं। हम चाहते हैं कि पूरा विपक्ष एकजुट हो। एआईएमआईएम भाजपा को सिर्फ हराना ही नहीं चाहती बल्कि देश से खत्म करना चाहती है।

अश्विनी चौबे बोले- आनंद मोहन को लालू और नीतीश ने बर्बाद किया

बक्सर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बिहार आगमन को लेकर बिहार में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी चौबे ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा "लालूजी आएं या जाएं इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। वे तो जेल जाते हैं आते हैं और हॉस्पिटल जाते हैं। उनको तो जीवन भर यही लगा हुआ है। उनके आने और जाने से बिहार के सेहत पर कोई असर पड़ने वाला नहीं है।' बक्सर सांसद अश्विनी चौबे ने कहा कि बिहार में हलचल तो दिल्ली से होना है। बिहार में हलचल तो हम कर चुके हैं। उन्होंने पूछा कि आनंद मोहन को बर्बाद करने में किनका योगदान है। जिसके पेट में दांत है। उन्होंने कहा "आज वह गलवाही बांध रहे हैं। वैसे लोगों के साथ जिनको उन्होंने पलटू कुमार कहा था और आज आप पलटनिया कुमार के साथ गलवाही

बांध रहे हैं। इन दोनों ने मिलकर आनंद मोहन की जवानी को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। इन लोगों की तो यही आदत है। तोड़ो कोड़ो और ब्लैकमेल करो, ब्लैकमेल करने की इनकी राजनीति है।"

महागठबंधन पर कसा तंज

महागठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जनता को गुमराह करके ठगने का यह गठबंधन नहीं, महाठग बंधन है। मैं तो पहले से ही कह रहा हूं इसका विनाश होगा। आने वाले दिनों में सबके सब के दांत खट्टे होंगे। उन्होंने साफ साफ शब्दों में कहा कि 2024 में पीएम के लिए कोई वैकेंसी नहीं है। पूरा देश नरेंद्र मोदी को अपना रही है। देश की सुरक्षा और सेवा के साथ-साथ देश को विकसित भारत का, न्यू इंडिया का निर्माण नरेंद्र मोदी के कर कमलों से हो रहा है। जिसमें करोड़ों जनता का आशीर्वाद है। देश के सभी लोगों का आशीर्वाद है। इसलिए अगला प्रधानमंत्री भी नरेंद्र मोदी होंगे। जो विकास पुरुष के रूप में पूरे देश में जाने जाते हैं और दुनिया इस बात को स्वीकार भी कर रही है। इसलिए दो तिहाई बहुमत से 350 के पार से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। जनता का आशीर्वाद मिलेगा। उन्होंने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव पर कहा " 2025 के लिए कान खोल करके सुन लीजिए। जितना देख रहे हैं- बांगो सांगों ढाबों साथ में चंपा जागो रे जागो, यह सब बंगाल की खाड़ी में समा जाएंगे और बिहार में 400 सीट से ज्यादा पर भारतीय जनता पार्टी जीतेगी, जहां 2025 में बिहार में भाजपा के नेतृत्व में सुशासन की सरकार होगी।

जुर्माने के खिलाफ स्कूलों ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नोएडा, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के करीब 100 स्कूलों पर गौतमबुद्ध नगर प्रशासन की ओर से 1- 1 लाख का जुर्माना लगाया गया था। इस जुर्माने के खिलाफ स्कूल प्रबंधन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मुख्य न्यायाधीश सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पी एस नरसिम्हा की पीठ याचिका पर 8 मई को सुनवाई करेगी। गौतम बुद्ध नगर जिला प्रशासन ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं करने पर नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लगभग 100 स्कूलों पर जुर्माना लगाया है। जिला विद्यालय निरीक्षक की ओर से जारी आदेश के मुताबिक 30 दिन के भीतर छात्रों को फीस के रूप में वसूली गई 15 फीसद फीस राशि वापस नहीं करने पर जुर्माना बढ़ाकर 5 लाख कर दिया जाएगा। फीस वापसी को लेकर कोई कार्यवाही ना होने पर अभिभावकों ने जिला प्रशासन से गुहार लगाई थी। दरअसल वर्ष 2020 21 मई करोना काल के दौरान स्कूलों में 15 प्रतिशत फीस बढ़ा दी गई थी। मामले में उच्च न्यायालय ने 6 जनवरी 2023 को दिया देश में प्रदेश के सभी स्कूलों के विद्यार्थियों को 15 प्रतिशत फीस अगले वर्ष समायोजित करने या स्कूल छोड़ने वाले विद्यार्थियों के खाते में भेजने के आदेश दिए थे।

लालू जी स्वस्थ रहें लेकिन उनके आने से बिहार की राजनीति पर कोई असर नहीं पड़ेगा'- सिग्रीवाल

पटना, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के महाराजगंज से बीजेपी सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव पटना आए हैं। उनको हमारी शुभकामना है कि वो स्वस्थ्य रहें। वहीं, जब उनसे पूछा गया कि लालू के आने से बिहार की राजनीति में कोई प्रभाव पड़ेगा तो उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ नहीं होगा। सिग्रीवाल ने कहा कि पूरा विपक्ष मोदी जी को गाली बकता है लेकिन लोकसभा चुनाव 2024 में कोई भी पीएम मोदी के सामने नहीं टिकेगा।

जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने नीतीश कुमार पर हमला बोला

बीजेपी सांसद ने कहा कि आजकल एक शख्स है, जिनको लगता है कि वह 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से उखाड़ फेकेंगे लेकिन मोदी जी कोई मूली-गाजर नहीं हैं कि कोई उनको उखाड़ फेंकेगा। देश की जनता ने उनको चुना है तो सरकार चला रहे है और अभी भी देश की करोड़ों जनता मोदी जी के साथ है। ये एहसास विपक्ष को होना चाहिए कि मोदी के साथ देश की जनता है।'

मुंगेरी लाल का सपना देख रहे हैं नीतीश'

जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा कि विपक्ष को एकजुट करने की मुहिम में जो लोग लगे हैं, मैं उनसे (नीतीश

कुमार) कहना चाहता हूं कि वो मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रहे हैं। ये सपना उनका कभी पूरा नहीं हो सकता है। चाहे वो कुछ कह दें लेकिन देश की जनता जानती है कि मोदी जी ने देश को कितना आगे बढ़ाया है और यही कारण है कि देश की जनता का आशीर्वाद उन्हें प्राप्त है। इस बार जो लोकसभा का चुनाव होगा, उसमें बीजेपी 400 सीटों पर चुनाव जीतेगी और मोदी जी फिर से देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। लालू जी स्वस्थ रहें और स्वस्थ जीवन जियें, इसकी मैं कामना करता रहता हूं लेकिन बिहार की राजनीति में क्या असर पड़ेगा, ये तो समय बताएगा। बिहार की राजनीति अभी दूसरी तरफ है। बिहार की राजनीति करने वाले सिर्फ एक ही आदमी बहुत खुशी महसूस करते हैं। वही उनका धंधा ही रह गया है कि मोदी जी को गाली दो। आप मुंगेरी लाल का सपना दे रहे हैं कि मोदी जी को उखाड़ फेकेंगे। 400 सीट आने से कोई रोक नहीं सकता है और आप कहां रहेंगे, ये देख लीजिएगा

माफिया अतीक से जुड़ा बड़ा खुलासा

पुलिस कस्टडी में खुद पर हमले का रचा था ड्रामा

प्रयागराज, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस की जांच में पता चला है कि अतीक ने पुलिस कस्टडी में खुद पर हमला कराने की साजिश रची थी। अतीक अहमद खुद पर हमले का ड्रामा रच कर सुरक्षा बढ़वाना चाहता था। साजिश के तहत यह तय किया गया था कि साबरमती जेल से लाने के दौरान रास्ते या फिर प्रयागराज में किसी जगह पर अतीक अहमद पर हमला किया जाएगा। हमले में अतीक अहमद को कोई नुकसान नहीं पहुंचना था। ड्रामे के तहत नजदीक से फायरिंग करनी थी और आस पास बम पटकने थे। पुलिस को जांच में पता चला है कि इस हमले के जरिए यह संदेश देना था कि अतीक अहमद पर उसके विरोधियों ने हमला किया है और उसकी सुरक्षा बढ़ाई जानी चाहिए।

हत्या के ठीक पहले पहुंचा था उसका गुर्गा

सूत्रों की मानें तो हत्या के समय अतीक का गुर्गा घटनास्थल पर पहुंचा था। अतीक और अशरफ को जब प्रयागराज के कॉल्विन अस्पताल के बाहर जीप से लाया गया था। यहां पुलिस जीप से उतरते वक्त अतीक किसी शख्स को इशारे करता नजर आया था। इसका वीडियो भी वायरल हुआ था।

वीडियो में इशारा करते नजर आया था अतीक

वीडियो में दिख रहा है कि पुलिस की जीप से पहले उसका भाई उतरता है फिर अतीक जब उतरता है तो वह पहले किसी को इशारा करता हुआ दिखता है। पुलिस की जीप से उतरने से पहले वह कुछ सेंकड के लिए रुकता भी है। फिर किसी को इशारा करता है और फिर नीचे उतरता है। वीडियो में सिर हिलाकर इशारा करते दिखाई देता है। इसके कुछ ही पल के बाद दोनों भाइयों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

कानपुर में बीजेपी की मुश्किलें हुईं कम

प्रमिला पांडे को मिला सांसद सत्यदेव पचौरी का आशीर्वाद

कानपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। कानपुर में भारतीय जनता पार्टी के महापौर पद के प्रत्याशी को लेकर शुरू हुई जंग पर विराम लगता दिख रहा है। आज सामने आई यह तस्वीर भारतीय जनता पार्टी की स्थानीय इकाई और प्रदेश से लेकर केंद्र तक की टीम के लिए बड़ी राहत कही जा सकती है। दरअसल, प्रमिला पांडे को भारतीय जनता पार्टी ने जब महापौर पद पर प्रत्याशी के रूप में घोषित किया था तो कानपुर से सांसद सत्य देव पचौरी ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। पचौरी ने प्रमिला पांडे को प्रत्याशी बनाए जाने पर पार्टी के फैसले के खिलाफ जाते हुए इस पर असहमति जताई थी। जिसके बाद से पार्टी में अंतर कलह देखी जा रही थी। लेकिन, इसके बाद प्रमिला पांडे सत्यदेव पचौरी के घर उनका आशीर्वाद लेने पहुंची थीं और केंद्रीय कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर भारतीय जनता पार्टी की स्थानीय इकाई ने पार्टी को एक सूत्र में बंधे हुए दिखाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। वहीं सभी कार्यकर्ता और नेताओं की निगाहें सांसद सत्यदेव पचौरी पर टिकी रहीं।

चाहते हो कि कोई आए

और मेरी कनपटी पर गोली चला कर चला जाए बस इतना ही तो रहा : आजम खां

रामपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। रामपुर में समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सरकार पर हमला बोला। उन्होंने पूछा कि आप मुझसे, मेरी बीवी-बच्चों और मेरे चाहने वालों से क्या चाहतो हो? ये चाहते हो कि कोई आए और मेरी कनपटी पर गोली चलाकर चला जाए, बस इतना ही तो रह गया है। बचा लो आज भी, निजाम ए हिंद और कानून को बचा लो। आपको कुछ नहीं देना है सिर्फ अपने आप को हौसला देना है। जहां रोके जाओ वहीं बैठ जाओ कि आगे बढेंगे, वापस नहीं जाएंगे। वोट डालेंगे, ये हमारा पैदाइशी हक है।

गलतफहमी दूर करनी है तो ईमानदारी से चुनाव करा कर देख लें -अब्दुल्ला

वहीं, सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम ने भाजपा नेताओं पर निशाना साधा है। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने कहा कि भाजपा के कई नेताओं को गलतफहमी हो गई है कि बड़े नेता हो गए हैं। अगर गलफहमी दूर करनी है तो ईमानदारी से चुनाव करा कर देख लें। गलतफहमी के शिकार ये नेता अपना बूथ तक नहीं जीत सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब पुलिस के डंडों के जोर पर संविदा विधायक बनाए रहे हैं। अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार की रात मिलक और बिलासपुर में निकाय चुनाव को लेकर चुनावी सभा को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि जुल्म की जो दास्तां हमारी लिखी गई है, हम उससे बच सकते थे, मगर हम बिके नहीं। सियासत के बाजार में हमारी कीमत आज भी बहुत है। अब्दुल्ला आजम ने कहा कि हम आज भी चाहें तो सबसे ज्यादा महंगे बिक सक सकते हैं, मगर हमारे खून में गद्दारी नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं यहां अपने साथ हुई ज्यादतियों को बताने नहीं, बल्कि आपको यह एहसास कराने आया हूं कि आपके साथ बहुत बड़ी साजिश हो रही है। हम उसी साजिश के तहत जलील किए जा रहे हैं। लेकिन आवाम की मोहब्बत और भरोसे के चलते सामने से कोई न हरा नहीं पाया और न हरा पाएगा।

धीरेंद्र शास्त्री को आरजेडी अध्यक्ष ने उन्मादी कहा

पटना, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 13 मई को पटना आ रहे हैं। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के पटना आगमन को लेकर तेज प्रताप की बयानबाजी के बाद अब आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह बयान दिया है।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के पटना आगमन पर बात करते हुए आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने विवादित बयान दे दिया है। जगदानंद सिंह ने धीरेंद्र शास्त्री को उन्मादी करार दे दिया है। उन्होंने यहां तक कह डाला कि ऐसे व्यक्ति को जेल में होना चाहिए।

आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री के पटना आने को लेकर विवादि बयान देते हुए कहा कि जिसका मन होता है वही बाबा बन जाता है। ऐसे लोगों को जेल में होना चाहिए।

सासाराम हिंसा केस में भाजपा के पूर्व विधायक समेत 2 गिरफ्तार

सासाराम, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। सासाराम में हुई हिंसा को लेकर बिहार पुलिस ने भाजपा के पूर्व विधायक जवाहर प्रसाद और शाहनवाज आलम उर्फ लखानी को गिरफ्तार किया गया है। इसके लिए कोर्ट ने वारंट इश्यू किया था। पुलिस ने जवाहर प्रसाद और शाहनवाज आलम को उनके घर से देर रात गिरफ्तार किया। फिलहाल सासाराम पुलिस इस मामले में दोनों से पूछताछ कर रही है। उनपर हिंसा भड़काने का आरोप है। हालांकि, उनके समर्थकों का कहना है कि सासाराम में हुई हिंसा के पीछे जवाहर प्रसाद का कोई हाथ नहीं था। वहीं पूर्व विधायक जवाहर प्रसाद की पत्नी का कहना है कि उनपर जो आरोप लगाए गए हैं, वह बिल्कुल गलत और निराधार हैं। पुलिस झूठा आरोप लगा लगा रही। उन्हें बेवजह परेशान किया जा रहा है। रोहतास एसपी विनीत कुमार ने कहा है कि सासाराम में पिछले दिनों हुई हिंसा मामले में न्यायालय से वारंट निर्गत होने के बाद पूर्व विधायक जवाहर प्रसाद को लश्करीगंज सासाराम से तथा शाहनवाज आलम उर्फ लखानी को मदार दरवाजा से गिरफ्तार किया गया है। अब तक इस मामले 63 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शेष 38 अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस दबिश के कारण दो लोगों ने न्यायालय में भी आत्मसमर्पण किया है।

भाजपा नेता बोले- बदले की भावना से आरोपी बनाया जा रहा

भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र सिंह ने सरकार व पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि दंगा रोकने वाले की गिरफ्तारी करना उचित नहीं है। इसको लेकर भाजपा की रणनीति तैयार कर आगे का कार्य किया जाएगा। वहीं भाजपा नेता त्रिविक्रम सिंह ने कहा कि विधायक को रात में घर से उठा लेना उचित नहीं है। जब दंगा के समय पदाधिकारियों के साथ पूर्व विधायक शांति बहाल करने में जुटे थे और उन्हें ही आरोपित बनाना भाजपा नेताओं को बदले की भावना से आरोपी बनाया जा रहा है। वहीं पूर्व विधायक के पत्नी ने बताया कि शुक्रवार 11:30 से 12:00 के बीच बीते रात में पुलिस घर पहुंची। दरवाजा खुलते ही हुए पूर्व विधायक सहित उनके पुत्र संतोष कुमार को खोजने लगी। लेकिन पूर्व विधायक के पुत्र संतोष कुमार घर पर नहीं रहने से पुलिस ने पूर्व विधायक जवाहर प्रसाद को बिना जानकारी दिए ही साथ ले गई। पत्नी का कहना है कि उनपर जो आरोप लगाए गए हैं, वह बिल्कुल निराधार हैं।

200 मिलियन डॉलर का पेमेंट

अब अडानी ने चुकाया अपनी इस कंपनी का कर्ज

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। अडानी समूह पिछले कुछ महीने से काफी रफ्तार के साथ कर्जों को चुका रहा है। इस कड़ी में अडानी समूह ने अब अपनी एक और कंपनी के कर्ज को हल्का किया है और इसके लिए उसने इस बार 200 मिलियन डॉलर का पेमेंट किया है। यह अडानी समूह के द्वारा अपनी कंपनियों के ऊपर कर्ज को कम करने की कोशिशों की कड़ी का ताजा हिस्सा है।

इस डील के लिए लिया था लोन

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, अडानी समूह की अडानी सीमेंट इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने पिछले साल कई बैंकों से कर्ज लिया था। इस कंपनी ने स्विट्जरलैंड की कंपनी होल्सिम के भारतीय कारोबार को खरीदने के लिए पिछले साल मई में कई ग्लोबल बैंकों से लोन लिया था। अडानी सीमेंट ने होल्सिम के भारतीय कारोबार को 10.5 बिलियन डॉलर में खरीदा था। इसी डील के लिए अडानी सीमेंट ने जो कर्ज लिया था, उसी में से एक हिस्से का अब समय से पहले भुगतान किया गया है।

ऐसे मिल सकती है मदद

रिपोर्ट के अनुसार, अडानी सीमेंट इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने पिछले सप्ताह 200 मिलियन डॉलर का भुगतान किया है, जिससे उसे होल्सिम के भारतीय कारोबार के अधिग्रहण के दौरान लिए गए लोन में कुल 1 बिलियन डॉलर की कमी लाने में मदद मिली है। खबर में कहा गया है कि समय से पहले किए गए इस भुगतान से अडानी समूह को डील के समय लिए गए लोन पर 3 साल का एक्सटेंशन मिल सकता है।

बैंकों से मिला था इतना कर्ज

बैंकों ने होल्सिम सीमेंट के भारतीय कारोबार को खरीदने वाली डील के वित्तपोषण के लिए अडानी समूह को 4.5 बिलियन डॉलर का कर्ज दिया था। बाकी 6 बिलियन डॉलर रकम की व्यवस्था अडानी समूह ने आंतरिक खातों समेत अन्य स्रोतों से की थी। बैंकों से जुटाए गए 4.5 बिलियन डॉलर का कर्ज सितंबर 2024 में परिपक्व होने वाला था। अब अडानी समूह को यह उधारी पूरी तरह से चुकाने के लिए अतिरिक्त समय मिल सकता है।

अडानी के लिए अहम थी डील

आपको बता दें कि अडानी समूह ने होल्सिम सीमेंट के भारतीय कारोबार को रणनीतिक लिहाज से खरीदा था। इस सौदे ने अडानी समूह को एक झटके में भारत का दूसरा सबसे बड़ा सीमेंट मैन्यूफैक्चरर बना दिया और अडानी समूह को अंबुजा सीमेंट व एसीसी सीमेंट जैसे दो बने-बनाए पुराने ब्रांड मिल गए। खुद गौतम अडानी ने उस समय डील के महत्व को बताते हुए कहा था कि यह ऐतिहासिक है।

किए जा चुके हैं ये भुगतान

अडानी समूह ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद कारोबार की रणनीति में बदलाव किया है। अब कंपनी नया कारोबार शुरू करने के बजाय कर्जों के पुनर्भुगतान पर फोकस कर रही है। अडानी समूह ने इससे पहले मार्च तिमाही के दौरान कम से कम 3 बिलियन डॉलर का बॉन्ड चुकाया था। वहीं समूह की चार कंपनियों अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अडानी पोर्ट्स एंड सेज लिमिटेड, अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड और अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के उन शेयरों को छुड़ाने के लिए कम से कम 2.54 बिलियन डॉलर खर्च किए गए हैं, जिन्हें प्रवर्तकों के द्वारा गिरवी रखा गया था। अडानी समूह ने कम से कम 3,650 करोड़ रुपये के कमर्शियल पेपर्स का भुगतान किया था। ये कमर्शियल पेपर्स तीन घरेलू म्यूचुअल फंड्स को बेचे गए थे। इनमें एसबीआई म्यूचुअल फंड को 2,750 करोड़ रुपये, आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्यूचुअल फंड को 500 करोड़ रुपये और एचडीएफसी म्यूचुअल फंड को 450 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था।

ईडी ने बायजू के सह-संस्थापक के ठिकानों पर की छापेमारी

विदेशी मुद्रा के लेनदेन से जुड़े मामले में कार्रवाई

बेंगलुरु, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने शनिवार को बेंगलुरु में तीन जगहों पर छापेमारी की। बताया गया है कि ईडी की यह कार्रवाई एडटेक कंपनी बायजू के सह-संस्थापक रविंद्रन बायजू से जुड़े विदेशी मुद्रा के लेन-देन (एफईएमए) के मामले में हुई है। छापेमारी के दौरान इन ठिकानों से कई दस्तावेज और डिजिटल डेटा सीज किया गया है। ईडी ने एक बयान में बताया कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत हाल में कुल तीन परिसरों-दो कारोबारी और एक रिहायशी परिसर पर छापे मारे गए। जांच एजेंसी ने बताया कि उसने विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल डेटा जब्त किए हैं।ईडी ने बताया कि यह कार्रवाई कुछ लोगों से मिली ''विभिन्न शिकायतों'' के आधार पर की गई। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि रवींद्रन बायजू को ''कई'' समन भेजे गए, लेकिन वह ''बचते रहे और कभी ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए।''तलाशी के दौरान पाया गया कि रवींद्रन बायजू की कंपनी 'थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड' को 2011 से 2023 के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के तहत करीब 28,000 करोड़ रुपये मिले। एजेंसी ने कहा, ''कंपनी ने भी इस अवधि के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के नाम पर विभिन्न विदेशी प्राधिकारों को करीब 9,754 करोड़ रुपये भेजे।'

इस कारण डूबा सिलिकॉन वैली बैंक!

फेड रिजर्व ने रिपोर्ट में किया खुलासा

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। पिछले महीने अमेरिका के सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने के साथ ही विश्व भर में बैंकिंग संकट की शुरुआत हो गई थी। अब इस बैंक के डूबने के कारण का पता लगाने के लिए फेडरल रिजर्व ने समीक्षा रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट के अनुसार खराब प्रबंधन, कमजोर नियम और सरकारी निगरानी की कमी के कारण सिलिकॉन वैली बैंक डूबा है। शुक्रवार को जारी जांच रिपोर्ट में फेडरल रिजर्व ने कहा कि केंद्रीय बैंक की यह बड़ी नाकामी है कि वह बैंक की आर्थिक स्थिति का ठीक से आकलन नहीं कर सका।

कड़ा रुख न अपनाना बड़ी चूक

फेड रिजर्व ने अपनी रिपोर्ट में यह भी माना कि उससे बैंक की वित्तीय स्थिति के आकलन में चूक हुई है। पिछले कुछ सालों में टेक और स्टार्टअप कंपनियों की ग्रोथ के साथ सिलिकॉन वैली बैंक की ग्रोथ भी तेजी से हुई है। बैंक में वृद्धि तो हुई, लेकिन इसके साथ ही इससे जुड़े परेशानियां भी बढ़ती चली गई। इसके बावजूद भी बैंक के प्रबंधन ने इन सभी चीजों पर ध्यान नहीं दिया और सख्त रुख अख्तियार करने से बचते रहे। फेड ने एसवीबी ने गवर्नेंस, लिक्विडिटी और जोखिम मैनेजमेंट के फैसलों पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। इस सभी मुद्दों पर ध्यान न देने के बावजूद भी सिलिकॉन वैली बैंक को अच्छी रेटिंग मिलती रही और यह बैंक के डूबने की बड़ी वजह बना है।

बैंक के रेगुलेशन को और बनाया जाएगा सख्त

अमेरिका के केंद्रीय बैंक ने भविष्य में ऐसे बैंकिंग संकट को रोकने के लिए नियम बनाने की बात कही है। फेड रिजर्व ने कहा कि जिन बैंकों की कुल पूंजी 200 बिलियन डॉलर से अधिक है, उनके लिए अब रेगुलेशन के नियम को और सख्त किया जाएगा। इससे पहले साल 2008 में बैंकिंग संकट के बाद से अमेरिका में बैंकिंग नियमों में कई बड़े बदलाव किए गए थे। अब सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने के बाद भी केंद्रीय बैंक नियमों को और सख्त करने की बात कह रहा है।

10 मार्च को बैंक को कर दिया गया बंद

सिलिकॉन वैली बैंक मुख्य रूप से टेक कंपनियों और स्टार्टअप के पैसे डिपॉजिट करने और कर्ज देने का काम करता है। मार्च की शुरुआत में बैंक की खराब होती वित्तीय हालात की रिपोर्ट्स के बाद ग्राहकों के बीच अफरातफरी मच गई थी। इसके बाद बैंक से पैसे निकालने वालों की लंबी-लंबी लाइन लग गई।

कपड़ा उद्योग की परिशानियों को दूर करने के लिए हस्तक्षेप करें मंत्री

स्टालिन ने गोयल को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों के अनुपालन के संबंध में कपड़ा उद्योग के सामने आने वाले मुद्दों को रेखांकित करते हुए केंद्रीय कपड़ा मंत्री को पत्र लिखा है। तमिलनाडु के सीएम ने शनिवार को कपड़ा उद्योग के हितों की रक्षा के लिए केंद्रीय मंत्री से हस्तक्षेप करने की मांग की है। गोयल को लिखे पत्र में स्टालिन ने कपड़ा उद्योग के उन प्रतिवेदनों का जिक्र किया जिनमें विभिन्न प्रकार के मानव निर्मित फाइबर और विस्कोस फाइबर के संबंध में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा विभिन्न गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) के माध्यम से अनिवार्य प्रमाणन पर आपत्ति जताई गई है।कपड़ा मंत्रालय की ओर से विस्कोस स्टेपल फाइबर के संबंध में जारी क्यूसीओ को इसके कार्यान्वयन के लिए केवल एक महीने का समय दिया गया है। बाद में इसे 29 मार्च 2023 से प्रभावी बनाने के लिए दो महीने के लिए बढ़ा दिया गया। इसी तरह, पॉलिएस्टर स्टेबल फाइबर क्यूसीओ को रसायन और उर्वरक मंत्रालय की ओर से 3 अप्रैल 2023 से प्रभावी बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि वे अधिकारियों को विस्कोज और पॉलिएस्टर फाइबर आयात करने के लिए क्यूसीओ पर जोर देने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करें। उन्होंने कहा कि बीआईएस क्यूसीओ का पालन करने के लिए बीआईएस प्रमाणन की मांग करने वाले आयातकों की ओर से दायर सभी लंबित आवेदनों का निपटान करे। स्टालिन ने सरकार की ओर से लगाए गए क्यूसीओ से फिलामेंट यार्न और कृत्रिम फाइबर के लिए छूट का भी अनुरोध किया है, इसमें बांस फाइबर शामिल हैं जो भारत में निर्मित नहीं होते हैं।

पर टैक्स के नियमों में होने वाला है बदलाव, निवेशकों पर ये होगा असर

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट अनलिस्टेड कंपनियों में विदेशी निवेश पर टैक्स को लेकर जल्द नियम जारी कर सकता है। ये जानकारी एक सरकारी अधिकारी की ओर से दी गई है। ये नियम इन कंपनियों में निवेश की वैल्यूएशन पर होंगे। जानकारी के मुताबिक, नए वैल्यूएशन नियमों के आने के बाद अनलिस्टेड कंपनियों की फेयर मार्केट वैल्यू के आधार पर ही एनआरआई की ओर से किए जाने वाले इन्वेस्टमेंट पर टैक्स लिया जाएगा। बता दें, सरकार की ओर से इसके लिए फाइनेंस एक्ट 2023 में आईटी एक्ट की धारा 52(2) के तहत संशोधन कर दिया गया है और अनलिस्टेड कंपनियों में किए जाने वाले इन्वेस्टमेंट को इसके अंदर लाया गया है।

1 मई से बदल जाएंगे एटीएम और जीएसटी सहित कई नियम

आपकी जेब पर पड़ेगा सीधा असर

नई दिल्लीनई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। का महीना समाप्त होने में दो ही दिन शेष रह गए हैं। इसके बाद मई का महीना शुरू हो जाएगा। हर महीने की शुरुआत से कुछ न कुछ नियमों में बदलाव होता है। इन बदलवों का असर सीधे तौर पर आपकी जेब पर होता है। ऐसे में आपको इन नियमों को जान लेना जरूरी है, नहीं तो आपको समस्या का सामना करना पड़ सकता है। आइए जानते हैं इन बदलावों के बारे में...

जीएसटी नियमों में बदलाव

मई की शुरुआत से कारोबारियों के लिए जीएसटी में बड़ा बदलाव होने वाला है। नए नियम के मुताबिक, अब 100 करोड़ रुपये से अधिक के टर्नओवर वाली कंपनियों के लिए 7 दिनों के भीतर लेनदेन की रसीद को इनवॉयस रजिस्ट्रेशन पोर्टल (आईआरपी) पर अपलोड करना अनिवार्य कर दिया गया है। मौजूदा समय में इनवॉयस जनरेट और उसे अपलोड करने की तारीख के लिए ऐसी कोई सीमा नहीं है।

म्यूचुअल फंड में केवाईसी अनिवार्य

बाजार नियामक सेबी की ओर से म्यूचुअल फंड कंपनियों को कहा गया है कि वह इस बात को सुनिश्चित करें कि निवेशक केवाईसी वाले ई-वॉलेट से ही म्यूचुअल फंड में निवेश करें। यह एक मई से लागू हो जाएगा। इसके बाद निवेशक केवाईसी वाले ई-वॉलेट से ही निवेश कर सकते हैं।

एलपीजी, सीएनजी और पीएनजी के दाम

हर महीने की शुरुआत में सरकार एलपीजी, सीएनसी-पीएनजी के नए दाम जारी करती है। पिछले महीने सरकार ने 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर के दामों में 91.50 रुपये की कटौती की थी। इसके बाद दिल्ली में कमर्शियल सिलेंडर घटकर 2,028 रुपये हो गया था। हालांकि घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई भी बदलाव देखने को नहीं मिला था। सीएनजी-पीएनजी के दामों में भी बदलाव हो सकता है।

लेकर आ रहा देश का पहला रिटेल आरईआईटी आईपीओ

इस तारीख को खुलेगा पब्लिक इश्यू

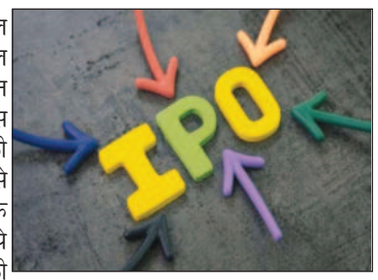

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फर्म ब्लैकस्टोन के स्पॉन्सर वाली नेक्सस सलेक्ट ट्रस्ट मई की शुरुआत में शेयर बाजार से आरईआईटी आईपीओ के जरिए 3200 करोड़ रुपये जुटाने जा रहा है। कंपनी की ओर से पेश किया जाने वाला ये आईपीओ 9 मई को खुलेगा।आरईआईटी का पूरा नाम रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट है। नेक्सस सलेक्ट ट्रस्ट द्वारा पेश किया जाने वाला ये आईपी देश का पहला रिटेल रियल एस्टेट यील्ड वाला आरईआईटी होगा। इससे पहले भी देश में तीन आरईआईटी लिस्ट हो चुके हैं, लेकिन वे तीन ऑफिस रियल एस्टेट से संबंधित थे।एसईबीआई के पास दाखिल किए गए दस्तावेज के मुताबिक, इस पब्लिक इशू का कुल साइज 3200 करोड़ रुपये हो सकता है। इसमें 1400 करोड़ का फ्रैश इशू और 1800 करोड़ रुपये का ओएफएस शामिल होगा। पिछले साल नेक्सस सलेक्ट ट्रस्ट ने बाजार नियामक सेबी के पास रिटेल आरईआईटी लाने के लिए डीआरएचपी जमा कराई थी। कंपनी के ओर से पहले इशू साइज 4,000 करोड़ रुपये तय किया गया था।नेक्सस सलेक्ट ट्रस्ट के पास देश के 14 बड़े शहरों में 17 से ज्यादा शॉपिंग मॉल्स हैं और इनका एरिया 9.8 मिलियन स्क्वायर फीट से ज्यादा है। कंपनी के पोर्टफोलियो में दिल्ली के साकेत में स्थित सलेक्ट सिटी मॉल भी है।आरईआईटी निवेश का एक लोकप्रिय माध्यम है, इसकी मदद से बड़ी - बड़ी रियल एस्टेट कंपनियां निवेशकों को ऑफिस पार्क और मॉल्स जैसी रियल एस्टेट में निवेश का मौका देती हैं। आरईआईटी शेयर की तरह ही होता है और एक्सचेजों पर खरीद बिक्री कर सकते हैं। मौजूदा समय में भारत में माइंडस्पेस बिजनेस पार्क आरईआईटी , ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट और एंबेसी ऑफिस पार्क आरईआईटी एक्सचेंज पर लिस्ट है।

जापान में 32 साल के लड़के ने किया कमाल

केवल कंपनियों का विलय और अधिग्रहण कर बना अरबपति

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। एमएंडए रिसर्च इंस्टीट्यूट होल्डिंग के फाउंडर और सीईओ 32 वर्षीय शुनसाकु सगामी जापान के सबसे नए अरबपति बन गए हैं। उनकी कंपनी छोटी और मध्यम साइज की फर्म के अधिग्रहण और विलय का कार्य करती है। 2022 में जापान में रिकॉर्ड 4304 विलय और अधिग्रहण के लेनदेन देखने को मिले थे, इसका फायदा सगामी की कंपनी एमएंडए रिसर्च इंस्टीट्यूट होल्डिंग को हुआ है। पिछले एक साल जून में उनकी कंपनी एमएंडए रिसर्च इंस्टीट्यूट होल्डिंग के लिस्ट होने के बाद शेयर में रिकॉर्ड 340 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला था। शुक्रवार को उनकी कंपनी का शेयर 10,090 जापान युआन (74.36 डॉलर) पर बंद हुआ था। सगामी की कंपनी में 73 प्रतिशत की हिस्सेदारी है और उनकी संपत्ति एक अरब डॉलर से अधिक है।एमएंडए रिसर्च इंस्टीट्यूट होल्डिंग की 2018 में स्थापना हुई थी। कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए खरीदार और ऐसी कंपनियों के बीच संपर्क स्थापित करती है जिन पर बंद होने का खतरा होता या फिर किसी कारण कंपनी का प्रमोटर उसे बेचना चाहता है। कंपनी की ओर से दिसंबर 2022 तिमाही में बताया गया कि इस दौरान 33 लेनदेन पूरे किए गए हैं और 426 डील्स अभी पाइपलाइन में है।सगामी ने अपनी पहली जॉब एडवरटाइजिंग कंपनी से शुरू की थी। इसके बाद उन्होंने 2015 में अपनी फैशन मीडिया कंपनी अलपाका खोली, जिसे टोक्यो की लिस्टेड पीआर कंपनी वेक्टर की ओर से अधिग्रहण कर लिया गया। इसी कंपनी में सगामी अधिग्रहण आदि का कार्य देखते थे, जिसके बाद उन्होंने पाया कि वे अधिग्रहण और विलय में काफी अच्छे हैं। इसके बाद सगामी ने एमएंडए रिसर्च इंस्टीट्यूट होल्डिंग की स्थापना हुई थी।

अब तक हुई इतने लाख टन गेहूं की खरीद, पीछे छूट गया पिछली बार का पूरा आंकड़ा

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकार चालू सत्र में किसानों से रिकॉर्ड तेजी के साथ गेहूं की खरीदारी कर रही है। पिछले साल पूरे सीजन में जितनी खरीदारी हुई थी, इस बार सरकार ने खरीद के उस आंकड़े को अभी ही पार लिया है। सरकार ने बीते दिनों गेहूं की खरीद के आंकड़ों की आधिकारिक जानकारी दी है।सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से शुरू हुए चालू विपणन वर्ष में अब तक गेहूं की खरीद 195 लाख टन तक पहुंच गई है, जो पिछले साल की कुल खरीद के स्तर से अधिक है। रबी विपणन सत्र हर साल अप्रैल से शुरू होता है और अगले साल मार्च तक चलता है, लेकिन थोक स्तर पर खरीद अप्रैल से जून के बीच होती है। इसका मतलब हुआ कि एक महीने से भी कम समय में पूरे पिछले सीजन से ज्यादा गेहूं की खरीद हो चुकी है।सरकार ने बताया कि रबी विपणन सत्र 2022-23 में यानी अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के दौरान 188 लाख टन गेहूं की खरीद हुई थी। वहीं चालू विपणन सत्र में 26 अप्रैल तक ही गेहूं की खरीद 195 लाख टन की खरीद हो चुकी है। यानी 1 अप्रैल से शुरू हुए रबी विपणन सत्र 2023-24 के दौरान गेहूं की खरीद पहले ही रबी विपणन सत्र 2022-23 की कुल खरीद स्तर को लांघ चुका है।सरकार का कहना है कि गेहूं की सरकारी खरीद में इस तेजी से काफी हद तक किसानों को फायदा हुआ है। चल रहे गेहूं खरीद कार्यों के दौरान लगभग 41,148 करोड़ रुपये का एमएसपी पहले ही लगभग 14.96 लाख किसानों को दिया जा चुका है।आंकड़ों के अनुसार, इस रिकॉर्ड खरीद में प्रमुख योगदान तीन गेहूं उत्पादक राज्यों पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश ने दिया है। इस साल अब तक पंजाब में जहां 89.79 लाख टन गेहूं की खरीद हुई है, हीं हरियाणा ने 54.26 लाख टन और मध्य प्रदेश ने 49.47 लाख टन का योगदान दिया है।सरकार ने बेमौसम बारिश के चलते इस साल खरीदारी में गुणवत्ता को लेकर किसानों को रियायत दी है। ऐसा देखा जाता है कि बेमौसम बारिश होने से गेहूं की फसल प्रभावित होती है और उनकी चमक कम रह जाती है। इसी कारण सरकार ने गुणवत्ता के मोर्चे पर रियायत दी है, जो तेज खरीदारी का मुख्य कारण है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को बेहतर पहुंच के लिए पहले से मौजूद खरीद केंद्रों के अलावा ग्राम/पंचायत स्तर पर खरीद केंद्र खोलने और सहकारी समितियों/ग्राम पंचायतों/आढ़तियों आदि के माध्यम से भी खरीद करने की अनुमति दी है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष	में	मेष--	05-03 बजे
चंद्र-	सिंह	में	वृष--	06-48 बजे
मंगल	मिथुन	में	मिथुन..	08-48 बजे
बुध-	मेष	में	कर्क...	11-01 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह...	13-12 बजे
शुक्र-	वृष	में	कन्या..	15-19 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	17-25 बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	19-35 बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	21-48 बजे
			मकर..	23-55 बजे
			कुंभ...	01-45 बजे
			मीन ..	03-23 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय- 05-54 सूर्य अस्त- 18-32
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी - 20 -28 तक उपरान्त एकादशी
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष , रविवार April 30
नक्षत्र - मघा - 15- 30 - तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - वृद्धि - 11 - 15 - तक उप - ध्रुव
करण- तैतिल -07 - 28 - तक उप- गर
विशेष:- श्री महावीर स्वामी केवल ज्ञान
व्रत -त्योहार - पूर्ण रवि योग

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:59 से 18:35 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया	
उत्पात	05:54 - 07:28	अशुभ	शुभ	18:32 - 19:59 शुभ
चंचल	07:28 - 09:03	शुभ	अमृत	19:59 - 21:24 शुभ
लाभ	09:03 - 10:38	शुभ	चंचल	21:24 - 22:49 शुभ
अमृत	10:38 - 12:13	शुभ	रोग	22:49 - 00:13 अशुभ
काल.	12:13 - 13:49	अशुभ	काल	00:13 - 01:38 अशुभ
शुभ.	13:49 - 15:24	शुभ	लाभ	01:38 - 03:02 शुभ
रोग	15:24 - 16:59	अशुभ	उत्पात	03:02 - 04:27 अशुभ
उत्पात	16:59 - 18:32	अशुभ	शुभ	04:27 - 05:54 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

इस समय आपके जीवन में अजीब ही घटनाएँ हो रही हैं । सिसे भी आप मिलते हैं,आपके मन में उसी के लिए कोमल भावनाएं पैदा हो जाती हैं ,विशेषत विपरीत लिंग को आप बहुत आकर्षित करेंगे । साथ ही आप उस काम के बारे में भी जागरूक रहेंगे जो आपको दूसरों के लिए घर और कार्यस्थल पर करना है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,

जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है । अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे । अपने अधूरे काम आज पूरे कर दें और चिंतामुक्त हो जाएँ ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी । वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यव्सायिक जिंदगी में क्या चल रहा है । आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,

आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं । अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें । बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपके सामने नए अवसर प्रस्तुत होने वाले हैं आप आज तक अपनी जिस प्रतिभा को केवल हॉबी मानते आये थे,उससे अपनी आजीविका कमा सकते हैं जीवन के हर क्षेत्र में नए बदलाव होंगे जो आपके जीवन को पूरी तरह बदलकर रख देंगे आप अपने जीवन से संतुष्ट अनुभव करेंगे आज आप मूड में जबर्दस्त बदलाव महसूस करेंगे ।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी । लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें । हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं । आपने निरंतर प्रयास किये हैं ,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा । समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें ।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा । भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो ।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

आज अपने अपने ही भीतर शक्ति का नया-अद्वितीय श्रोत ढूँढ लेंगे और आपको यह अनुभव होने लगेगा कि आप अपने जीवन में जिन समस्याओं से अब जूझ रहे हैं ,उनसे निपटने के लिए आपको किसी भी बाह्य मदद की जरुरत नही है । आप आसानी से खुद ही सब कर सकते हैं,इस बात का अनुभव आपको आज हो जाएगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

आप बहुत दिनों से आज के दिन के लिए वचत करते आ रहे हैं ।आज कोई ऐसी ख़ुशी की खबर मिलेगी जो आपके होठो पर मुस्कान और आँखों में आंसू ले आएगी ।आज आप पुरे दिन दोस्तों और सम्बन्धियों से घिरे रहेंगे। समय मजे में बीतेगा लेकिन अपने स्व। स्थ्य का ध्यान जरूर रखें । अब यह जरूरी हो गया है कि आप स्वास्थ्यकर भोजन और जीवनशैली अपनाने की ओर गंभीरतापूर्वक ध्यान दें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

सखी संप्रदाय : पुरुष की मांग में सिंदूर और सोलह श्रृंगार

घर-परिवार तक छोड़ देते हैं

मथुरा, 29 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। शरीर पुरुष का, लेकिन वेश स्त्री का। नख से लेकर शीश तक श्रृंगार, लंबा घूंघट, हाथों में चूड़ियां और मांग में सिंदूर। हाव-भाव, चाल-चलन, पहनावा सब कुछ स्त्रियों जैसा। न अपने परिवार से रिश्ता, न घर-बार। कृष्ण ही इनके पति हैं, स्वामी हैं, भगवान हैं। उनकी सेवा ही इनका जीवन है। ये सखी संप्रदाय के लोग हैं, जो कृष्ण की सखी बनकर उनकी उपासना करते हैं। सखी संप्रदाय के अधिकांश लोग मथुरा के वृंदावन में मिल जाएंगे।

वृंदावन में अधिकांश ऑटो वाले महिला सवारियों को राधारानी के नाम से ही बुलाते हैं। वजह 'यह ब्रज की धरती है। यहां सभी लोग राधा या उनकी सखियों के रूप में ही हैं। शिव को भी यहां सखी रूप में ही आना पड़ा था। यहां पुरुष सिर्फ एक है, वो है कान्हा।'

मैं जिनके साथ हूं, वे यहां की मशहूर युगल सखी हैं। गहरे नीले रंग का लहरिया और गोटे वाला लंहगा-चुनरी, मांग में सिंदूर, आलता लगे पांव में लाल नग वाले बिछिया और पायल। 25 साल की युगल सखी कभी पुरुष थीं। नाम था युगल किशोर, लेकिन कान्हा के प्रेम में सखी बन गईं। युगल सखी का घर सजा हुआ। लग रहा है कोई उत्सव है। मुझे कई तरह की मिठाइयां दी गईं। इतनी मिठाइयां क्या करूंगी। युगल सखी ने कहा- 'अरे आज तो आपको मीठा खाना ही पड़ेगा। कल मेरे ठाकुर जी का हैप्पी बर्थडे था, यह उन्हीं का प्रसाद है।' थोड़ा सोचने के बाद मैंने पूछा- कान्हा जी का जन्मदिन तो जन्माष्टमी के दिन होता है। कल क्या था?

युगल सखी जवाब देती हैं- 'जन्माष्टमी तो सबके लिए होती है। मेरे लिए उनका जन्मदिन कल था। यानी जिस दिन मैं ठाकुर जी को अपने घर लेकर आई थी, उसी दिन उनका जन्मदिन है। हम लोग इसे भव्य तरीके से सेलिब्रेट भी करते हैं। बाकी सखियां भी आती हैं। गाना-बजाना होता है। मिठाइयां बांटी जाती हैं। भंडारा होता है।'

युगल सखी के घर में रखी राधा-कृष्ण की मूर्ति। हर दिन वे इन्हें नहलाती हैं, नाश्ता कराती हैं, खिलाती हैं और फिर रात को सुलाती भी हैं। वे अपनी कुछ तस्वीरें दिखाती हैं। किसी में गहरे तोते रंग का लहंगा, तो किसी में सफेद गहरे रंग का लहंगा। नख से लेकर शिख तक सोलह श्रृंगार और गहने। उन्हें देखकर लगता ही नहीं कि कोई पुरुष हैं वो। वृंदावन या देश के दूसरे हिस्सों में आमतौर पर सखी को लोग किन्नर समझ लेते हैं? युगल सखी जवाब देती हैं- 'ऐसा नहीं है। किन्नर से हमारा कोई लेना-देना ही नहीं है। पुरुष ही सखी बनते हैं, लेकिन कान्हा के प्रति उनका समर्पण ऐसा होता है कि वे खुद को हाव-भाव हर तरह से स्त्री रूप में ढाल लेते हैं। चाल-चलन, पहनावा, श्रृंगार सब कुछ। हमेशा मांग भरकर रखती हैं। पांव में आलता लगा रहता है। सुहाग की सभी निशानियां देह पर होती हैं।

2005 में यूपी के आईजी रहे डीके पांडा ने नौकरी के दौरान खुद को कृष्ण की प्रेमिका घोषित कर दिया था।

25 साल की युगल अपनी कहानी बताती हैं-

''बचपन से ही घर में ठाकुर जी की पूजा होती थी। ठाकुर जी को सुबह जगाना, नहलाना, नाश्ता कराना, खाना खिलाना और फिर रात में सुलाना। यह रोज का काम था। अगर किसी दिन मैं नाश्ता कराना भूल गई, तो मम्मी स्कूल छुड़वा देती थीं। कहती थीं कि एक दिन पढ़ने मत जाओ, लेकिन ठाकुर जी को नाश्ता कराओ। वे भूखे नहीं रह सकते। इसलिए कान्हा से प्रेम भाव बचपन से ही था। 10वीं करने के बाद मुझे एहसास होने लगा कि मैं कान्हा के बिना नहीं रह सकता। मैं उनके प्रेम में पागल हो गया था। मैंने मां को यह बात बताई कि मुझे कान्हा के संग रहना है। मैं अब सखी बनना चाहता हूं। तब मेरी उम्र 14 साल थी। मां ने कहा ठीक है, यह तुम्हारा फैसला है। तुम्हें सखी बनना है तो बन जाओ।

मैंने घर छोड़ दिया। सबसे पहले मैंने एक गुरु धारण किया। 4 साल तक वृंदावन में घूम-घूमकर भिक्षा मांगी। हर दिन सुबह तीन बजे ही उठ जाती थी। फिर ठाकुर जी को नहलाती, भजन और पूजा-पाठ करती। इसके बाद गुरु की सेवा में जुट जाती थी। मंदिर से ही खाने-पीने को मिलता था।

चार साल के बाद मुझे गुरु ने दीक्षा दी। गुरुमंत्र दिया। पंचकेश संस्कार (मुंडन) हुए, उसके बाद ठाकुर जी से शादी तय हुई। ठाकुर जी के हाथ से मांग भरी गई। गोद भरी गई। सखियों ने तरह-तरह के उपहार दिए। इसके बाद मैं सखी हो गई। मेरा नाम भी बदल गया। पारिवारिक रिश्ते भी खत्म हो गए। अब बस कृष्ण मंदिर और सखियों से ही मेरा रिश्ता है।'' युगल को देश के कई

राधा वल्लभ मंदिरों में कृष्ण के सामने नृत्य के लिए बुलाया जाता है। मैंने भी उनके साथ राधा वल्लभ मंदिर चलने का आग्रह किया। वे सहज भाव से तैयार भी हो गईं। शाम को मैं उनके साथ राधा वल्लभ मंदिर पहुंची।

गलियों में गोपी ड्रेस मिल रही हैं। कृष्ण को सजाने के सामान मिल रहे हैं। जगह-जगह पेड़े मिल रहे हैं, मिठाइयां मिल रही हैं, दूध-मक्खन मिल रहा है। मंदिर में कन्हैया विराजे हैं। उनकी एक झलक पाने के लिए श्रद्धालु उमड़े हैं। राग चल रहे हैं। साज बज रहे हैं। श्रद्धालु सुध-बुध खोए नाच रहे हैं। ऐसा मनमोहक नृत्य मैंने पहली बार देखा। यहीं मेरी मुलाकात राजेश्वरी सखी से हुई। वे लखनऊ की रहने वाली हैं। यूके में सेटल्ड हैं। हर साल वे वक्त निकालकर वृंदावन आती हैं। बातचीत के लिए उन्होंने मुझे अपने घर बुलाया। अगले दिन सुबह वे मुझे लेने होटल आ गईं। पीले रंग की साड़ी में नीचे तक घूंघट काढ़े।

मैंने पूछा आपने घूंघट क्यों किया है?

वे बताती हैं- 'ब्रज मेरा ससुराल है। यहां हर महिला घूंघट करती है और मेरी तो ठाकुर जी से शादी हुई है। हम सखियां ब्रज और नंदगाव में घूंघट में ही रहती हैं।

घूंघट सिर्फ कान्हा जी के सामने ही उठता है। यही सखी का भाव है। सखी को इजाजत नहीं कि वह सोलह श्रृंगार से दमकता चेहरा कृष्ण के अलावा किसी गैर मर्द को दिखाए।'

राजेश्वरी बताती हैं, 'सखियों के मुख्य तीन त्योहार होते हैं। होली, राधाष्टमी और बियाहवला। होली के दिन सखियां कान्हा को बुलाने के लिए बरसाना से नंदगांव होली का निमंत्रण लेकर जाती हैं। रास्ते भर नाचते-गाते गुलाल की पोटली लेकर।

वहां कान्हा को गारी सुनाती हैं और कहती हैं कि कल आना बरसाना में होली खेलने, हम बताएंगे तुम्हें कि होली कैसे खेलते हैं। निमत्रंण स्वीकार होने के बाद बरसाना में लड्डू वर्षा होती है। अगले दिन बरसाना में जमकर होली खेली जाती है। इस होली को देखने के लिए विदेशों से भी लोग आते हैं।

होली खेलने के बाद सखियों को भोज कराया जाता है। उन्हें विदाई दी जाती है। सखियों को नंदगांव की बहू माना जाता है। वे किसी के भी घर चली जाएं, बहू ही मानी जाएंगी। आज भी नंदगांव और बरसाना के लोगों में आपस में शादियां नहीं होतीं। मान्यता है कि ऐसा करने से उनका रिश्ता कमजोर हो जाएगा। नंदगांव में कुछ घरों में तो महिलाएं आज भी मक्खन की मटकी घर के बाहर लटकाती हैं। उन्हें लगता है कि कृष्ण आएंगे और मक्खन खाएंगे।

स्वामी हरिदास की 18वीं पीढ़ी के मुखिया गोस्वामी हित सुकृत लाल बताते हैं, 'सखी खुद के लिए कुछ नहीं चाहती है। उसकी सारी कोशिशें कृष्ण को खुश करने की होती हैं। इस संप्रदाय में राधा, कृष्ण की पत्नी हैं, अंग हैं और आत्मा हैं। कृष्ण को तो सभी ने देखा है, लेकिन राधा को खोजना है। यही सखियों की लक्ष्य है।'

कृष्ण का सखियों से कैसा रिश्ता है, उसकी एक मिसाल है यहां का गोपी महादेव मंदिर। जहां हर शाम को शिव के गोपीरूप में दर्शन होते हैं। जब मैं यहां पहुंची तो देखा कि शिव को साड़ी पहनाई गई है। नाक में नथ है, सोलह श्रृंगार किया हुआ है। ऐसा कहा जाता है कि राधा-कृष्ण को प्रसन्न करने के लिए पहले गोपीरूपी शिव के दरबार में आना पड़ता है।' सखी संप्रदाय, वैष्णव संप्रदाय के निम्बार्क मत की एक शाखा है।

संत हरिदास ने 15वीं सदी में इसकी स्थापना की थी। इसे हरिदासी संप्रदाय भी कहा जाता है। इसे मानने वालों का मत है कि सिर्फ कृष्ण ही पुरुष हैं। वे खुद को कृष्ण की सखी मानते हैं। स्त्रियों के वेश में ही कृष्ण की उपासना करते हैं।

हरिदास को राधा की प्रिय सखी ललिता का अवतार और कृष्ण की बंसी का अवतार भी माना जाता है। वे पहले निम्बार्क संप्रदाय के अनुयायी थे। फिर उनमें सखी भाव और गोपी भाव उत्पन्न हो गया।

वेल्डिंग गैराज में टैंकर फटा

वेल्डिंग के दौरान हुआ विस्फोट, एक मौके पर मौत, दो से अधिक गंभीर रूप से घायल

रांची, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी रांची से लगभग 10 किमी दूर बीआईटी मेसरा से सटे चुट्टू रिंग रोड के पास सुबह विस्फोट की भयंकर घटना घटी। यह विस्फोट एक टैंकर में हुआ। विस्फोट होने से जहां एक व्यक्ति की मौत हो गई, वहीं टैंकर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त भी हो गया। बताया जा रहा है कि टैंकर ज्वलनशील लिक्विड वाला था। संभावना जतायी जा रही है कि हीट बढ़ने से यह विस्फोट हुआ है। दरअसल रिंग रोड के चुट्टू के पास स्थित एक वेल्डिंग गैराज में टैंकर मरम्मत के लिए लाया गया था। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक टैंकर के पिछले हिस्से में काम करना था।

वेल्डिंग दुकान के कर्मचारी टैंकर के डैमेज वाले भाग में वेल्डिंग कर रहे थे। वेल्डिंग के दौरान संभावना है कि हीट काफी बढ़ गय। इस वजह से अचानक पूरा टैंकर विस्फोट कर गया। विस्फोट इतना भयंकर था कि ब्लास्ट की आवाज काफी दूर तक सुनायी दी। टैंकर में सबसे नजदीक होकर काम कर रहे एक कर्मचारी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

स्थानीय अस्पताल में चल रहा है इलाज

मिली जानकारी के अनुसार जिस व्यक्ति की मौत हुई है, उसकी उम्र लगभग 40 साल है। उसका नाम संजू कुमार है। विस्फोट होने से संजू कुमार के शरीर का एक हिस्सा पूरी तरह जख्मी हो गया।

इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी है। वहीं बीआईटी इलाके के रहने वाले मोइनुद्दीन और माणिक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उनका इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। ब्लास्ट के बाद टैंकर से धूंआ निकलने लगा, जिसे स्थानीय पर प्रयास कर काबू में लाया गया।

पोते के सामने दादा को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

फ्रांस की सोरबोन यूनिवर्सिटी ने नवाचार के लिए सीएम भूपेश को किया सम्मानित

रायपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को फ्रांस की सारबोन यूनिवर्सिटी ने डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा है। यूनिवर्सिटी ने छत्तीसगढ़ सरकार के विकास कार्यों को सराहा है और प्रदेश में नवाचार के लिए सीएम को सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री राजधानी के एक निजी होटल में अरबिंदो योग एंड नॉलेज फाउंडेशन के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। यहां उनको डॉक्टरेट की उपाधी से नवाजा गया है। यहां इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिक सुरेश कुमार भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही की मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को जब सम्मानित किया जा रहा था तब उनके पारिवारिक सदस्यों के साथ उनका पोता भी वहां मौजूद था। सीएम की पत्नी मुक्तेश्वरी बघेल दोनों बेटियां, बहु और पोते के साथ कार्यक्रम में शामिल हुईं। डॉक्टरेट की मानद उपाधि के लिए आभार जताते हुए सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि आज मेरा सम्मान हुआ है। मेरा परिवार भी साथ है और

सबसे अच्छी बात है कि मेरा पोता भी साथ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरे पास एक किताब विनोबा जी की है। जिसमें उन्होंने लिखा है कि भारत में महात्मा गांधी, रविन्द्र नाथ, रामकृष्ण परमहंस जैसी विभूति रही हैं और उनका योगदान हमारी मनीषा को बनाने में है। बिना अस्त्र के लड़ाई की कल्पना संभव है क्या, महात्मा गांधी ने इसे साकार किया। जो लोग नैतिकता को प्रधानता देते हैं। वे धन से दूर होते हैं। सीएम ने कहा कि नैतिक लोगों को धन से दूर नहीं होना चाहिए। उनके हाथ में धन होगा तो वे सार्थक उपयोग करेंगे। हम ऐसे ही समृद्ध प्रदेश से हैं। भौगोलिक रूप से हम समृद्ध है। हमारे पास जंगल है। हिमालय के बाद सबसे अधिक नाले हमारे यहां हैं। खनिज संसाधन हमारे यहां पर्याप्त है। दुनिया भर में बैटरी गाड़ी की डिमांड हो रही है। हमारे यहां लिथियम है। आरबीआई के सर्वे के मुताबिक यहां हमारे यहां गरीबी रेखा के नीचे बड़ी आबादी है। उद्योग भी हैं फिर भी गरीबी है। देश के आकांक्षी जिलों में 10 हमारे यहां है जबकि दंतेवाड़ा और कोरबा में प्लांट भी हैं। फिर भी इन जिलों में गरीबी है। यह सब देखते हुए एक नए समाधान की जरूरत भी है। आवारा पशुओं की समस्या है। इसे हल करने की दिशा में काम करने की जरूरत थी। इन संसाधनों का पर हावी उपयोग जरूरी था और हम सबने इसके लिए नीति बनाई। केवल उद्योग धंधों को बढ़ाने से बात नहीं बनेगी, संसाधनों के बेहतर उपयोग की भी जरूरत है और हमने प्रकृति को सहेजते हुए विकास कार्य करने का निश्चय किया। सरकार के नरवा,गरवा,घुरवा,बाड़ी कार्यक्रम और गोबर खरीदी की योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि13 हजार नाले हमने ट्रीट किये लेकिन एक इंच जमीन भी नहीं डूबी, यह नवाचार है। एक एक बूंद बचा भी ली और किसानों को कष्ट भी नहीं हुआ।

कोरोना से फिर 3 मौतें, 369 नए केस

रायपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बीते 24 घंटे में कोरोना के 369 नए मरीज मिले हैं। जिसके बाद एक्टिव मरीजों की संख्या 2521 पहुंच गई है। तीन मरीजों की मौत भी हुई है। जिनमें दो की मौत को-मॉर्बिडिटी यानी कोरोना के साथ किसी गंभीर बीमारी के चलते हुई है। जबकि 1 मरीज की कोरोना से हुई है। मृतकों में 2 मरीज रायपुर से थे जबकि 1 बलौदा बाजर का रहने वाला था।

28 अप्रैल यानि शुक्रवार को 512 लोग कोरोना से ठीक भी हुए हैं। प्रदेश में फिलहाल पॉजिटिविटी दर 7.43 प्रतिशत है। रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, बलौदा बाजार, बिलासपुर में सबसे ज्यादा एक्टिव केस हैं। शुक्रवार को 4967 सैंपलों की जांच हुई थी।

धमतरी में सबसे ज्यादा 35 मरीज मिले हैं। इसके अलावा रायपुर में 34, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 30, दुर्ग में 29, राजनांदगांव में 25, रायगढ़ में 24, कांकेर में 24, सरगुजा में 21, बलौदा बाजार में 17, बालोद में 16, सूरजपुर में 14, बेमेतरा में 13, जशपुर से 13, महासमुंद 10, कोरिया और जांजगीर-चांपा में 7-7 मरीज मिले हैं। बीजापुर में 6, बस्तर में 5, बलरामपुर में 4, दंतेवाड़ा में 3, कबीरधाम में 2, नारायणपुर और महासमुंद में भी 2-2 मरीज, कोरबा में 1 मरीज की पुष्टि हुई है।

छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण के आंकड़े बढ़ते क्रम में ही हैं। हालांकि बीते कुछ दिन में संक्रमण के आंकड़े कम जरूर हुए थे, लेकिन कोरोना से होने वाली मौतों की संख्या भी बढ़ी है। 27 अप्रैल को भी 3 मरीजों की मौत हुई थी।

स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने बीते दिनों स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक लेकर टेस्टिंग बढ़ाने के निर्देश दिए थे। उनके निर्देश के बाद टेस्टिंग की संख्या जरूर बढ़ी है। लेकिन अब भी जो टारगेट दिया गया था। उससे कम ही टेस्टिंग हो रही है।

जमीन घोटाले में फिर समन

ईडी ने आईएएस छवि रंजन को 4 मई, विष्णु अग्रवाल को 8 मई को बुलाया

रांची, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। जमीन घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को फिर समन जारी किया है। उन्हें पूछताछ के लिए चार मई को ईडी ऑफिस बुलाया है। वहीं रांची के सब रजिस्ट्रार वैभव मणि त्रिपाठी को एक मई, विष्णु अग्रवाल को आठ मई और कोलकाता के एडिशनल रजिस्ट्रार त्रिदिप मिश्रा को दो मई को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। जमीन घोटाला मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच कर रहे ईडी ने इससे पहले 13 अप्रैल को आईएएस अधिकारी छवि रंजन सहित 18 लोगों के 22 ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के बाद सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। छापेमारी के दौरान कई फर्जी डीड, मुहर और स्टांप आदि बरामद हुए थे। इस मामले में ईडी ने छवि रंजन को समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया था। तीसरे समन पर 24 अप्रैल को वे ईडी ऑफिस पहुंचे थे, जहां

उनसे 10 घंटे तक पूछताछ की गई थी। रिमांड पर लिए गए सभी आरोपियों के सामने बिठाकर उनसे सवाल पूछे गए थे। बैंक और प्रॉपर्टी का डिटेल्स मांगा गया था। साथ ही उन्हें एक मई को हाजिर होने को कहा था। लेकिन शुक्रवार को उन्हें फिर समन जारी कर चार मई को पूछताछ के लिए हाजिर होने को कहा गया है। ईडी ने 26 अप्रैल को भी छवि रंजन के करीबियों के 6 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इनमें जमशेदपुर के रवि सिंह भाटिया व श्याम सिंह, रांची के विपिन सिंह, शेखर कुशवाहा व प्रियरंजन सहाय शामिल थे। अब इन लोगों को भी जल्दी ही समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। जांच एजेंसी ने इस मामले में बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद और प्रदीप बागची सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन पर जमीन के मूल दस्तावेज में छेड़छाड़ कर फर्जीवाड़ा करने, फर्जी दस्तावेज पर होल्डिंग नंबर लेन आदि आरोपों की पुष्टि हो चुकी है। छवि रंजन के सामने पूछताछ में इन्होंने कहा था कि छवि रंजन के कहने पर ही फर्जीवाड़ा किया है। ईडी ने सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ और चेशायर होम रोड की एक एकड़ जमीन की खरीद-बिक्री मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच में फर्जीवाड़ा पकड़ा है। चेशायर होम रोड में एक एकड़ जमीन की खरीद-बिक्री मामले में रांची सदर थाना पुलिस ने जिस केस को बंद कर कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट दे दी थी, अब उसकी फिर से जांच शुरू कर दी है।

दरअसल इस मामले में ईडी ने पुलिस को पत्र भेजकर बताया था कि कैसे रेकर्ड में छेड़छाड़ कर फर्जीवाड़ा किया गया और जमीन की खरीद-बिक्री हुई। इसके बाद रांची पुलिस ने कोर्ट को जानकारी देकर केस री-ओपन किया।

30 जून को कोलकाता चलने का सलखान ने किया आह्वान

राजनगर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। आदिवासी सेंगेल अभियान की ओर से शुक्रवार को राजनगर प्रखंड क्षेत्र के बीजाडीह ग्राम में सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता फागू मुर्मू ने की। सभा में बतौर मुख्य अतिथि आदिवासी सेंगेल अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद सलखान मुरमू एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर सेंगेल दिशोम परगाना सोनाराम सोरेन उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष सालखान मुर्मू ने कहा कि आज आदिवासी समाज सबसे ज्यादा धार्मिक, राजनीतिक और सामाजिक गुलामी की जिंदगी जी रहे हैं। इसके लिए कहीं ना कहीं हमारे आदिवासी नेता, मुंडा मनकी और पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था जिम्मेदार है। आदिवासियों की हासा-भाषा, इज्जत आबादी, नौकरी, जल, जंगल जमीन के लिए कभी काम नहीं किया। आदिवासियों का अपना अलग सरना धर्म है, लेकिन आज तक हमारे आदिवासी नेताओं ने अलग सरना धर्म कोड की वकालत नहीं की जिसका नतीजा यह हुआ कि आज आदिवासी समाज अन्य धर्म हिंदू और ईसाई धर्म को अपना रहे हैं, जिससे आदिवासियों की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को मिट जाएगी। आज समस्त आदिवासी समाज धार्मिक गुलामी में जी रहे हैं। आदिवासी सेंगेल अभियान ने देश में जहां भी आदिवासी हैं, सबको एकजुट करने का बीड़ा उठाया है। आदिवासियों के सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए सेंगेल अभियान 300 प्रखंडों में प्रयत्नशील है। 30 जून को कोलकाता ब्रिगेड परेड ग्राउंड में विश्व सरना धर्म जनसभा आयोजित करने का बड़ा फैसला सेंगल अभियान ने लिया है।

एक हजार से ज्यादा स्वास्थ्य कर्मी हड़ताल पर चार दिन से ओपीडी बंद

दंतेवाड़ा, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में एक हजार से ज्यादा स्वास्थ्य कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। इसके चलते स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं। चार दिन से ओपीडी सेवाएं बाधित हैं। शनिवार से आईपीडी सेवा भी बंद कर दी गई है।

इस हड़ताल में डॉक्टरों से लेकर टेक्नीशियन और अन्य मेडिकल स्टाफ शामिल है। यह सभी लोग कोरोना भत्ता दिए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। जिले में पदस्थ स्वास्थ्यकर्मियों ने 26 अप्रैल से शासन-प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है।

दुष्कर्म का आरोपी थाना प्रभारी निलंबित

दुर्ग, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिला अंतर्गत अमलेश्वर थाने के टीआई को रेप के मामले में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं दुर्ग एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने उन्हें निलंबित करते हुए लाइन अटैच करने का आदेश जारी किया है।

दुर्ग एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने मिली जानकारी के अनुसार अमलेश्वर थाना प्रभारी राजेंद्र यादव के ऊपर एक महिला ने जबरदस्ती दुष्कर्म करने और मारपीट करने का आरोप लगाया था। महिला ने मामले की शिकायत आईजी दुर्ग और एसपी दुर्ग से की थी। एसपी के निर्देश पर दुर्ग कोतवाली थाना प्रभारी एसएन सिंह ने मामला दर्ज किया। मामले की जांच आईपीएस ऑफिसर व सीएसपी दुर्ग वैभव बैंकर ने की। जांच में महिला का आरोप प्रथम दृष्टया सही पाया गया। इसके बाद टीआई राजेंद्र यादव को गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। जिस महिला ने राजेंद्र यादव पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है वह अमलेश्वर थाना क्षेत्र की ही रहने वाली है।

हमले के मास्टरमाइंड का चेहरा आया सामने

नक्सली लीडर जगदीश सोढ़ी की फोटो वायरल, 12 नामजद

दंतेवाड़ा, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में हुए नक्सली हमले के मास्टर माइंड का चेहरा सामने आ गया है। नक्सली लीडर जगदीश सोढ़ी की तस्वीर वायरल हो रही है। वह पांच लाख रुपये का इनामी है। पुलिस ने अरनपुर ब्लास्ट मामले में जगदीश सोढ़ी सहित 12 नक्सलियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है। यह सभी नक्सली दरभा डिवीजन कमेटी के हैं। तीन दिन पहले हुए नक्सलियों के किए गए आईईडी

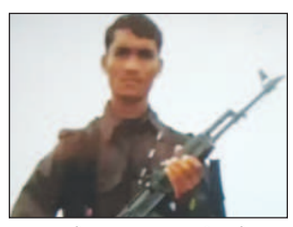

ब्लास्ट में 10 जवान शहीद हो गए थे और एक नागरिक की मौत हुई थी। हमले का मास्टर माइंड नक्सली लीडर जगदीश पहले कटेकल्याण एरिया कमेटी का सचिव था। बस्तर में लगातार बड़ी नक्सली वारदातों को अंजाम देने की वजह से उसे नक्सलियों की दरभा डिविजन के मिलिट्री दलम में शामिल किया गया है। जगदीश छत्तीसगढ़ के ही सुकमा जिले के पुअर्ति गांव का रहने वाला है। वह कई बड़ी वारदातों में शामिल रहा। फिलहाल पुलिस उसकी सरगर्मी से तलाश कर रही है। उसके साथ लख्खे, लिंगे, सोमडू, महेश, हिड़मा, उमेश, देवे, नंद कुमार, लखमा, कोसा, मुकेश व अन्य पर एफआईआर की गई है।

अरनपुर वारदात से ठीक एक दिन पहले 26 अप्रैल को पुलिस और नक्सलियों की मुठभेड़ इसी इलाके में हुई थी। इस दौरान जवानों ने दो नक्सलियों को गिरफ्तार किया था। इनकी शिनाख्त हो गई है। एक की पहचान मिलिशिया सदस्य लखमा कवासी और दूसरे की मिलिशिया सदस्य सन्ना के रूप में हुई है।

कारगर हो रही है यूक्रेन पर 'रणनीतिक अस्पष्टता' की चीन की नीति?

ब्रसेल्स, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। ऐसा लगता है कि चीन ने यूक्रेन के मामले में 'रणनीतिक अस्पष्टता' की नीति अपना ली है। पश्चिमी विश्लेषकों के मुताबिक यह नीति ठीक उसी तरह की है, जैसी अमेरिका ने चीन से मौजूदा टकराव शुरू होने के पहले ताइवान के बारे में लगभग चार दशक तक अपनाए रखी थी।

इन विश्लेषकों ने ध्यान दिलाया है कि चीन लगातार हर देश की संप्रभुता और प्रादेशिक अखंडता की रक्षा पर जोर डालता है। लेकिन उसने यूक्रेन पर रूस के हमले की आज तक निंदा नहीं की है। इसके विपरीत उसने रूस के साथ 'बिना किसी सीमा की दोस्ती' की बात दोहराना जारी रखा है।

हाल में फ्रांस स्थित चीनी राजदूत लू शाये ने यह बयान देकर पश्चिमी राजधानियों में गहरी चिंता पैदा कर दी कि पूर्व सोवियत गणराज्यों का 'अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत कोई दर्जा नहीं है, क्योंकि उनकी संप्रभु हैसियत के बारे में कोई अंतरराष्ट्रीय समझौता मौजूद नहीं है।' इस बयान से मची हलचल के बीच चीन के विदेश मंत्रालय ने तुरंत यह स्पष्टीकरण दे दिया कि वह पूर्व सोवियत गणराज्यों का एक संप्रभु देश के रूप में सम्मान करता है। इससे माहौल थोड़ा ठंडा हुआ, लेकिन राजदूत लू शाये के बयान के पीछे के मकसद को लेकर अब भी कयास लगाए जा रहे हैं। कुछ विश्लेषकों ने इसे रणनीतिक अस्पष्टता की सुविचारित नीति का हिस्सा बताया है।

इस बीच यूरोपियन यूनियन (ईयू) के लिए चीनी राजदूत फू कोंग ने एक मीडिया इंटरव्यू में कहा है कि जिस तरह रूस के साथ चीन का सहयोग असीमित है, उसी तरह यूरोप के साथ उसका सहयोग अनंत है। इस इंटरव्यू के तुरंत बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने यूक्रेन के

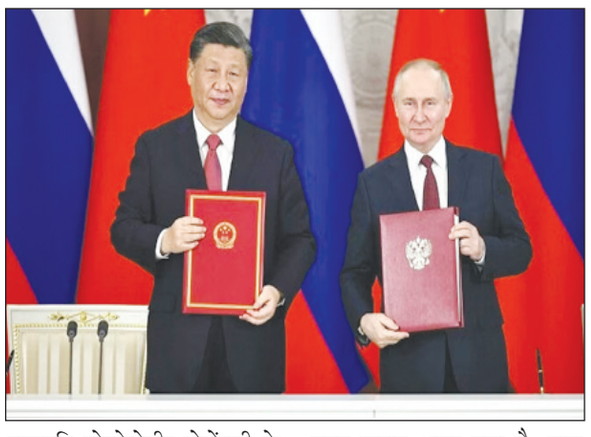

राष्ट्रपति वोलोदोमीर जेलेंस्की के साथ फोन पर लंबी बातचीत की। इसमें उन्होंने जेलेंस्की को आश्वासन दिया कि चीन 'आग में घी नहीं डालेगा' और उसकी राय में जारी टकराव को खत्म करने का एकमात्र तरीका बातचीत है।

ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम में प्रोफेसर स्टीफन वूल्फ ने एक टिप्पणी में लिखा है- 'इसमें कोई छिपी बात नहीं है कि यूक्रेन युद्ध का ईयू-चीन संबंध पर बहुत खराब असर पड़ा है। हाल में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ईयू की अध्यक्ष उरसुला वॉन डेर लियेन और जर्मन विदेश मंत्री एनालीना बेयरबॉक की चीन यात्रा के बाद इस बारे में कोई संदेह नहीं बचा है।'

वेबसाइट कन्वर्सेशन.कॉम पर छपी टिप्पणी में वूल्फने कहा है कि इन नेताओं की यात्रा से यह भी सामने आया कि चीन के बारे में उनका नजरिया अलग-अलग है। ऐसी खबरें छपी हैं कि मैक्रों चीन के साथ मिल कर रूस और यूक्रेन के बीच समझौता कराने की किसी योजना पर काम कर रहे हैं। उन्होंने हाल में यह बयान भी दिया कि यूरोप को अमेरिका का अधीनस्थ नहीं बने रहना चाहिए।

मैक्रों की चीन से इस नजदीकी की ज्यादातर यूरोपीय नेताओं ने आलोचना की है। लेकिन इटली के रक्षा मंत्री गुइदो क्रोसेतो ने इस सोच का समर्थन किया है कि रूस और यूक्रेन के बीच चीन मध्यस्थता करे। विश्लेषकों के मुताबिक बीते छह महीनों के अंदर लगभग सभी प्रमुख यूरोपीय नेताओं ने चीन की यात्रा की है। उनमें जर्मनी के चांसलर ओलोफ शोल्ज भी शामिल हैं। इसे इस बात का संकेत माना गया है कि यूरोपीय नेता चीन के साथ अपने रिश्ते को बहुत अहमियत दे रहे हैं। यह इस बात भी संकेत है कि यूक्रेन के मामले में चीन की 'रणनीतिक अस्पष्टता' की नीति कारगर हो रही है।

7 साल बाद सऊदी-ईरान फिर खोलेंगे दूतावास

ईरानी विदेश मंत्री बोले- यह जल्दी होगा ईद पर बातचीत के बाद लिया फैसला

रियाद, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। सऊदी अरब और ईरान कुछ ही दिनों के भीतर एक-दूसरे की राजधानी में अपनी ऐंबेसी यानी दूतावास खोलने जा रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्री हुसैन आमिर अब्दुल्लाह ने लेबनान की राजधानी बेरूत में इसकी जानकारी दी। हालांकि, अब्दुल्लाह ने ऐंबैसी खुलने की तारीखों का खुलासा नहीं किया।

उन्होंने बताया कि ईद पर सऊदी अरब के विदेश मंत्री से उनकी फोन पर बात हुई थी। जिसमें तय हुआ था कि हम कुछ ही दिनों में ऐंबैसी खोल लेंगे। दरअसल, सऊदी अरब और ईरान ने बिगड़ते संबंधों के बीच 2016 में डिप्लोमैटिक रिलेशन खत्म कर लिए थे। इसके बाद पिछले महीने चीन ने दोनों के बीच समझौता कराया था।

12 साल बाद सीरिया जाएंगे ईरान के राष्ट्रपति

अब्दुल्लाह ने ये भी बताया कि ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी 12 साल बाद सीरिया जाएंगे। ये 2011 में वहां जंग शुरू होने के बाद ईरान के राष्ट्रपति की पहली विजिट होगी। ईरान सालों से सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद की विद्रोहियों से लड़ने और सत्ता में बने रहने के लिए मदद कर रहा है। सऊदी अरब और ईरान के संबंध बेहतर होने से मिडिल ईस्ट में कई तरह के संघर्ष रुकने की संभावनाएं हैं।

दरअसल, सऊदी और ईरान में अरब देशों के बीच दबदबे को लेकर होड़ रही है। सऊदी सुन्नी बहुल देश है, जबकि ईरान की ज्यादातर आबादी शियाओं की है। इस वजह से दोनों आपस में एक-दूसरे के खिलाफ रहे हैं। यमन में जहां हूती विद्रोहियों को ईरान का साथ मिला, वहीं वहां की सरकार का सऊदी ने समर्थन किया। ऐसा ही सीरिया में भी देखने को मिला जहां सऊदी ने विद्रोहियों की मदद की तो ईरान ने बशर अल असद की सरकार का साथ दिया।

ईरान ने कुवैत से अमेरिका जा रहा जहाज सीज किया

तेल टैंकर पर 24 भारतीय क्रू मेंबर, यूएस बोला- यह अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ

तहरान, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान ने गुरुवार को अमेरिका की तरफ जा रहे एक तेल टैंकर को ओमान की खाड़ी में जब्त कर लिया था। टैंकर पर मार्शल आइलैंड का झंडा लगा हुआ था। न्यूज एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस टैंकर में सवार 24 क्रू मेंबर्स भारतीय हैं। मरीन ट्रैफिक डॉट कॉम ने बताया कि ये टैंकर कुवैत से अमेरिका के ह्यूस्टन जा रहा था। शुक्रवार को अमेरिकी नेवी ने टैंकर जब्त होने की जानकारी दी। वहीं ईरान की आर्मी ने कहा कि उन्होंने टैंकर को जब्त किया, क्योंकि टैंकर इंटरनेशनल वॉटर में एक ईरानी नाव से टकरा गया था। इसके बाद से नाव में सवार 2 ईरानी क्रू मेंबर्स लापता हैं वहीं कई लोग घायल हुए। अमेरिकी नौसेना ने बताया कि इस पोत का नाम एडवांटेज स्वीट है। गुरुवार दोपहर करीब सवा एक बजे जहाज ने इमरजेंसी की सूचना दी थी। यूएस नेवी के मुताबिक, तभी ईरान की आर्मी ने जहाज को जब्त किया था। इसके बाद अमेरिका ने पूरे मामले की निगरानी के लिए एक पी-8 पोसीडियन समुद्री पैट्रोलिंग विमान भेजा, जिसने सूचना दी कि ईरानी नेवी ने टैंकर को पकड़ा है। अमेरिकी नौसेना ने कहा- ईरान की कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। ये कदम क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा है। ईरान को तुरंत ही टैंकर को छोड़ देना चाहिए। नेवी ने बताया कि ईरान ने पिछले 2 सालों में ये 5वां कॉमर्शियल पोत जब्त किया है।

रूस के सस्ते तेल से पाकिस्तान को राहत तो मिलेगी

पर कई चुनौतियां भी खड़ी होंगी

इस्लामाबाद, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान अब रूस से कच्चे तेल का आयात शुरू करने जा रहा है। इसकी पहली खेप मई में किसी समय पाकिस्तान पहुंच जाएगी। इससे विदेशी मुद्रा के घोर संकट से गुजर रहे पाकिस्तान को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन विशेषज्ञों के मुताबिक पाकिस्तान सरकार के इस फैसले से कई दूसरी चुनौतियां सामने आ सकती हैं।

पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री मुसादिक मलिक के मुताबिक पाकिस्तान ने इस महीने के आरंभ में रूस को तेल खरीदारी का पहल ऑर्डर दिया। आयात हुए तेल को पाकिस्तान की रिफाइनरी में रिफाइन किया जाएगा। अगर यह प्रयोग सफल रहा, तो पाकिस्तान रोजाना एक लाख बैरल तेल खरीद का आर्डर रूस को दे सकता है। इससे पाकिस्तान की कच्चे तेल की दो तिहाई जरूरत पूरी हो जाएगी। पाकिस्तान सरकार ने यह नहीं बताया है कि वह किस भाव पर रूस से तेल खरीद रही है। लेकिन उसने इस करार को पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ी आर्थिक राहत जरूर बताया है।

एक सरकारी अधिकारी ने अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम को बताया कि पाकिस्तान सरकार 50 डॉलर प्रति बैरल के भाव से तेल खरीदने की कोशिश में है। पाकिस्तान अब तक मुख्य रूप से सऊदी अरब से तेल खरीदता रहा है, जिसका भाव हाल में 84.75 डॉलर प्रति बैरल रहा है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के मुताबिक 2022 में पाकिस्तान ने हर प्रकार के पेट्रोलियम पदार्थ के आयात पर 18.75 बिलियन डॉलर खर्च किए। इससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ता चला गया है। हालांकि रूस से सस्ता तेल मिलने से पाकिस्तान को आर्थिक राहत मिलेगी, लेकिन जानकारों की राय में इससे कई तरह के राजनीतिक और कूटनीतिक सवाल खड़े होंगे। इस पर अमेरिकी की उग्र प्रतिक्रिया हो सकती है- खासकर उस स्थिति में अगर पाकिस्तान 60 डॉलर प्रति बैरल के कम के भाव पर तेल खरीदता है। जी-7 देशों ने रूसी तेल खरीद की यह न्यूनतम कीमत तय कर रखी है। अमेरिकी थिंक टैंक रैंड कॉरपोरेशन में वरिष्ठ रक्षा विश्लेषक डेरेक ग्रॉसमैन ने कहा है कि पाकिस्तान के इस कदम पर अमेरिकी नीति निर्माता बेहद सख्त रुख अपनाएंगे। हालांकि उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगाए जाने की संभावना नहीं है।

एक अन्य अमेरिकी थिंक टैंक विल्सन सेंटर में स्थित साउथ एशिया इंस्टीट्यूट के निदेशक माइकल कुगेलमैन ने कहा है- 'मुझे नहीं लगता कि प्रतिबंध लगाया जाएगा। लेकिन पाकिस्तान के साथ दिक्कत यह है कि उसे अमेरिका ने स्ट्रेटेजिक पार्टनर का दर्जा नहीं दे रखा है। भारत को यह दर्जा मिला हुआ है, जिस कारण अमेरिका उसके साथ अलग तरह का व्यवहार करता है।'

पाकिस्तान के सामने दूसरी चुनौती यह है कि रूस उसे गैर रिफाइंड तेल बेचेगा। पाकिस्तान के पास उतनी बड़ी मात्रा में कच्चे तेल को रिफाइन करने की क्षमता है या नहीं, यह साफ नहीं है। इस्लामाबाद स्थित ऑयल एडवाइजर रूसी तेल को रिफाइन करने का खर्च दो से पांच डॉलर प्रति बैरल तक आएगा। इससे तेल उतना सस्ता नहीं रह जाएगा, जितना ऊपर से नजर आ रहा है।

लेकिन पाकिस्तान के पूर्व पेट्रोलियम और प्राकृतिक संसाधन सचिव जीए साबरी ने राय जताई है कि पाकिस्तान सरकार ने रूस को ऑर्डर देने के पहले तेल रिफाइन करने की अपनी क्षमता का जरूर आकलन किया होगा।

रूस ने यूक्रेन पर एक दिन में दागीं 23 मिसाइलें

3 बच्चों समेत 16 की मौत, ये 2 महीनों में किया गया सबसे बड़ा अटैक

कीव, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। रूस ने शुक्रवार को यूक्रेन पर एक के बाद एक 23 मिसाइलों से हमला किया । इसमें अलग-अलग शहरों में 3 बच्चों समेत 16 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्टस के मुताबिक उमान शहर में 13 लोगों की मौत हुई। जबकि 9 लोग घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

निप्रो में मिसाइल ने एक घर को चपेट में ले लिया जिससे एक 2 साल की बच्ची और उसकी मां की मौत हो गई। वहीं तीन लोग घायल हुए। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

जेलेंस्की ने कहा शैतानों को केवल हथियारों से रोका जा सकता है

यूक्रेन की राजधानी कीव और क्रेमेनचुक शहर में भी धमाके हुए हैं। जेलेंस्की ने बताया की रूसी मिसाइलों के हमले में 10 रहवासी इमारतें भी चपेट में आई हैं। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि शैतानों को केवल हथियारों से रोका जा सकता है, रूस पर पाबंदियां बढ़ानी चाहिए।

हमले में तबाह हुई इमारत में रहने वाले एक व्यक्ति ने रॉयटर्स को बताया कि हमला इतना तेज था कि आसपास सब कुछ हिलने लगा, फिर एकदम से धमाका हुआ। वहीं, एक दूसरे व्यक्ति ने बताया कि उसने पहले धमाका सुबह 4:30 पर सुना था। दो बहुत तेज धमाके हुए थे, जिनमें आसपास के सब चीजें जल्दी शुरू हो गई।

2 दिन पहले जेलेंस्की ने की थी शी जिनपिंग से बात

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बुधवार को यूक्रेन के प्रेसिडेंट वोलोदिमिर जेलेंस्की से फोन पर बातचीत की थी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक- बातचीत के दौरान फोकस रूस-यूक्रेन जंग पर ही रहा। बातचीत के बाद जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा- चीन के प्रेसिडेंट से काफी लंबी और अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

हमने रूस के हमले और यूक्रेन के हालात पर बातचीत की। हम चाहते हैं कि चीन के साथ अच्छे रिश्ते हों।

जेलेंस्की ने आगे कहा- जिनपिंग से आज की बातचीत और चीन में यूक्रेन के एम्बेसेडर का अपॉइंटमेंट अहम मुद्दे हैं, जो ये बताते हैं कि हम दोनों ही देश साथ चलना चाहते हैं।

किम जोंग की बहन बोली- बाइडेन बूढ़े, कमजोर

कहा- नॉर्थ कोरिया के खिलाफ उनका बयान बेतुका, वो अमेरिका को नहीं बचा सकते

प्योंगयांग, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और साउथ कोरिया के बीच न्यूक्लियर डील के बाद से नॉर्थ कोरिया भड़का हुआ है। तानाशाह किम की बहन किम यो जोंग ने डील को देखते हुए अपनी सैन्य ताकत का और ज्यादा प्रदर्शन करने की बात कही है। साथ ही यो जोंग ने बाइडेन की अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर जिम्मेदारी उठाने की क्षमता पर भी सवाल खड़े किए।

यो जोंग ने कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बूढ़े और कमजोर हो गए हैं। उन्होंने नॉर्थ कोरिया की सत्ता को लेकर जो बयान दिया है वो बहुत ही बेतुका और गैर-जिम्मेदाराना है। बाइडेन अमेरिका की सुरक्षा और भविष्य की जिम्मेदारी उठाने में सक्षम नहीं हैं। वो एक बूढ़े आदमी हैं जिनका कोई भविष्य नहीं है। उनके लिए अपना कार्यकाल पूरा करना भी बहुत मुश्किल है।

अमेरिका-साउथ कोरिया के बीच वॉशिंगटन डेक्लेरेशन समझौता

दरअसल, 26 अप्रैल को बाइडेन ने साउथ कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल से मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों नेताओं ने न्यूक्लियर हथियारों से जुड़े एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसको वॉशिंगटन डेक्लेरेशन नाम दिया गया था। समझौते के तहत अमेरिका अपनी न्यूक्लियर बैलिस्टिक मिसाइल सबमरीन साउथ कोरिया भेजेगा।

मुलाकात के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बाइडेन ने कहा था- अगर नॉर्थ कोरिया ने परमाणु हमला किया तो ये वहां की सत्ता के अंत का कारण बनेगा। हम नॉर्थ कोरिया से आने वाले हर खतरे के खिलाफ अपने सहयोगियों के साथ मिलकर जवाब देंगे।

तानाशाह की बहन ने कहा- अमेरिका और साउथ कोरिया के बीच डील इस बात का सबूत है कि वो हमारे प्रति आक्रामक रवैया अपनाना चाहते हैं। इसके लिए वो क्षेत्र में शान्ति और सुरक्षा को भी खतरे में डालने के लिए तैयार हैं।

बाइडेन और येओल के बीच हुई बैठक ने परमाणु क्षमता बढ़ाने के हमारे फैसले को सही साबित कर दिया है। हमें परमाणु जंग के लिए अपने डिफेंस को और मजबूत करना है।

किंग चार्ल्स की ताजपोशी का काफिला लीड करेंगे पीएम सुनक

लंदन, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की सास सुधा मूर्ति ने कहा है कि मैंने अपने पति को बिजनेसमैन बनाया और मेरी बेटी अक्षता ने अपने पति सुनक को प्रधानमंत्री बना दिया। मेरी बेटी की वजह से ही सुनक ब्रिटेन के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री बने हैं। दूसरी तरफ, ऋषि सुनक पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ किंग चार्ल्स की ताजपोशी के दौरान फ्लैग-बियरर्स के काफिले में सबसे आगे चलेंगे। उनके साथ रॉयल एयर फोर्स के कैडेट वारंट अधिकारी इलियट टायसन-ली ब्रिटेन का झंडा लेकर चलेंगे। ब्रिटेन की रॉयल फैमिली ने ताजपोशी के इवेंट्स से जुड़ी डीटेल्स शेयर कीं। 74 साल के किंग चार्ल्स की 6 मई को ताजपोशी होगी। सुधा मूर्ति ने कहा कि ये इस बात का सबूत है कि एक आदमी के जीवन में पत्नी की क्या अहमियत होती है।

जयशंकर ने बताया क्यों बढ़ रहीं भारत-चीन की दूरियां

सेंटो डोमिंगो, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत यह सुनिश्चित करना चाहता है कि सभी देशों के साथ उसके संबंध बिना किसी शर्तों के आगे बढ़े। उन्होंने कहा, हाल ही में चीन ने भारत के साथ सीमा समझौतों की अवहेलना की, जिससे द्विपक्षीय संबंधों पर असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्थायी संबंध एकतरफा नहीं हो सकते है और इसमें परस्पर सम्मान होना चाहिए।

सेंटो डोमिंगो की यात्रा पर विदेश मंत्री

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर सेंटो डोमिंगो की यात्रा पर पहुंच हुए हैं। डोमिनिकन गणराज्य देश की यह उनकी पहली आधिकारिक यात्रा है। वहीं, विदेश मंत्री ने आज देश के उपराष्ट्रपति रकील पेना के साथ डोमिनिकन गणराज्य में भारत के दूतावास का उद्घाटन किया है।

उद्घाटन समारोह के दौरान वहां डोमिनिकन के उपराष्ट्रपति समेत कई नेता मौजूद रहे थे।

पाकिस्तान से आतंकवाद की वजह से नहीं अच्छे संबंध

डोमिनिकन गणराज्य के राजनयिक स्कूल के बच्चों से शुक्रवार को बातचीत करते हुए भारत के विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने पूरे क्षेत्र में कनेक्टिविटी, संपर्क और सहयोग में बड़े पैमाने पर विस्तार देखा है। हालांकि, सीमा पार आतंकवाद के मद्देनजर पाकिस्तान इसका अपवाद बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि अधिकतर देशों से भारत का संबंध अच्छे हैं। चाहे वह अमेरिका, यूरोप, रूस या जापान हो हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि ये सभी संबंध बिना किसी शर्त पर आगे बढ़ें। जयशंकर ने कहा कि चीन से वर्तमान में हमारे संबंध सामान्य नहीं हैं क्योंकि वह लगातार सीमा पर उल्लंघन करता रहता है।

गौरतलब है, भारत पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन द्वारा बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती और उसके आक्रामक व्यवहार की आलोचना करता रहा है, जो सीमा प्रबंधन पर समझौते का उल्लंघन है।

पूर्वी लद्दाख में चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच लंबे समय से गतिरोध बना हुआ है। पैंगोंग झील क्षेत्रों में हिंसक झड़प के बाद पांच मई, 2020 को हुए गतिरोध का समाधान करने के लिए दोनों पक्षों ने अब तक कोर कमांडर स्तर की 16 दौर की वार्ता की है। वर्ष 2009 से 2013 तक चीन में भारत के राजदूत रहे जयशंकर ने कहा कि संबंध एकतरफा नहीं हो सकते और इसे बनाए रखने के लिए परस्पर सम्मान होना चाहिए।

कोर्ट ने लगाई शुक्राणु दान करने वाले 41 साल के व्यक्ति पर रोक

550-600 बच्चों के बन चुके हैं पिता

एमस्टर्डम, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। नीदरलैंड कोर्ट ने शुक्राणु दान देने वाले 41 वर्षीय व्यक्ति पर रोक लगा दी है। व्यक्ति ने अपने शुक्राणु से अबतक 400-500 शिशुओं को जन्म दे चुका है। हेग जिला न्यायालय के अनुसार व्यक्ति ने अपने शुक्राणु से जन्म देने वालों बच्चों की संख्या गलत बताई है।

माता-पिता अब इस तथ्य का सामना कर रहे हैं कि सैकड़ो सौतेले भाई बहनों के साथ उनके बच्चे विशाल रिश्तेदारी नेटवर्क का हिस्सा बन चुके हैं। हालांकि इस नेटवर्क को उन्होंने नहीं चुना है।

डच गोपनीयता कानून के अनुसार सरकार व्यक्ति की पहचान सार्वजनिक नहीं कर सकती है, लेकिन स्वास्थ्य मंत्रालय के एक सूत्र ने व्यक्ति की पहचान 41 वर्षीय जोनाथन जैकब मीजर के तौर पर की है। प्रवक्ता गेरिट-जेन क्लेनजान ने लिखा कि डोनर को हर क्लिनिक से समझौता कर लेना चाहिए कि वह अपने शुक्राणु का दान अन्य क्लिनिक में नहीं करेगा।

उन्होंने कहा- जिस व्यक्ति की बात हो रही है उसने भी यह समझौता किया था, लेकिन इसके बावजूद उसने अन्य बैंकों में दान किया जिसके परिणामस्वरूप 102 बच्चे हुए। अदालत का यह फैसला डच डोनर चाइल्ड फाउंडेशन द्वारा मुकदमा करने के बाद आया। दस्तावेजों के अनुसार व्यक्ति ने अबतक 11 फर्टिलिटी क्लिनिक में शुक्राणु दान दिया है। नीदरलैंड्स के नियमानुसार प्रत्येक क्लिनिक शुक्राणु से 25 बच्चे पैदा करने या अधिकतम 12 माताओं को दान कर सकता है। अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार व्यक्ति ने हमेशा ही क्लिनिक में झूठ बोला है। शुक्राणु दान के लिए वह जिस भी क्लिनिक में जाता था वहां वह यही कहता था कि इससे पहले उसने कहीं भी शुक्राणु दान नहीं दिया है। 2017 के रिपोर्ट के अनुसार व्यक्ति ने 2007 से 2017 के बीच अपने शुक्राणु से 102 बच्चों को जन्म दिया था। वहीं 2015 से 2018 के बीच उसने डेनमार्क में भी अपने शुक्राणुओं का दान किया है।

प्रधानमंत्री मोदी गजेंद्र सिंह को बर्खास्त करें

गहलोत बोले - शेखावत संजीवनी पीड़ितों से मिलना नहीं चाहते तो मैं वीडियोग्राफी भिजवा सकता हूं

सीकर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। सीकर दौरे पर आए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शनिवार को बीकानेर रवाना हो गए। सीकर के सर्किट हाउस में मुख्यमंत्री ने रात्रि विश्राम किया। सर्किट हाउस में आज मीडिया से रूबरू होते हुए सीएम अशोक गहलोत ने दूसरे दिन भी केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर जमकर निशाना साधा। गहलोत ने कहा, गजेंद्र सिंह जैसे भ्रष्ट नेता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बर्खास्त करें।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि महंगाई राहत कैंप को लेकर जनता इतनी ज्यादा खुश है कि कैंपों में भीड़ के चलते एक्स्ट्रा स्टाफ और एक्स्ट्रा टेबल लगाने पड़ रहे हैं। गहलोत ने कहा, इंदिरा गांधी ने अपनी अंतिम सांसे सोनिया गांधी की बाहों में ली। 32 साल से गांधी परिवार का कोई भी सदस्य पद पर नहीं है। राहुल गांधी भी न तो प्रधानमंत्री बने और न ही केंद्रीय मंत्री। केवल संगठन को देख रहे हैं। यदि संगठन गांधी परिवार की वजह से एकजुट है तो भाजपा के पेट में दर्द क्यों होता है।

प्रधानमंत्री बार-बार कांग्रेस को उखाड़ फेंकने की बात करते हैं। आज भी उन्हें डर केवल कांग्रेस से ही लगता है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा इतनी सफल हुई कि उन्होंने षड्यंत्र कर लिया कि उन्हें कैसे निष्कासित करना है। वरना 4 साल पुराने केस में राहुल गांधी को कैसे सजा हुई। आज तक इस तरह के केस में राहुल गांधी को ही सबसे ज्यादा सजा मिली है। गहलोत ने कहा कि भाजपा ने इस केस में इंतजार में स्टे किया कि जब कभी मौका आएगा संसद से निकालने का। तब यह काम आएगा। इस बार षड्यंत्र के तहत ही राहुल गांधी को संसद से निष्कासित किया गया है। ऐसा आज तक लोकतंत्र में पहले कभी नहीं हुआ।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि गजेंद्र सिंह का पूरा परिवार अभियुक्त है। इसमें कोई राजनीति की बात नहीं कर रहा हूं। करीब 2.5 लाख लोग जिनमें सैनिक भी शामिल हैं, वे लालच के चक्कर में फंस गए। गजेंद्र सिंह को शर्म नहीं आती कि मैं ढाई लाख लोगों का पैसा दिलवाने में कोई कदम नहीं उठा रहा। उनके सब लोग जेल में बैठे हैं। गजेंद्र सिंह उन लोगों का पैसा दिलवाने का प्रयास तो करें।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि मुझसे तीन बार पीड़ित लोग मिलने आए जिनकी आंखों में आंसू थे। दो बहनों की शादी नहीं हो रही है। एक बुजुर्ग को 3 बायपास सर्जरी करवानी है। उसका बेटा भी सक्षम है लेकिन उस बुजुर्ग ने जिद पकड़ ली है कि जब मेरा पैसा मिलेगा तब ही करवाऊंगा। गहलोत ने कहा, मैंने उन पीड़ितों की वीडियोग्राफी करवाई है। यदि गजेंद्र सिंह उनसे मिलना नहीं चाहते हैं तो मैं उन्हें वीडियोग्राफी भी भिजवा सकता हूं। गहलोत ने कहा कि गजेंद्र सिंह ने ऑस्ट्रेलिया और इथोपिया देश में फार्म हाउस बनाए हुए हैं। प्रधानमंत्री को ऐसे भ्रष्ट आदमी को निष्कासित कर देना चाहिए।

स्पीकर से मिलकर पायलट बोले-नेता-कार्यकर्ता धरातल पर जाएं

कहा- मेरे सुझावों पर अमल हो,खिलाड़ियों की आंख में आंसू सबके लिए शर्म की बात

जयपुर, , 29 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने आज अचानक स्पीकर सीपी जोशी के बंगले पर पहुंचकर मुलाकात की। पायलट ने जोशी से लंबी चर्चा की। सचिन पायलट ने स्पीकर जोशी से चर्चा के बाद इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया है। पायलट के बाद सीपी जोशी से प्रभारी रंधावा ने भी मुलाकात की है। स्पीकर से मुलाकात के बाद पायलट ने नेताओं को धरातल पर उतरकर पार्टी के लिए काम करने और खुद के सुझावों पर अमल करने को कहा है। स्पीकर से मुलाकात के बाद पायलट ने कहा- एआईसीसी के प्रतिनिधि और संगठन के कार्यकर्ता धरातल पर जाएं और कार्यकर्ताओं की भावना समझें। मैंने खुद भी आईसीसी में सुझाव दिए हैं। मुझे लगता है उस पर अमल करना चाहिए। सह प्रभारियों की नियुक्ति पर पायलट ने कहा कि समय-समय पर संगठन में बदलाव होते रहते हैं। चुनाव छह महीने दूर हैं। इसलिए लोगों को

जिम्मेदारियां दी गई हैं। इसका अच्छा संकेत जाएगा

सीपी जोशी से मुलाकात के सवाल पर पायलट ने कहा - यह पूरी तरह अनौपचारिक मुलाकात थी। आज शाम को सीपी जोशी की तरफ से प्रसादी का आयोजन रखा गया है। शाम को कार्यक्रम में जाना संभव नहीं हो पाएगा इसलिए अभी मुलाकात कर ली।

सचिन पायलट ने जंतर मंतर पर धरना दे रहे खिलाड़ियों का खुलकर समर्थन करते हुए कहा- जिन खिलाड़ियों ने देश के लिए मेडल जीते, आज उनको न्याय के लिए सड़कों पर उतरना पड़ा है। उनकी आंखों में आंसू, हम सभी के लिए शर्म की बात है। अपने नेता को बचाने के लिए केंद्र की सरकार खिलाड़ियों को न्याय से वंचित रख रही है। भारत सरकार जल्द से जल्द खिलाड़ियों के साथ न्याय करे और दोषी को सजा दे।

पायलट ने कहा- नौजवान पहलवान जंतर मंतर पर बैठे हैं। कोर्ट के दखल के बाद एफआईआर दर्ज हो रही है। यहां पर एफआईआर दर्ज होना एक स्वाभाविक सी बात है। जिन खिलाड़ियों ने मेडल जीते हैं,देश का नाम रोशन किया है, उनकी तरफ से आरोप लगाए जा रहे हैं। इसके बावजूद भी सरकार ने सुनवाई नहीं की, इससे साफ है कि वे अपने नेताओं को प्रोटेक्ट करना चाह रहे हैं।

देश की जनता बदलाव चाहती है, कर्नाटक में कांग्रेस जीतेगी

पायलट ने कहा- मुद्दों पर राजनीति होनी चाहिए। केंद्र सरकार हर मोर्चे पर विफल है। जनता बदलाव चाहती है। कर्नाटक में कांग्रेस की स्थिति पहले से ही बहुत मजबूत है। बीजेपी की सरकार डरा कर वोट लेने की कोशिश कर रही है। बीजेपी का प्रचार भय पर आधारित है।। कांग्रेस का प्रचार अभियान अच्छा और व्यापक रहा है। कांग्रेस पार्टी के पक्ष में चुनाव पूर्व के रुझान भी आ रहे हैं। कर्नाटक चुनाव कांग्रेस जीतेगी

सोनिया गांधी को कर्नाटक बीजेपी के नेता के विषकन्या बताए जाने पर पलटवार करते हुए पायलट ने कहा - सोनिया गांधी कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष रही हैं और वे कद्दावर नेता हैं। उनके लिए इस तरह की भाषा निंदनीय और शर्मनाक है। चुनाव अपनी जगह है लेकिन भाषा का स्तर नहीं गिरना चाहिए।कर्नाटक चुनाव में हार सामने देखकर बीजेपी बौखलाई हुई है।

'मैंने भैरोंसिंह की सरकार गिराने में सहयोग नहीं किया'

गहलोत बोले- वसुंधरा ने उसी लाइन पर बात कही तो क्या गलत किया?

जयपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। सीएम अशोक गहलोत ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के रावण वाले बयान पर पलटवार करने के बहाने राजस्थान की सियासी खींचतान के इतिहास को लाकर नई बहस शुरू कर दी है।

गहलोत ने भैरोंसिंह शेखावत सरकार गिराने के षड्यंत्र में शामिल नहीं होने का उदाहरण दिया। साथ ही उसकी तुलना खुद की सरकार पर पायलट खेमे की बगावत से करते हुए इशारों में सियासी निशाना साधा। साथ ही पूर्व सीएम वसुंधरा राजे और कैलाश मेघवाल की तारीफ करके फिर सियासी चर्चा को हवा दे दी।

हनुमानगढ़ के रावतसर में शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में गहलोत ने कहा- गजेंद्र सिंह शेखावत हमारी सरकार गिराने की साजिश का मुख्य किरदार था। हमारे 19 विधायक मानेसर गए थे। उसमें मुख्य भूमिका गजेंद्र सिंह की थी।इन्होंने 19 विधायकों को सब तरह से लालच दिया, हम जानते हैं। अमित शाह साथ थे। धर्मेंद्र

प्रधान साथ थे।

धर्मेंद्र प्रधान के घर मीटिंग होती थी। वहीं, अमित शाह और जफर इस्लाम जाते थे। हमारे विधायकों को बुलाते थे। इतना बड़ा कांड करने के बाद इन्हें शर्म भी नहीं आती है। गजेंद्र ने चुनी हुई सरकार को गिराने का कुकर्म किया है।

मैंने भैरोंसिंह शेखावत सरकार गिराने की साजिश में साथ नहीं दिया था

भैरोसिंह शेखावत जब सीएम थे, बीमार हो गए थे। इलाज करवाने विदेश गए थे। पीछे से उनके ही लोगों ने सरकार गिराने का षड्यंत्र किया था। मैं प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष था। मैंने कहा- एक आदमी बीमार है। पीछे आप सरकार गिराने का षड्यंत्र कर रहे हो। मैं आपका साथ नहीं दूंगा। बलि राम भगत उस समय गवर्नर थे। उन्हें यह बात मालूम थी। भैरोंसिंह शेखावत को भी यह बात पता लगी।

राजे और मेघवाल ने क्या गलत कह दिया?

गहलोत ने कहा- जिस तरह मैंने प्रदेशाध्यक्ष रहते हुए शेखावत सरकार को गिराने के षड्यंत्र में साथ देने से मना कर दिया था। इसी लाइन पर अगर वसुंधरा राजे और कैलाश मेघवाल ने कहा कि राजस्थान में हमारे यहां हॉर्स ट्रेडिंग करके सरकार गिराने की परंपरा नहीं रही है, तो क्या गलत कहा उन्होंने?

उन्होंने कहा- राजस्थान की परंपरा नहीं है तो गलत क्या कहा? ये गुजरात में पूरा बहुमत होते हुए भी कांग्रेस के विधायकों को खरीद रहे हैं। ये कांग्रेस को खत्म करना चाहते हैं। इसीलिए गुजरात में पूरा बहुमत होते हुए भी कांग्रेस के विधायकों को खरीद रहे हैं।

गहलोत बोले- मुझे कोई पद की भूख नहीं

रावतसर में महंगाई राहत कैंप की सभा में गहलोत ने कहा- मैं 50 साल से राजनीति कर रहा हूं। कांग्रेस ने मुझे सब कुछ दिया है। मुझे कोई पद की भूख नहीं है। मैं चाहता हूं मुझ में जब तक सांस है, तब तक आपकी सेवा करूं। यही मेरा संकल्प है। सोनिया गांधी ने मुझ पर विश्वास किया तीन बार मुख्यमंत्री रहा, राहुल गांधी ने अभी तीसरी बार बनाया।

इंदिरा गांधी ने विश्वास किया और मुझे पांच बार एमपी बनाया और इंदिरा गांधी के साथ मैं डिप्टी मिनिस्टर बन गया था। राजीव गांधी ने विश्वास किया मैं राज्य मंत्री बन गया, प्रधानमंत्री के साथ अटैच रहा। पीवी नरसिम्हा राव ने विश्वास किया तो मैं टैक्सटाइल मिनिस्टर बन गया। कांग्रेस ने मुझे सब कुछ दिया है।

गहलोत ने कहा- बीजेपी वाले अब देश को एक पार्टी की तरफ ले जाना चाहते हैं, विपक्ष को खत्म करना चाहते हैं। चीन और रूस में एक ही पार्टी है। क्या इस मुल्क की आने वाली पीढ़ियों को हम एक पार्टी की व्यवस्था सौंपकर जाने वाले हैं, जिसमें विपक्ष के लिए कोई जगह ही नहीं हो। आप तय कर लीजिए क्या करना है?

आरएसएस और बीजेपी के लोग हिटलर की तरह देश को बर्बाद कर देंगे। इन्होंने धर्म के नाम पर गुमराह करके सरकार बन ली। हम हिंदू नहीं है क्या?

क्या अकेले बीजेपी-आरएसएस ने ही हिंदुओं का ठेका ले रखा है क्या? इनकी चालों को समझ जाओ। आने वाले वक्त में जब देश को तकलीफ आएगी तब कुछ नहीं बचेगा। देश में लोकतंत्र बर्बाद होगा तब दुर्गति होगी।

कोटा-चित्तौड़गढ़ हाईवे पर कार का टायर फटा, 4 की मौत

डिवाइडर से टकराकर रॉन्ग साइड में ट्रेलर से भिड़ी गाड़ी, परखच्चे उड़े

बेगूं, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। कोटा-चित्तौड़गढ़ हाईवे पर हुए सड़क हादसे में कार (हुंडई की वरना) सवार 4 लोगों की मौत हो गई। बताया जाता है कि शनिवार सुबह करीब 11 बजे कार का टायर फटने की वजह से हादसा हुआ। मामला चित्तौड़गढ़ जिले के बेंगू इलाके का है।

अहमदाबाद से यूपी जा रहे थे

थानाधिकारी भगवानलाल मेघवाल ने बताया कि अभी तक मृतकों के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है। कार सवार अहमदाबाद से यूपी जा रहे थे। उनके पास से मिले पर्स, आधार कार्ड, पैन कार्ड के आधार पर इतनी जानकारी सामने आई है। कार चित्तौड़गढ़ की तरफ से आ रही थी। कार का अचानक टायर फट गया। अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकरा कर दूसरी तरफ चली गई और वहां सामने से आ रहे ट्रेलर से जा भिड़ी। ट्रेलर कार को कुछ मीटर आगे तक घसीटते ले गया। इसके बाद ट्रेलर

का ड्राइवर फरार हो गया। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए। डीएसपी झाबरमल यादव, थानाधिकारी भगवान लाल मेघवाल समेत पुलिस अधिकारी भी पहुंचे। तीनों शवों को बेंगू के उप जिला अस्पताल में रखवाया गया है।

शवों को निकालने में आई परेशानी

थाना अधिकारी ने बताया कि हादसा कितना भीषण था कि इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। इस दौरान मौके पर पहुंचे ग्रामीण और पुलिस ने चारों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। चारों लोग खून से लथपथ हो चुके थे। इसमें से तीन की मौत हो चुकी थी। एक गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसे चित्तौड़गढ़ के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान चौथे व्यक्ति ने भी दम तोड़ दिया।

परिवार वालों से किया संपर्क

पुलिस ने बताया कि मृतकों के मोबाइल से परिवार वालों को फोन किया गया है। उन्हें बेंगू हॉस्पिटल बुलाया गया है।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने नाथद्वारा पहुंचकर किए श्रीनाथजी के दर्शन

सीपी जोशी ने साधा सरकार पर निशाना, कहा- साढे.4 साल लूटा

राजसमंद, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी ने शनिवार को वल्लभ सम्प्रदाय की प्रधान पीठ श्रीनाथ जी मंदिर नाथद्वारा व गढ़बोर स्थित चारभुजानाथ के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। सीपी जोशी शुक्रवार रात नाथद्वारा स्थित न्यू कॉटेज पहुंचे थे।

जहां रात्रि विश्राम के बाद शनिवार सुबह श्रीनाथ जी मंदिर पहुंचे। राज भोग झांकी के दर्शन कर देश की खुशहाली की कामना की। इसके बाद जोशी सड़क मार्ग से गढ़बोर पहुंचे। जहां उन्होंने चारभुजा नाथ के दर्शन किए। इस दौरान मंदिर के पुजारियों द्वारा उनका स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने जोशी को तलवार भी भेंट की।

दर्शन के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी पत्रकारों से रुबरू हुए और प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। कहा कि सरकार ने जनता को साढे.चार साल तक लूटा है। अब मंहगाई से राहत देने जा रही है। प्रदेश में बिजली, पेट्रोल, डीजल सबसे महंगे रहे। अब मंहगाई से राहत दी जा रही है किसी की 10 हजार रुपए की जेब काटकर 2 रुपए जेब में डाल कर कहते हैं कि महंगाई कम करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने साढे.चार तक जनता को लूटा है। अब किस बात की राहत। अब जनता ने आपको राहत देने का मन बना लिया है। अब कोई ढोंग करने की आवश्यकता नहीं। गरीब को कैंप तक पहुंचने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

7 पुलिसवालों को घेरकर 35 बदमाशों ने पत्थर बरसाए

कॉन्स्टेबल का सिर फटा, सीआई के आंख-कान में चोट; हाथ से पिस्टल छीनी

उदयपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। उदयपुर में हिस्ट्रीशीटर रणिय मांडवा (70) को पकड़ने गए 7 पुलिसवालों पर बदमाशों ने ऐसा हमला किया कि एसएचओ का सिर फट गया। आंख और कान पर गंभीर चोट लगी। कॉन्स्टेबल मुरलीधर के सिर में कुल 7 टांके लगे। घायल पुलिसवालों ने बताया- बदमाशों ने पुरानी गोफण तकनीक से तेज रफ्तार में पत्थर बरसाए।

दरअसल, गोफण रस्सी से इस्तेमाल होने वाला हथियार है। इसके बीच के हिस्से पत्थर को रखा जाता है। फिर रस्सी को जोर से घुमाते हुए वार किया जाता है। इससे निकलने वाले पत्थर की रफ्तार इतनी तेज होती है किसी की भी जान जा सकती है।

घटना कोटड़ा इलाके के मांडवा थाना क्षेत्र के कूकावास गांव में 27 अप्रैल की शाम को हुई। मांडवा थाना के सभी सात पुलिसकर्मी घायल हालत में राजकीय एमबी (महाराणा भूपाल) हॉस्पिटल में भर्ती हैं। इनमें से सीआई और एक कॉन्स्टेबल आईसीयू में भर्ती हैं।

सबसे पहले देखिए बदमाशों के हथियार गोफण की तस्वीर। साथ ही इससे वार के बाद फटा कॉन्स्टेबल का सिर...

आईसीयू में भर्ती कॉन्स्टेबल मुरलीधर ने बताया- 27 अप्रैल को शाम करीब 7:30 बजे का वक्त था। हम हिस्ट्रशीटर के घर के पास पहुंचे ही थे। गाड़ी से उतरे तो अचानक करीब 35 लोगों ने हमें घेरना शुरू कर दिया। ऐसा लगा कि वे पहले से घात लगाए बैठे थे। हिस्ट्रीशीटर रणिया, उसका पुत्र खातरू सहित उसके गुर्गों ने गोफण तकनीक से पत्थर बरसाना शुरू कर दिए। कुछ लोग डंडे और चाकू सहित अन्य हथियार से वार करने लगे। हमने हवाई फायर शुरू किए तो हमलावरों ने एएसआई सूरजमल मीणा से 9 एमएम पिस्टल व एक अन्य जवान के हाथों से बंदूक छीन ली।

मुरलीधर ने बताया- मेरे सिर के पीछे के हिस्से में पत्थर लगा तो मैं बेहोश होकर गिर गया। करीब 10 मिनट बाद जैसे होश आया तो देखा अफरा-तफरी मची थी। मैं तुरंत गाड़ी की तरफ भागा। हमारी गाड़ी कुछ दूरी पर खड़ी कर ली थी। इससे बाकी कॉन्स्टेबल भी अपनी जान बचाते हुए गाड़ी की तरफ भागे। ड्राइवर ने गाड़ी स्टार्ट कर रखी थी, फिर अचानक पता लगा कि सब आ गए, लेकिन एसएचओ साहब रह गए हैं। उन्हें भी बदमाशों के चंगुल से जैसे-तैसे बचाते गाड़ी तक लाए। फिर तुरंत वहां से रवाना हो गए।

पहले भी दो-तीन बार दबिश दे चुके

जानकारी के अनुसार मांडव थाना पुलिस इससे पहले भी हिस्ट्रीशीटर रणिया और उसके बेटे खातरू को पकड़ने के लिए उसके घर दो से तीन बार दबिश दे चुकी है। तब दोनों बाप-बेटे घर नहीं मिले थे। इस बार घर मिले तो उन्होंने पुलिस पर हमला कर दिया।

घायल एसएचओ बोले- अपराधी को पकड़कर रहेंगे

अपराधियों के हमले में मांडवा एसएचओ भले ही गंभीर रूप से घायल होकर हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती है, लेकिन उनका जज्बा कम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा- फरार अपराधियों को पकड़कर ही दम लेंगे।

मांडवा थाना क्षेत्र के कूकावास गांव में घटना हुई है। कूकावास से करीब 8 किमी दूरी पर गुजरात बॉर्डर है। जहां से जंगल एरिया है। इन अपराधियों के गुजरात भागने की आशंका के चलते उदयपुर पुलिस ने एक टीम गुजरात के लिए रवाना कर दी है। वहीं, मांडवा में भी आसपास थाने के पुलिस अधिकारी सहित भारी पुलिस बल तैनात है जो रात-दिन दबिश दे रहा है।

70 साल के हार्डकोर अपराधी पर लूट, हत्या, डकैती के 54 मामले हैं दर्ज

रणिय मांडवा कोटड़ा थाने का हार्डकोर अपराधी है। इसके खिलाफ लूट, हत्या, डकैती, मारपीट, चोरी के करीब 54 मामले दर्ज हैं। रणिया के अलावा गैंग में इसके दो बेटे खातरू व जाला भी शामिल है। यह गैंग सबसे पहले साल 2000 में चर्चा में आई। उस दौरान तत्कालीन थानाधिकारी तगाराम की रणिया और गुलिया ने वर्दी, सर्विस रिवाल्वर छीन ली थी। उनके साथ मारपीट की थी। वर्ष 2017 में भी इस गैंग ने स्पेशल पुलिस और मांडवा पुलिस पर फायरिंग की थी।

रंधावा बोले- बगावत तो कोरोना से पहले भी हुई थी: पास्ट छोड़कर फ्यूचर पर सोचें; अभी नहीं होगा मंत्रिमंडल फेरबदल

जयपुर. 29 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सचिन पायलट के आरोपों पर जवाब देकर नई सियासी चर्चा छेड़ दी है। 25 सितंबर की घटना पर पायलट के बयानों पर पलटवार करते हुए रंधावा ने कहा- कुछ लोग कहते हैं कि कोरोना से पहले जो बगावत हुई। उन पास्ट की बातों को मैं लेकर नहीं चलना चाहता। मैं फ्यूचर की बात कर रहा हूं।

कांग्रेस को फ्यूचर के बारे में सोचना चाहिए। जो पास्ट है, उससे सबक भी लेना चाहिए। ताकि आइंदा ऐसी गलती न हो सके। रंधावा जयपुर में शनिवार को स्पीकर सीपी जोशी से मिलने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। पायलट और सीएम अशोक गहलोत को एक टेबल पर लाने के सवाल पर रंधावा ने कोई साफ जवाब नहीं दिया। वहीं, पायलट के सप्ताह भर पुराने बयान पर पलटवार कर दिया।

पायलट ने रविवार को कहा था कि 25 सितंबर को सोनिया गांधी के आदेशों की खुली अवहेलना की गई। उस समय ऑब्जर्वर बनकर आए मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय माकन की बेइज्जती की गई। उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रभारी को इन बातों की रिपोर्ट भी भेजनी चाहिए। सचिन के बयान के सप्ताह भर बाद रंधावा ने जवाब देते हुए उनके खेमे की बगावत को गिना दिया है। रंधावा ने अभी मंत्रिमंडल फेरबदल से इनकार कर दिया है। मंत्रिमंडल फेरबदल के सवाल पर कहा- सभी कहेंगे तो करेंगे, लेकिन अभी मंत्रिमंडल फेरबदल पर इस तरह का कोई विचार नहीं है।

रंधावा ने कहा कि हारे हुए उम्मीदवारों से भी वन टू वन चर्चा की जाएगी। उनको बुलाया भी है। जब हम कई बार इकट्ठा बात करते हैं तो अपने मन की बात नहीं कह सकते हैं। इसलिए अकेले में मिलकर उनसे बात की जाएगी।

यूडीएच मंत्री बोले- गजेन्द्र सिंह बचेंगे नहीं, फंसेंगे

शांति धारीवाल ने कहा- वह आरोपी इसलिए हाई कोर्ट जमानत लेने गए

कोटा, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने कोटा में बयान देते हुए केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत पर निशाना साधा। शांति धारीवाल ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के सीएम पर किए गए बयान के बाद बयान देते हुए कहा - गजेंद्र सिंह तो खुद आरोपी हैं। फंसे हुए हैं। आरोपी है,इसलिए उन्होंने हाईकोर्ट जाकर

जमानत करवाई है। अगर वह आरोपी नही होते तो वह हाईकोर्ट में क्यों जाते। लेकिन वह बचेंगे नहीं, फसेंगे। वहीं धारीवाल ने बीजेपी पर भी जमकर हमला बोलते हुए कहा कि बीजेपी को अब जनता नेस्तनाबूद करना चाहती है।

बीजेपी के पास कोई मुद्दा नहीं है। राजस्थान सरकार में जो काम हुए हैं उससे सरकार रिपीट होने जा रही है। मंत्री शांति धारीवाल ने कर्नाटक चुनाव को लेकर भी बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी के पास कोई मुद्दा नहीं है। बीजेपी सिर्फ हिंदू मुस्लिम करती है।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की वार्षिक साधारण 21 को, हुई बैठक

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की वार्षिक साधारण सभा व वर्ष 2023-25 के लिए चुनाव रविवार 21 मई प्रातः 11:00 बजे से होटल वेज पार्क, बशीरबाग में आयोजित किए जाएंगे। शाखा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कार्यकारिणी मंडल की मासिक बैठक पूर्व अध्यक्ष हरिश्चंद्र बजाज के कार्यालय में आयोजित की गई, जिसमें सर्वप्रथम सभी सदस्यों ने महाराजा श्री अग्रसेनजी की पूजा व सामूहिक प्रार्थना में भाग लिया। अध्यक्ष लाजपतराय गुप्ता ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा मानद मंत्री पंकज संघी ने शाखा की गतिविधियों से अवगत कराया.कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार गोयल ने 2022-23 का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से सूचित किया गया। वार्षिक साधारण सभा व चुनाव पर चर्चा में भाग लेते हुए बताया गया कि 5 पदाधिकारियों,दो केंद्रीय समिति सदस्य तथा 11 कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव साधारण सभा में आयोजित किया जाएगा.जिसकी सूचना समय अनुसार सभी सदस्यों को प्रेषित की जाएगी। अवसर पर वर्ष 2021-23 की कार्यकारिणी को उनकी सेवाओं के लिए मोमेंटो प्रदान किए जाएंगे।

युवा मोर्चा के 2023-25 के लिए चुने गए पदाधिकारियों की सूचना बैठक में सदस्यों को दी गई तथा विगत हनुमान जयंती पर की गई मानव सेवा के अंतर्गत वितरित की गई छाछ, गन्ने का रस,व शीतल जल के लिए बधाई दी गई। अग्रसेन महासभा इंदौर ने 60 वर्ष दांपत्य जीवन प्राप्त कर चुके 61 दंपतियों को पूरे भारतवर्ष से परंपरागत रूप से पूर्ण विवाह करवाया गया. शाखा के वरिष्ठ सदस्य ओमप्रकाश पचेरिया दक्षिण भारत से एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त करने पर बधाई दी गई। शाखा के परामर्शदाता राजेश कुमार अग्रवाल व केंद्रीय समिति सदस्य महावीर प्रसाद अग्रवाल को अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट आत्म गौरव भवन ट्रस्ट के चेयरमैन व कोषाध्यक्ष बनने पर उन्हें बधाई दी गई। बैठक में शाखा के परामर्शदाता सुरेश चंद गुप्ता, गोविंद नारायण मोदी, केंद्रीय समिति सदस्य महावीर प्रसाद अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष सतनारायण मोदी, वरिष्ठ सदस्य ओम प्रकाश पचेरिया, श्याम सुंदर अग्रवाल, हरिश्चंद्र बजाज, सुनील रुंगटा, सतीश बंसल, संजीव गोयल, अशोक कुमार अग्रवाल, प्रदीप बंसल, श्याम लाल गोयल तथा शैलेश अग्रवाल उपस्थित थे। अध्यक्ष लाजपतराय गुप्ता ने सभी सदस्यों से सपरिवार साधारण सभा में भाग लेने का आग्रह किया। संयुक्त मंत्री सुरेश कुमार गोयल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज में दीक्षांत समारोह आयोजित

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज (एसीडीएस), सिकंदराबाद का सत्रहवां स्नातक समारोह आयोजित किया गया। तेलंगाना राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने डेंटल सर्जरी में क्रमशः 2017 और 2019 बैच के लिए 38 छात्रों को स्नातक डिग्री और 13 छात्रों को मास्टर डिग्री प्रदान की। मुख्य अतिथि राज्यपाल ने स्नातकों और उनके माता-पिता को बधाई दी और उनसे जरूरतमंदों की सेवा में अपना जीवन समर्पित करने का आग्रह किया। उन्होंने अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करने और छात्रों के बीच अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एसीडीएस के संकाय की सराहना की। मेजर जनरल राकेश मनोचा, एसएम, वीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी), तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र (टीएएसए) और अध्यक्ष एसीडीएस ने इस अवसर पर तेलंगाना के माननीय राज्यपाल को धन्यवाद दिया। केएनआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के अधिकारी और नागरिक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

समग्र सर्वश्रेष्ठ एमडीएस छात्र के लिए "संरक्षक की रोलिंग ट्रॉफी, दक्षिण भारत क्षेत्र" ऑर्थोडॉन्टिक्स विभाग से डॉ. अग्रिमा ठाकुर को प्रदान की गई। डॉ. के. रंजिमा ने सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड छात्र के लिए "सेना प्रमुख रोलिंग ट्रॉफी" और शिक्षा में सर्वश्रेष्ठ बीडीएस छात्र के लिए "जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ रोलिंग ट्रॉफी" प्राप्त की। एसीडीएस के छात्रों ने अपने माता-पिता को गौरवान्वित किया, जो इस कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी संख्या में पहुंचे।

आंध्र प्रदेश में 48 घंटे में 10 छात्रों ने सुसाइड किया

6 ने फेल, 1 ने कम नंबर आने से जान दी, 3 की जानकारी नहीं, सभी 11-12वीं के थे

विशाखापट्टनम, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में पिछले 48 घंटे में 10 स्टूडेंट्स ने सुसाइड कर अपनी जान दे दी। दो अन्य स्टूडेंट्स ने भी आत्महत्या की कोशिश की, हालांकि वे बच गए। आंध्र प्रदेश बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट ने बुधवार को 11वीं और 12वीं के रिजल्ट जारी किए थे। एग्जाम में कम नंबर आने और पेपर में फेल होने की वजह से इन स्टूडेंट्स ने आत्महत्या की है।

आंध्र प्रदेश बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट के मुताबिक, इस बार परीक्षा में 10 लाख स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। 11वीं में 61 प्रतिशत और 12वीं में 72 प्रतिशत स्टूडेंट्स पास हुए।

दो छात्रों ने भी सुसाइड की कोशिश की

पहला केस : रिपोर्ट्स के मुताबिक, बी. तरुण (17) ने श्रीकाकुलम जिले में ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। तरुण दादू गोपालपुरम गांव का रहने वाला था। इंटरमीडिएट फर्स्ट ईयर का छात्र ज्यादातर पेपर में फेल होने के बाद मायूस बताया जा रहा था।

दूसरा केस : मलकापुरम थाना क्षेत्र के अंतर्गत त्रिनादपुरम में एक 16 साल की लड़की ने अपने घर में आत्महत्या कर ली। वह विशाखापट्टनम जिले की रहने वाली हैं।

तीसरा केस : अखिलश्री इंटर मीडिएट फर्स्ट ईयर में थी। कुछ सब्जेक्ट्स में फेल होने के बाद वह परेशान थी।

चौथा केस : 18 साल के एक युवक ने विशाखापट्टनम के कंचारपालम इलाके में अपने घर पर फांसी लगा ली। वह सेकेंड ईयर का छात्र था और एक विषय में फेल हो गया था।

पांचवां केस : चित्तूर जिले में 17 साल की एक छात्रा ने झील में कूदकर जान दे दी। वह परीक्षा में फेल होने के बाद परेशान थी।

छठा केस : चित्तूर जिले के ही 17 साल के एक छात्र ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया। वह भी परीक्षा में फेल होने के बाद परेशान था।

सातवां केस : अनाकापल्ली में 17 साल के एक छात्र ने अपने घर पर फांसी लगाकर जान दे दी। कम नंबर आने से वह तनाव में था।

इनके अलावा तीन और स्टूडेंट्स ने सुसाइड किया है। उनकी डिटेल सामने नहीं आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दो अन्य छात्रों ने भी सुसाइड की कोशिश की, हालांकि वे बच गए।

छात्रों के सुसाइड पर बोले थे सीजेआई, बच्चों के पेरेंट्स का सोचकर दिल दुखता है

स्टूडेंट्स के सुसाइड की बढ़ती घटनाओं को लेकर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने अपना दर्द साझा किया है। सीजेआई बोले, हाल ही में मैंने दलित छात्र के सुसाइड की खबर पढ़ी थी। इस हादसे से मुझे ओडिशा में पिछले साल नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में आदिवासी स्टूडेंट की सुसाइड की खबर याद आ गई। मेरा दिल इन छात्रों के परिवार के बारे में सोचकर दुखता है, लेकिन मुझे हैरानी ये सोचकर होती है कि आखिर हमारे संस्थान कहां गलती कर रहे हैं कि छात्रों को अपनी कीमती जान गंवानी पड़ रही है।

अमृतधाम आश्रम में 2 को सुधांशुजी महाराज के जन्मदिन पर उमडेंगे भक्त

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के तत्वावधान में सद्गुरुदेव सुधांशु जी महाराज का जन्मदिन (प्राकट्य दिवस) उल्लास पर्व के रूप में मंगलवार 2 मई को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक मंचीरेउला नारसिंगी स्थित अमृतधाम आश्रम में बडे धूमधाम से मनाया जाएगा। विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के सत्संग और मिडीया प्रभारी राजकुमार दायमा ने बताया कि नगरद्वय के मंदिरो में गुरु भक्तों द्वारा गुरुदेव जी के दीर्घायु हेतु पूजा-अर्चना की जाएगी। सुबह ठीक 10:30 बजे अमृतधाम आश्रम में सामूहिक महामृत्युंजय महायज्ञ किया जाएगा। चरणपादुका पुजन, गुरु-पुजन, गुरु-वंदना ठीक 11 बजे की जाएगी। दोपहर ठीक 1 बजे भंडारा-महाप्रसाद रहेगा। सभी भक्तों से कार्यक्रम का विशेष लाभ लेने का आग्रह किया गया है।

एमएलए ने उप्पल स्टेडियम में जीएचएमसी समर कोचिंग का शुभारम्भ किया

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल विधायक बी. सुभाष रेड्डी ने चिल्कानगर पार्षद बन्नाला गीता प्रवीण, मीर पाटे एचबी कॉलोनी पार्षद प्रभु दास, मल्लापुर पार्षद देवेंद्र रेड्डी, अंचल आयुक्त पंकजा, उपायुक्त अरुणा के साथ उप्पल स्टेडियम में जीएचएमसी समर कोचिंग कैंप का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर आयोजित बैठक में उप्पल विधायक सुभाष रेड्डी ने कहा कि 37 दिनों तक 25 अप्रैल से 31 मई तक 6 से 16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए 915 केंद्रों में 44 कार्यक्रमों में सुबह 6:15 से 8:15 तक 77 पार्ट टाइम 712 ऑनर एरिया कोच प्रशिक्षण दे रहे हैं। जीएचएमसी कापरा सर्कल में 55 केंद्रों, उप्पल सर्कल में 27 केंद्रों, एलबी नगर में 23 केंद्रों, हयातनगर में 34 केंद्रों और सरूरनगर में 16 केंद्रों में प्रशिक्षण जारी रखेगी। अंचल आयुक्त एलबीनगर पंकजा ने कहा कि खेल से छात्र-छात्राओं को उत्तम स्वास्थ्य मिलेगा। वे पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम बास्केटबॉल, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, क्रिकेट, शतरंज, फुटबॉल, जिम्नास्टिक, कराटे, कबड्डी, 44 खेलों की ट्रेनिंग दे रहे हैं। इस अवसर पर आयोजित प्रथम मार्च में एनसीसी प्रथम तेलंगाना को प्रथम पुरस्कार, राघवेंद्र को द्वितीय पुरस्कार तथा कन्नम गौड़ को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

ग्रीष्मकालीन भीड़ व्यवस्था पर ईओ समीक्षा

तिरुमाला, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मियों की छुट्टी तीर्थयात्रियों की भीड़ रविवार से शुरू होने के साथ, टीटीडी ईओ श्री एवी धर्म रेड्डी ने शनिवार को अन्नामैया भवन में तिरुमाला के सभी विभागाध्यक्षों के साथ एक समीक्षा बैठक की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आगामी गर्मी की अवधि के दौरान तीर्थयात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने संबंधित क्षेत्रों में हिल टाउन में चौबीसों घंटे उपलब्ध रहने का निर्देश दिया।

ईओ ने 15 जुलाई तक तिरुमाला में प्रतिनियुक्ति पर रहे संबंधित अधिकारियों को गतिविधियों की बारीकी से निगरानी करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि तीर्थयात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। ईओ ने संबंधित विभागाध्यक्षों को यह सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए कि कतार में लगने वाली कतारों, परिसरों, डिब्बों आदि में पानी, अन्नप्रसादम उपलब्ध कराने में सेवा की कोई कमी न हो।

ईओ ने पीआरओ डॉ. टी. रवि को तिरुमाला के सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर तीर्थयात्रियों को सेवाएं देने के लिए पर्याप्त संख्या में श्रीवारी सेवकों को आमंत्रित करने का निर्देश दिया, जहां तीर्थयात्रियों की आमद अधिक है। श्रीवारी सेवा पर्यवेक्षकों को यह सत्यापित करने के लिए आवंटित करें कि तीर्थयात्रियों को अन्नप्रसादम, जल, लड्डू प्रसाद आदि ठीक से मिल रहे हैं या नहीं और समय-समय पर संबंधित विभाग को फीडबैक रिपोर्ट प्रस्तुत करें ताकि हमारे मुद्दों को हल किया जा सके। बाद में उन्होंने वेंडी वकीली के बाद आने वाले तीर्थयात्रियों को परेशानी मुक्त दर्शन प्रदान करने के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने टीटीडी के पूर्व सीई और टीटीडी के सलाहकार श्री रामचंद्र रेड्डी, मंदिर के पूर्व डीईओ श्री प्रभाकर रेड्डी, जिनके पास भीड़ प्रबंधन का विशाल ज्ञान और अनुभव है, से कुछ दिनों में इस मुद्दे को दूर करने के लिए कुछ ठोस योजना सुझाने के लिए कहा। ईओ ने तिरुमाला पुलिस को एक ठोस यातायात प्रबंधन योजना बनाने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि अगले कुछ महीनों के लिए चरम गर्मी की अवधि के दौरान कोई यातायात भीड़ न हो। सीवीएसओ श्री नरसिम्हा किशोर, सीई नागेश्वर राव, एएसपी तिरुमाला मुनिरमैया, मंदिर के डाईईओ लोकनाथम और टीटीडी में विभिन्न विभागों के अन्य एचओडी और अन्य भी उपस्थित थे।

छावनी के डिप्टी सीईओ विजय कुमार बालन का सम्मान

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। छावनी परिषद के डिप्टी सीईओ विजय कुमार नायर को आज उनके सेवानिवृत्त होने पर शॉल ओढ़ाकर और फूलों की माला पहनाकर सम्मानित किया गया। छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप ने सम्मान करने के बाद बताया कि कहा कि ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करने वाले अधिकारी हमेशा लोगों के दिलों में रहेंगे। प्रताप ने कहा कि इस्तीफे की पीड़ा के बावजूद विजय कुमार नायर पिछले तीन साल से एक कुशल अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने सीईओ मधुकर नाइक से एक विशेष पहल कर उच्चाधिकारियों से कुछ वर्षों के लिए नायर की सेवाओं का और उपयोग करने की अपील की। डिप्टी सीईओ विजय कुमार ने राय व्यक्त की कि यदि सेवाओं का उपयोग किया जाता है तो सीईओ मधुकर नाइक का कार्यभार कम हो जाएगा। जम्पना ने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो वह विजयकुमार नायर की सेवाओं के संबंध में जनता की ओर से महानिदेशक को पत्र लिखेंगे। कार्यक्रम में स्वच्छता विभाग के अधिकारी देवेंद्र, जल कार्य विभाग अधिकारी राज कुमार व अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिया।

सीपी ने किशोरी कीम मदद करने वाले पुलिसकर्मियों की सराहना की

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक परेशान किशोरी की तत्काल मदद करने वाले पुलिसकर्मियों को राचकोंडा के सीपी डीएस चौहान ने सराहना की। बीते 27 अप्रैल को रात करीब 12:30 बजे उप्पल थाने के एचसी महबूब अली आईटी मोबाइल में ड्यूटी पर थे। इसी बीच डायल 100 पर कॉल आया कि एक किशोरी परेशान हालत में सड़क पर जा रही है। सूचना प्राप्त होने पर महबूब अली, महिला कांस्टेबल जी सुमलता 3 मिनट के अंदर सूचना में मिले स्थान पर पहुँचे। नाबालिग होने के कारण एहतियात के तौर पर किशोरी को तुरंत शेल्टर होम भेज दिया गया। पूछताछ करने पर पता चला कि उसकी मां अंधी महिला है और पिता की मौत हो चुकी है। वह उपेक्षित लड़की थी, इसलिए उसकी मां के अनुरोध पर दोनों मां और लड़की को आश्रय गृह भेज दिया गया। इस संबंध में सीपी राचकोंडा ने अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए नाबालिग लड़की को बचाने में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए उप्पल थाने के एचसी अली और डब्ल्यूपीसी सुमलता की सराहना की।

भालकी मतदान संघ से मिलेंगे प्रकाश खड़गे

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में भालकी मतदान संघ से प्रकाश खड़गे मिलने आ रहे है। यह जानकारी देते हुए भाजपा नेता गुनवंत राव बिरादर ने बताया ति कर्नाटक विधानसभा चुनाव दस मई को होने जा रहे है। इस विषय में बीदर जिले के भालकी तालुका के भाजपा प्रत्याशी प्रकाश खडगे भालकी मतदान संघ के मतदाताओं से भेंट करने हैदराबाद आ रहे हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन शाम पांच बजे गोशामहल विधान सभा के (ज्ञानबाग कॉलोनी) प्रांगण में किया जा रहा है। कार्यक्रम में भाजपा वरिष्ठ नेताओं के आलावा विधायक गोशामहल टी. राजा सिंह, पांडुयादव, डॉ. भगवंत राव, पार्षद शंकर यादव, विक्रम गौड, लाल सिंह पार्षद, नटराज नामधारी आदि उपस्थित रहेंगे। बैठक का आयोजन गुनवंत राव बिरादर , ज्ञानेश्वर बिरादार, संतोष बिरादार, शांत कुमार, विष्णुदास बिरादार द्वारा किया जा रहा है।

सिद्धार्थ मोहंती एलआईसी आफ इंडिया के चेयरपर्सन नियुक्त

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एलआईसी आफ इंडिया के चेयरपर्सन के रूप में सिध्दार्थ मोहंति नियुक्त किये गये हैं। इस बारे में, एलआयसी आफ इंडिया के आधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, केंद्र सरकार ने संबध्द अधिसूचना एफ.नं.ए-11011-02-2023-इन्सु.। सिद्धार्थ मोहंती को एलआईसी आफ इंडिया के अध्यक्ष के रूप में प्रबंध निदेशक (मैनेजिंग डैरेक्टर एज चेयरपर्सन) पद पर नियुक्त किया है तथा उनकी यह नियुक्ति तत्संबंधित कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 29 जून 2024 तक प्रभावी रहेगी। इसके बाद वे 7 जून 2025 तक चीफ एग्जीक्युटिव आफिसर एवं मेनेजिंग डैरेक्टर के रुप में अपना महत्वपूर्ण कार्यभार सम्हालेंगे। अर्थात वे 62 वर्ष की आयुतक या अगले आदेश तक, इनमें से जो भी पहले हो, तबतक अपना उक्त कार्यभार सम्हालेंगे। महत्वपूर्ण सूत्रों ने आगे यह भी बताया कि, बीमा क्षेत्र में विलक्षण प्रतिभा के धनी, सिध्दार्थ मोहंति ने वर्ष 1985 में एलआयसी आफ इंडिया में अप्रेंटिस आफिसर के रुप में अपना पहला कार्यभार सम्हाला। इन्हें बीमा क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में अनुभव है। इन्होंने उत्कल विश्व विद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा से क्रमशः कानून में स्नातक की उपाधि तथा राजनीतिक विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है। साथ ही इन्होने क्षेवियर इंस्टिट्यूट आफ मेनेजमेंट, भुवनेश्वर,उडीसा से बिजनेस मेनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएशन सर्टिफिकेशन की शिक्षा भी प्राप्त की है। गत में वे, सीओओ तथा एलआयसी हाउसिंग फाइनांस लिमिटेड में सीइओ के रूप में कार्यरत रह चुके हैं एवं कई महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्यरत रह चुके हैं, जिनमें रायपुर व कटक में वरिष्ठ मंडल प्रबंधक, चीफ(लीगल), चीफ (इन्वेस्टमेंट-मानिटरिंग एंड अकाउंटिंग), कार्यकारी निदेशक (विधि न्याय) आदि। उनके तत्संबंधित चीफ(लीगल), मुंबई पदभार कार्यकाल के दौरान, आयोजित लीगल एरा अवार्ड्स 2013-14 के समारोह में कारपोरेशन ने बेस्ट इंशुरंस इन-हाउस लीगल टीम आफ दि इयर पुरस्कार भी जीता है।

तपस्वी विमला भेदा की आयम्बिल् की 80 ओली पूर्ण होने पर उनका अभिनंदन करते हुए जैन सेवा संघ महिला विभाग की पूर्व अध्यक्ष जया जागीरदार, ताराबेन पारेख, सुशीला कापड़िया, तोरल लोडाया।

हिन्दी महाविद्यालय में फेंसिंग अकादमी आरंभ

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय में आज फेंसिंग एकादमी का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हिन्दी महाविद्यालय समिति के अध्यक्ष लक्ष्मीनिवास शर्मा एवं उद्घाटनकर्ता के रूप में हिन्दी महाविद्यालय के मानद मंत्री शील कुमार जैन उपस्थित हुए। प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल ने बताया कि हिन्दी महाविद्यालय समिति की ओर से खेलकूद में प्रतिभावान खिलाड़ियों को प्रोत्साहन एवं पारितोषिक दिया जाता है एवं फीस में भी कमी की जाती है, जिसके फलस्वरूप आज हिन्दी महाविद्यालय के खिलाडी अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व कर के देश का स्वाभिमान बढ़ा रहे है। उन्होंने इसके लिए हिन्दी महाविद्यालय समिति को धन्यवाद दिया। फेंसिंग एकादमी उद्घाटन समारोह का आयोजन खेल विभाग हिन्दी महाविद्यालय की ओर किया गया। इस अकादमी में हिन्दी महाविद्याय के साथ-साथ दूसरों को भी इसमें 4 से 6 बजे सायंकाल कोचिंग दी जाएगी। इच्छुक खेल विभाग के आकाशा थापा से संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर उपप्राचार्य श्रीमती अश्विनी सनपुरकर तथा छात्र उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सेना की आर्टिलरी...

इन्होंने ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकेडमी, चेन्नई में अपनी ट्रेनिंग पूरी की। ट्रेनिंग में महिला अधिकारियों ने पुरुषों के बराबर ही चुनौतियां का सामना किया। पोस्टिंग के दौरान इन्हें चुनौती भरी परिस्थितियों में ट्रेनिंग और एक्सपोजर दिया जाएगा।

इंडियन आर्मी ने बताया कि ट्रेनिंग में जुड़वा भाई अजय सिंह गिल और अर्जुन सिंह भी शामिल हुए। अजय स्वॉर्ड ऑफ ऑनर के साथ पास आउट हो गए हैं। वहीं, अर्जुन 6 महीने बाद पास आउट होंगे। सेना ने कहा कि अपने बेटों को देश की सेवा में समर्पित करने वाले माता-पिता को हम सलाम करते हैं।

जनवरी में आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे ने आर्टिलरी रेजिमेंट में महिला अफसरों को शामिल करने के प्रस्ताव की घोषणा की थी। बाद में केंद्र सरकार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

आनंद मोहन को फिर...

आनंद मोहन की रिहाई के खिलाफ अमर ज्योति नामक एक युवक ने बुधवार को पटना हाईकोर्ट में पीआईएल दायर किया है। कारागार अधिनियम 2012 को संशोधित कर सरकार ने जो अधिपत्र निकाला है। उसके खिलाफ याचिका दायर की गई है। अमर ज्योति (30) भोजपुर के पीरो का रहने वाले हैं। कोर्ट से सरकार की ओर से जारी उस अधिपत्र को निरस्त करने की अपील की है।

गोपालगंज के डीएम जी कृष्णैया की हत्या में बाहुबली आनंद मोहन की रिहाई से बिहार की ब्यूरोक्रेसी में खलबली है। आईएएस एसोसिएशन भी विरोध में उतर आया है। आईएएस एसोसिएशन ने सरकार से अपने फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की है। उनका कहना है कि ऐसे फैसलों से अधिकारियों का मनोबल टूटेगा।

आनंद को हाईकोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके तहत उन्हें 14 साल की सजा हुई थी। आनंद ने सजा पूरी कर ली थी, लेकिन मैनुअल के मुताबिक, सरकारी कर्मचारी की हत्या के मामले में दोषी को मरने तक जेल में ही रहना पड़ता है। नीतीश सरकार ने इसमें बदलाव कर दिया। इसका संकेत जनवरी में नीतीश कुमार ने एक पार्टी इवेंट में मंच से दिया था कि वो आनंद मोहन को बाहर लाने की कोशिश कर रहे हैं। 10 अप्रैल को राज्य सरकार ने इस मैनुअल में बदलाव कर दिया।

आनंद मोहन समेत 27 दोषियों की रिहाई के आदेश सोमवार को जारी कर दिए गए। आनंद मोहन पर 3 और केस चल रहे हैं। इनमें उन्हें पहले से बेल मिल चुकी है।

गुजरात ने जमाई जीत की हैट्रिक, टेबल टॉपर बना

कोलकाता को होम ग्राउंड पर 7 विकेट से हराया, विजय की आतिशी फिफ्टी

कोलकाता, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग-16 में जीत की हैट्रिक जमाई है। टीम ने कोलकाता नाइट राइडर्स को उसी के होम ग्राउंड में 7 विकेट से हराया।

इस जीत से गुजरात की टीम अंक तालिका के टॉप पर आ गई है। उसके नाम सबसे ज्यादा 12 अंक हैं। देखें पॉइंट्स टेबल

कोलकाता के ईडन गार्डन स्टेडियम में गुजरात ने टॉस जीतकर बॉलिंग करने का फैसला किया है। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 179 रन बनाए। 180 रनों का टारगेट गुजरात ने 00 ओवर में 00 विकेट पर हासिल कर लिया।

आज डबल हेडर डे है। दिन का दूसरा मुकाबला अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जा रहा है।

16 ओवर के बाद गुजरात का

स्कोर 142/3 रन था। कप्तान नीतीश राणा ने वरुण चक्रवर्ती को बॉल थमाई। उनके ओवर में विजय शंकर 3 छक्के जड़ दिए और मिलर के साथ 24 रन जोड़े। इसके बाद मैच पूरी तरह गुजरात के खेमे में चला गया। 17 ओवर के बाद जरूरी रन रेट 4.6 पर पहुंच गया।

ऐसे गिरे गुजरात के विकेट..

पहलाः 5वें ओवर की पहली बॉल पर रसेल ने ऋद्धिमान साहा को हर्षित राणा के हाथों कैच कराया। दूसराः 11वें ओवर की चौथी बॉल पर हर्षित राणा ने कप्तान हार्दिक पंड्या को एलबीडब्ल्यू कर दिया। तीसराः 12वें ओवर की दूसरी बॉल पर सुनील नरेन ने गिल को आंद्रे रसेल के हाथ कैच कराया। कप्तान हार्दिक पंड्या और शुभमन गिल के बीच दूसरे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी हुई। दोनों ने 39 बॉल पर 50 रन बनाए। इस साझेदारी को युवा गेंदबाज हर्षित राणा ने तोड़ा। उन्होंने पंड्या को आउट किया। 180 रन का टारगेट चेज करते हुए गुजरात ने औसत शुरुआत की। टीम ने 6 ओवर के खेल में 52 रन बनाने में ऋद्धिमान साहा का विकेट गंवा दिया। साहा 10 रन बनाकर रसेल का शिकार बने। कोलकाता के ईडन गार्डन स्टेडियम में गुजरात ने टॉस जीतकर बॉलिंग करने का फैसला किया है। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 179 रन बनाए।

ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज (81 रन) ने सीजन का दूसरा अर्धशतक जमाया। आंद्रे रसेल ने 18 बॉल पर 34 रन की पारी खेली। मोहम्मद शमी ने तीन विकेट झटके, जबकि नूर अहमद और जोशुआ लिटिल को दो-दो विकेट मिले।

एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में चिराग-सात्विक ने दोहराया इतिहास

मेंस डबल्स कैटेगरी में 52 साल बाद भारत का मेडल पक्का, इंडोनेशियाई जोड़ी को हराया

दुबई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी की जोड़ी ने शुक्रवार रात एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप में 52 साल पुराना इतिहास दोहराया है। इस जोड़ी ने 1971 के बाद भारत के लिए इस टूर्नामेंट में मेंस डबल कैटेगरी का मेडल पक्का किया है।

इससे पहले 1971 में दीपू घोष और रमन घोष ने जकार्ता में टूर्नामेंट की मेंस डबल्स कैटेगरी का ब्रॉन्ज जीता था।

इंडोनेशियाई जोड़ी को सीधे सेटों में हराया

दुबई में चल रही प्रतियोगिता में भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया के मोहम्मद अहसान और हेंड्रा सेतियावान की जोड़ी को सीधे गेम में 21-11, 21-12 में हराया। दोनों भारतीय स्टार ने सेमीफाइनल में प्रवेश करते हुए मेडल पक्का कर लिया।

ओलिंपिक के अलावा बैडमिंटन के तमाम टूर्नामेंट में सेमीफाइनलिस्ट को हर कैटेगरी ब्रॉन्ज मैडल दिया जाता है। ऐसे में अगर हमारे शटलर्स सेमीफाइनल हार जाते हैं तो भी उन्हें ब्रॉन्ज मेडल मिल जाएगा।

सिंगल्स कैटेगरी में पीवी सिंधु और एचएस प्रणौय क्वार्टर फाइनल मुकाबले हार गए। साथ ही मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर और सिक्की रेड्डी भी हार कर बाहर हो गए हैं।

पीवी सिंधु 3 सेट में हारी

सिंधू ने पहले गेम में 21-18 से बाजी मारी लेकिन अगले दो गेम में वह पूरी तरह से आउट ऑफ फॉर्म दिखी। वह 5-21 9-21 से लगातार दो सेट में हार गई और यंग को सेमीफाइनल में जगह दिलाई।

एचएस प्रणौय चोटिल

वर्ल्ड रैंकिंग में 8वें नंबर पर एचएस प्रणय मेंस सिंगल के क्वार्टर फाइनल में जापान के कांता सुनेयामा के खिलाफ अपने मैच को बीच में ही छोड़ कर बाहर हो गए। प्रणय 11-21 9-13 से पिछड़ रहे थे, जब वह चोट के कारण रिटायर हो गए।

रोहन-सिक्की रोमांचक मुकाबलें में हारे

मेंस डबल्स में भारत के रोहन कपूर और एन सिक्की रेड्डी ने इंडोनेशिया के देजन फर्डिनस्याह और ग्लोरिया इमानुएल विदजाजा के खिलाफ कड़ा संघर्ष दिखाया, लेकिन तीन गेम के क्लोज कॉन्टेस्ट के बाद भी वे हार गए। क्वार्टरफाइनल में उन्हें 18-21, 21-19 और 15-21 के अंतर से हार का सामना करना पड़ा।

लखनऊ ने आईपीएल का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया

इतिहास में 6 बार 240+ रन बने, आरसीबी-सीएसके टॉप पर

खेल डेस्क, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग में शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स ने टूर्नामेंट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बना दिया। टीम ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मोहाली में 5 विकेट पर 257 रन बनाए। आईपीएल में उनसे ज्यादा स्कोर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ही बना सकी है। टीम ने 10 साल पहले पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ यह कारनामा किया था।

फटाफट क्रिकेट फॉर्मेट के इस फ्रेंचाइजी लीग टूर्नामेंट में 950 से ज्यादा मैचों के बाद भी अब तक 6 ही बार 240 से ज्यादा के स्कोर बन सके हैं। लेकिन इस सीजन के 38वें मैच में ही 20 बार 200 से ज्यादा रन बन चुके हैं। आगे स्टोरी में हम IPL इतिहास के टॉप-6 स्कोर जानेंगे। उन मैचों के टॉप प्लेयर्स, विपक्षी टीम का स्कोर, स्टेडियम और प्लेयर ऑफ द मैच के प्रदर्शन पर भी नजर डालेंगे।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु-248/3

चेन्नई के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के नाम ही टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 24 बार 200 से ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। टीम में एबी डिविलियर्स, क्रिस गेल, विराट कोहली और अब ग्लेन मैक्सवेल जैसे बैटर्स ने इतने बड़े स्कोर बनाने में अच्छा खासा योगदान दिया। आरसीबी ने 2016 के सीजन में गुजरात लायंस के खिलाफ 3 ही विकेट खोकर 248 रन बना दिए थे।

14 मई को होम ग्राउंड एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी आरसीबी की शुरुआत खराब रही, क्रिस गेल पावरप्ले में ही 13 गेंद पर 6 रन बनाकर बोल्ड हो गए। नंबर-3 पर उतरे एबी डिविलियर्स ने कप्तान विराट कोहली के साथ पारी संभाली और सेट होने के बाद बड़े-बड़े शॉट्स लगाने शुरू कर दिए। दोनों ने महज 97 बॉल पर 229 रन की पार्टनरशिप कर डाली।

कोहली 55 गेंद पर 109 रन बनाकर आउट हुए, जबकि एबी ने 52 गेंद पर 129 रन की नॉटआउट पारी खेली। विराट ने 8 और डिविलियर्स ने मैच में 12 छक्के लगाए। गुजरात ने 7 गेंदबाज आजमाए, जिनमें से 6 ने 10 से ज्यादा के इकोनॉमी से रन लुटाए। चाइनामैन बॉलर शिविल कौशिक के तो 3 ही ओवर में 50 रन बन गए, जबकि ड्वेन ब्रावो ने 3 ओवर में 46 रन दिए थे।

249 रन के विशाल टारगेट का पीछा करने उतरी गुजरात की टीम 18.4 ओवर में 104 रन पर ही ढेर हो गई। टीम के 3 ही बैटर्स 10 से ज्यादा रन बना सके। बेंगलुरु से क्रिस जॉर्डन ने 4 और युजवेंद्र चहल ने 3 विकेट लिए। जबकि सचिन बेबी ने 4 ही गेंदों पर 2 विकेट लेकर लायंस की पारी खत्म कर दी और टीम को 144 रन की बड़ी जीत दिलाई।

लखनऊ सुपरजायंट्स-257/5

लखनऊ सुपरजायंट्स ने शुक्रवार को ही पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। टीम ने मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में होम टीम के खिलाफ 20 ओवर में 5 विकेट पर 257 रन बनाए। आईपीएल में दूसरी बार ही 250 रन का आंकड़ा भी पार हुआ है।

28 अप्रैल को टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी लखनऊ ने पावरप्ले में ही कप्तान केएल राहुल का विकेट गंवा दिया। लेकिन इससे टीम के स्कोर पर कोई फर्क नहीं पड़ा। ओपनर काइल मेयर्स ने पावरप्ले में ही फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने 24 गेंद पर 7 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 54 रन बनाए। नंबर-3 पर उतरे आयुष बडोनी ने मार्कस स्टोइनिस के साथ 89 रन की पार्टनरशिप की।

बडोनी 24 गेंद पर 43 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद उतरे निकोलस पूरन ने भी आक्रामक रुख जारी रखा और 19 गेंद पर ही 45 रन बना दिए। टीम से स्टोइनिस ने सबसे ज्यादा 72 रन बनाए। पंजाब ने 7 बॉलर्स आजमाए, जिनमें से 6 ने 12 से ज्यादा के इकोनॉमी रेट से रन दिए। अर्शदीप सिंह और कगिसो रबाडा के स्पेल में तो 50 प्लस रन बने।

258 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पंजाब ने 31 रन पर ही 2 विकेट गंवा दिए। लेकिन नंबर-3 पर उतरे अथर्व तायड़े ने 36 गेंद पर 66 रन की पारी खेल टीम को मैच में बनाए रखा। बाकी बैटर्स में सिकंदर रजा ने 36, लियाम लिविंगस्टोन ने 23, जितेश शर्मा ने 24 और सैम करन ने 21 रन बनाए। लेकिन ये स्कोर टीम की जीत के लिए काफी नहीं थे, पंजाब 19.5 ओवर में 201 रन बनाकर ही ऑलआउट हो गई।

IPL इतिहास के सबसे बड़े स्कोर

स्कोर	टीम	खिलाफ	कब	कहां
263/5	RCB	PWI	2013	बेंगलुरु
257/5	LSG	PBKS	2023	मोहाली
248/3	RCB	GL	2016	बेंगलुरु
246/5	CSK	RR	2010	चेन्नई
245/5	KKR	KXIP	2018	इंदौर
240/5	CSK	KXIP	2008	मोहाली

लखनऊ ने 9 गेंदबाज आजमाए, जिनमें यश ठाकुर ने 4 और नवीन-उल हक ने 3 विकेट लिए। रवि बिश्नोई को 2 और प्लेयर ऑफ द मैच स्टोइनिस को एक विकेट मिला।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु-263/5

शुक्रवार को लखनऊ सुपरजायंट्स की बैटिंग देख कर लग रहा था कि आईपीएल इतिहास के सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड टूट जाएगा। लेकिन एलएसजी की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के 10 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने से 7 रन पीछे रह गई। आरसीबी ने 2013 में क्रिस गेल की विस्फोटक पारी के दम पर पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ 5 विकेट पर 263 रन का स्कोर खड़ा किया था।

23 अप्रैल को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पुणे ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी। बेंगलुरु से गेल ने 30 गेंदों पर ही शतक जड़ दिया। उन्होंने पुणे के 2 गेंदबाजों को छोड़कर किसी को भी नहीं बख्शा, गेल 66 गेंद पर 175 रन बनाकर नॉटआउट रहे। उनका ये स्कोर IPL का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर भी है। इस पारी में उन्होंने 17 छक्के और 13 चौके लगाए थे।

गेल के बाद एबी डिविलयर्स ने भी डेथ ओवर्स में 8 गेंदों पर 3 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 31 रन बना दिए। गेल के साथी ओपनर तिलकरत्ने दिलशान ने इस मैच में 36 गेंद पर महज 33 रन बनाए थे, अगर वे भी तेजी से रन बनाते तो स्कोर 280 के पार भी जा सकता था। पुणे के गेंदबाजों में भुवनेश्वर कुमार और ल्युक राइट ने ही 4 ओवर में 6 से कम के इकोनॉमी रेट से रन दिए थे।

भुवी और राइट के अलावा पुणे के 5 बॉलर्स ने 12 ओवर फेंके। इनमें ईश्वर पांडे ने 2 ओवर में 33, अशोक डिंडा ने 4 ओवर में 48, मिचेल मार्श ने 3 ओवर में 56, अली मुर्तजा ने 2 ओवर में 45 और ऐरन फिंच ने एक ओवर में 29 रन दिए थे। मुर्तजा और मार्श के एक ओवर में तो गेल ने 28-28 रन भी बनाए थे। फिंच के ओवर में उन्होंने 5 गेंदों पर 4 छक्के और एक चौका लगाया था।

264 रन के विशाल टारगेट के सामने पुणे 20 ओवर में 9 विकेट पर 133 रन ही बना सकी और 130 रन से मैच हार गई। स्टीव स्मिथ ने 31 गेंद पर 41 और मार्श ने 23 गेंद पर 24 रन की बेहद धीमी पारियां खेलीं। बेंगलुरु ने 6 गेंदबाज आजमाए और सभी को विकेट मिले। गेल ने एक ही ओवर में 2 विकेट झटके। उन्हें बॉलिंग और बैटिंग में ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला था।

टी-20 इंटरनेशनल का रिकॉर्ड अब तक बरकरार

लखनऊ की टीम आरसीबी के 263 रन के स्कोर के पास पहुंची, लेकिन रिकॉर्ड नहीं तोड़ सकी। आईपीएल वैसे तो फ्रेंचाइजी टी-20 क्रिकेट की सबसे बड़ी लीग है, लेकिन टूर्नामेंट में अब तक टी-20 इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर नहीं बना है। टी-20 में सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड अफगानिस्तान और चेक रिपब्लिक के नाम है।

अफगानिस्तान ने फरवरी 2019 में आयरलैंड के खिलाफ 3 विकेट पर 278 रन बनाए थे। वहीं चेक रिपब्लिक ने अगस्त 2019 में टर्की के खिलाफ 4 विकेट पर 278 रन बनाए थे। टॉप टीमों में ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में 263 रन बनाए हैं, जबकि श्रीलंका और भारत के नाम 260 रन के स्कोर हैं। श्रीलंका ने केन्या, जबकि ऑस्ट्रेलिया और भारत ने श्रीलंका के खिलाफ ये स्कोर बनाए थे।

बेंगलुरु-पंजाब के खिलाफ 24-24 बार 200 रन बने

आईपीएल में बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी और चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम पर सबसे ज्यादा बार 200 से ज्यादा रन बनते हैं। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स के नाम सबसे ज्यादा बार पारी में 200 से ज्यादा रन बनवाने का रिकॉर्ड दर्ज है। दोनों के खिलाफ आईपीएल में टीमों ने 24-24 बार 200 रन के आंकड़े को पार किया है।

चेन्नई सुपर किंग्स के नाम सबसे ज्यादा 26 बार एक पारी में 200 से ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड दर्ज है। उनके बाद बेंगलुरु ने 24 बार आईपीएल की एक पारी में 200 प्लस रन बनाए हैं।

बृजभूषण के आरोपों पर विनेश का पलटवार

सिंह ने पूछा- मैं इतना ही बुरा तो शादी का कार्ड क्यों दिया? विनेश बोलीं: जबरदस्ती लिया था

पानीपत, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के सिलसिले में दो FIR दर्ज हो चुकी है। जिसके बाद इस मामले में कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष ने खुद सामने आकर अपना बचाव किया और पहलवानों पर साजिश रचने का आरोप लगाया। अब पहलवान विनेश फोगाट ने बृजभूषण सिंह के आरोपों पर पलटवार किया है। विनेश ने कहा कि मैंने केवल 4 नेशनल नहीं खेले हैं। बीते 14 साल में, मैंने पहले भी नेशनल खेला और आज भी खेलूंगी।

बजरंग और बाकी लोग भी ट्रायल देकर ही गए थे, कोई भी खिलाड़ी देश से बड़ा नहीं है। नेशनल के नियम बदलने की बात बेबुनियाद और झूठी है। वहीं बजरंग पूनिया ने

कहा कि शिकायतकर्ता नाबालिग है ये बात बृजभूषण को आखिर कैसे पता चली, हम ये सवाल पूछना चाहते हैं। बृजभूषणः विनेश फोगाट ने अपनी शादी का कार्ड दिया था, मैं उन्हें आशीर्वाद देने गया था। अगर मैं ऐसा ही था तो विनेश ने मुझे शादी में क्यों बुलाया..? विनेशः उन्होंने कार्ड भी जबरदस्ती लिया था। दरअसल जब मैं अन्य पदाधिकारियों और खिलाड़ियों को कार्ड दे रही थी तो तब बृजभूषण ने कहा था अच्छा मुझे कार्ड नहीं देगी, तेरी इतनी हिम्मत हो गई, जो मुझे कार्ड नहीं दे रही है। मुझे कुश्ती लड़नी थी, इसलिए मैंने उनके इस तंज से परेशान होकर अपनी शादी का कार्ड दिया था। बृजभूषणः धरने पर बैठे ये कुछ खिलाड़ी मुझे जेल भेजना चाहते हैं।

विनेशः हम उन्हें जेल भिजवाने वाले कोई नहीं है। यह उनके कर्म हैं, जिनकी उसे सजा मिलेगी ही। अगर अच्छे कर्म करोगे तो देश मान सम्मान देगा और अगर बुरे कर्म होंगे तो परमात्मा दंड अवश्य ही देगा। पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा कि हम संवैधानिक पदों पर बैठे सभी लोगों का मान सम्मान करते हैं. हम कोई ऐसी बात नहीं कहते हैं कि उनके मान सम्मान को चोट पहुंचे. लेकिन हमारा भी मान सम्मान है, हमारा भी सम्मान है. इस बात का जवाब दें कि कैसे कमेटी की गोपनीय बातें उन तक पहुंची. यहां का बिजली , पानी तक काट दिया गया और बेड और बिस्तर भी नहीं है. पहले हमारी मजबूरी थी कि हम नहीं बोल पाए. बृजभूषण ने कहाः आज तक कही शिकायत क्यों नहीं दी, सीधा जंतर-मंतर ही क्यो ? धरने पर बैठे पहलवानों के आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि इस्तीफा देना उनके लिए कोई बहुत बड़ी बात नहीं है, किन्तु वह अपराधी बनकर इस्तीफा नहीं देंगे।

बृजभूषण ने कहा ,''मैं पूरी तरह से निर्दोष हूं और मुझे सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली पुलिस पर पूरा भरोसा है। मैं हर तरह की जांच का सामना करने को तैयार हूं। "बृजभूषण ने कहा, "महिला पहलवानों की सभी मांगें मान ली गई हैं, मेरे खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है, फिर भी वे धरने पर बैठे हैं. क्यों?'

उन्होंने कहा कि उनका कार्यकाल पूरा हो चुका है और महासंघ के अध्यक्ष के चुनाव के साथ अपने आप ही इस्तीफा हो जाएगा।

नए चुनाव तक वह सिर्फ कार्यवाहक की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने सवाल दागा कि यदि वह पिछले 12 साल से खिलाड़ियों का यौन शोषण कर रहे था, तो वे आज तक कभी पुलिस स्टेशन, फेडरेशन अथवा सरकार के पास शिकायत लेकर क्यों नहीं गए? सीधा जंतर-मंतर पर धरना देने क्यों पहुंच गए?

एंड्रयू स्ट्रॉस छोड़ेंगे इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड

खेल डेस्क, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने घोषणा की है कि एंड्रयू स्ट्रॉस स्ट्रेटेजिक एडवाइजर और परफॉर्मेंस क्रिकेट कमेटी के अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका से हटेंगे।

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने घोषणा की है कि एंड्रयू स्ट्रॉस स्ट्रेटेजिक एडवाइजर और परफॉर्मेंस क्रिकेट कमेटी के अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका से हटेंगे। ये शुक्रवार को बोर्डरूम-स्तर के बदलावों का एक हिस्सा है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान स्ट्रॉस सितंबर 2020 से दोनों भूमिका निभा रहे थे। उन्हें सम्मानित शख्सियत के रूप में माना जाता है। कई मौजूदा खिलाड़ियों के साथ उनके मजबूत संबंध बताए जाते हैं। उन्होंने पहले 2015 और 2018 के बीच इंग्लैंड

के क्रिकेट के निदेशक के रूप में भी कार्य किया।

स्ट्रॉस हाल ही में 2021-22 एशेज में 4-0 की हार के बाद हाई-परफॉर्मेंस रिव्यू में भी शामिल रहे। जिसमें अंग्रेजी क्रिकेट के लिए 17 सिफारिशें निर्धारित की गईं।

हालांकि समीक्षा के दो प्रमुख मुद्दे – काउंटी चैम्पियनशिप मैचों की कमी और घरेलू सीमित ओवरों के क्रिकेट के लिए विंडो जैसे सुझावों को पारित नहीं किया गया। स्ट्रॉस ने ईसीबी से आगे बढ़ने का विकल्प चुना है। वह आधिकारिक तौर पर अगले महीने बोर्ड की मीटिंग के बाद पद छोड़ देंगे।

एक बयान में स्ट्रॉस ने कहा- मैंने ईसीबी में अपने समय का वास्तव में आनंद लिया है और इंग्लैंड की टीमों के लिए योगदान देने पर मुझे गर्व है। संगठन के बाहर बढ़ते कमिटमेंट्स के साथ मैंने ये कदम उठाने का फैसला किया है। मैं नए बोर्ड को शुभकामनाएं देता हूं क्योंकि यह हमारे खेल को विकसित करने के अपने मिशन में जारी है।" ईसीबी ने बोर्ड में चार नए गैर-कार्यकारी निदेशकों को भी शामिल किया है। इसमें पेनी एविस, बैरोनेस ज़ाहिदा मंज़ूर, जेनिफर ओवेन एडम्स और गैरेथ विलियम्स के नाम शामिल हैं।

धरने पर रेसलर्स का रोजाना 1 लाख खर्चा: पहले किराए पर लिए गद्दे-स्पीकर अब सारा सामान खरीद रहे; विनेश फोगाट के पति देख रहे व्यवस्था

पानीपत, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे पहलवानों को बुनियादी जरूरतें महंगी साबित हो रही हैं। पिछले 5 दिनों में गद्दे, चादर, पंखे, स्पीकर, माइक्रोफोन, पानी और खाने के अलावा एक छोटे जनरेटर की व्यवस्था पर पहलवानों के 5 लाख रुपए से अधिक खर्च हो चुके हैं।

पहलवानों ने शुरुआत में गद्दे, चादर और साउंड सिस्टम किराए पर लिए थे, जिसके लिए उन्हें हर दिन 27 हजार खर्च करने पड़ रहे थे। पहलवानों को महसूस हुआ कि अगर उन्हें लंबे समय तक बैठना पड़ा तो छोटी-छोटी चीजों की व्यवस्था करना एक बड़ा वित्तीय बोझ बन जाएगा।

विनेश फोगाट के पति सोमवीर राठी ने कहा, 'इसलिए हमने गद्दे खरीदने का फैसला किया। उन्होंने अपने गांव खरखौदा से 50 हजार रुपए देकर 80 गद्दे खरीदे। उनसे प्रतिदिन गद्दे के लिए 12 हजार रुपए का किराया लिया जा रहा था। यह बहुत बड़ी रकम है।

पहलवान दे रहे हर दिन किराया

विनेश के पति सोमवीर राठी ने बताया, 'शुरू में हमने स्पीकर और माइक्रोफोन किराए पर लिए थे, लेकिन एक दिन की लागत 12 हजार रुपए थी। यह बहुत अधिक थी। अब हमने चांदनी चौक बाजार से अपना साउंड सिस्टम 60 हजार रुपए में खरीदा है।

दुकानदार पहलवानों के बारे में जानता था, इसलिए उसने हमें इसे बिना कोई मुनाफा कमाए बेचा। पंखे और जनरेटर अब भी किराए पर है। दोनों के लिए उन्हें हर दिन 10 हजार रुपए खर्च करने पड़ते हैं। उन्होंने कहा, जरूरत पड़ी तो हम कूलर खरीद लेंगे। बाहर बहुत गर्मी है। हम अपने साथ 2 लाख रुपए कैश लाए थे, लेकिन अब तक लगभग 5-6 लाख रुपए खर्च कर चुके हैं।

पहलवानों ने आपस में बांटा काम

विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया इस विरोध के 3 बड़े चेहरे हैं। सोमवीर, उनके दोस्त योगेश और कई अन्य लोग विरोध को जारी रखने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। सोमवीर ने कहा, 'हमने काम आपस में बांट लिया है। कुछ कोच यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि रसोइयों द्वारा गुणवत्ता पूर्ण भोजन तैयार किया जाए, जबकि युवा पहलवान विरोध स्थल पर भोजन पहुंचा रहे हैं। कुछ लोग यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि पानी की आपूर्ति निर्बाध हो। किसी को सफाई का ध्यान रखने की जिम्मेदारी दी गई है।

गोवा में अक्तूबर में होने वाले राष्ट्रीय खेलों का पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन, पीटी उषा ने की बैठक

पणजी, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। खेलों का उद्घाटन समारोह दक्षिण गोवा के फतोर्डा में स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। आईओए प्रमुख उषा ने कहा कि गोवा राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी के लिए तैयार है। राज्य में अक्तूबर 2023 में होने वाले राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। सावंत इन खेलों की तैयारियों के संबंध में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा के साथ बैठक करने के बाद संवाददाताओं से बात कर रहे थे। गोवा के खेल मंत्री गोविंद गौड़े ने भी बैठक में हिस्सा लिया। सावंत ने कहा, 'राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन समारोह 23 या 24 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। यह प्रधानमंत्री के कार्यक्रम पर निर्भर करेगा।'

केंद्रीय मंत्री ने 'गंगा पुष्करला यात्रा' भारत गौरव ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया

10 जून 2023 से माता वैष्णोदेवी, हरिद्वार, ऋषिकेश के लिए भारत गौरव ट्रेन

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री जी किशन रेड्डी ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर "गंगा पुष्करला यात्रा: पुरी-काशी-अयोध्या" भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दमरे, अभय कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल, पी. राज कुमार, जीजीएम, आईआरसीटीसी के साथ-साथ रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत गौरव ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बोलते हुए केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि भारतीय रेलवे भारत गौरव ट्रेनों की शुरुआत के साथ पूरे भारत में तीर्थयात्रियों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शानदार ऐतिहासिक स्थानों को भारत के लोगों और दुनिया के लोगों के सामने प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर प्रदान कर रहा है।

एससीआर से भारत गौरव ट्रेन का तीसरा फेरा

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वर्तमान भारत गौरव ट्रेन की तीसरी यात्रा 22 अप्रैल से 3 मई, 2023 तक पवित्र नदी गंगा में पवित्र पुष्करालु के साथ मेल खाती है। ट्रेन दोनों तेलुगु राज्यों के तीर्थयात्रियों को दमरे के अधिकारियों के अनुसार सिकंदराबाद, काजीपेट, खम्मम, विजयवाड़ा, एलुरु, राजमंड्री, समालकोट, विशाखापत्तनम और विजयनगरम में बोर्डिंग/डी-बोर्डिंग सुविधा प्रदान करके एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। ट्रेन तीर्थयात्रियों को हिंदुओं के कुछ सबसे पवित्र धार्मिक स्थलों जैसे काशी, अयोध्या, पुरी, कोणार्क, प्रयागराज और गया की यात्रा पर ले जाएगी पुरी भगवान जगन्नाथ मंदिर, कोणार्क, सूर्य मंदिर और समुद्र तट, गया विष्णु पाद मंदिर, वाराणसी काशी विश्वनाथ मंदिर और गलियारा, काशी विशालाक्षी और अन्नपूर्णा देवीमंदिर, संध्या गंगा आरती, अयोध्या सरयू नदी पर राम जन्म भूमि, हनुमानगढ़ी और आरती प्रयागराज त्रिवेणी संगम, हनुमान मंदिर और शंकर विमान मंडपम को कवर करेगी।

भारत गौरव ट्रेनों को दो तेलुगु राज्यों के लोगों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। भारतीय रेलवे का उद्देश्य भारत की विशाल पर्यटन क्षमता का दोहन करने के लिए तीर्थाटन आधारित ट्रेनों को चलाने के लिए पर्यटन क्षेत्र के पेशेवरों की मुख्य ताकत का लाभ उठाना है। उन्होंने यह भी कहा कि रेलवे 10 जून से 18 जून, 2023 तक हरिद्वार-ऋषिकेश भारत गौरव पर्यटन ट्रेन के साथ माता वैष्णोदेवी भी शुरू कर रहा है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दमरे ने कहा कि ट्रेन तीर्थयात्रियों को सांस्कृतिक रूप से प्रमुख स्थानों पर जाने के लिए व्यक्तिगत यात्रा कार्यक्रम की योजना बनाने की परेशानी के बिना एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि भारत गौरव ट्रेनें सबसे सुविधाजनक तरीके से पर्यटक यात्रियों की इच्छा को पूरा करने के साथ-साथ देश में पर्यटन के विकास को बढ़ावा देंगी। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के दो तेलुगु राज्यों से तीसरी भारत गौरव ट्रेन ने आज सिकंदराबाद स्टेशन से अपनी यात्रा शुरू की। स्टेशन परिसर में उत्सव का माहौल था जहां रेल यात्रियों का पारंपरिक स्वागत किया गया और कुचिपुड़ी नर्तकियों ने दो तेलुगू राज्यों की सांस्कृतिक विरासत को उजागर किया। भारत गौरव ट्रेनों की शुरूआत दो तेलुगु राज्यों में रेल यात्रियों को बेहतर ट्रेन सेवाएं प्रदान करने के लिए भारतीय रेलवे के निरंतर प्रयास का एक प्रमाण है।

यह ट्रेन दोनों तेलुगु भाषी राज्यों के तीर्थयात्रियों को एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। अब तक, दो ट्रिप (18 मार्च और 18 अप्रैल 2023 को) पहले ही इस पहल के तहत संचालित की जा चुकी हैं और ट्रेन पूरी तरह से बुक होने के साथ यात्रियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया देखी गई है। पहले से ही, चौथी और 5वीं यात्रा की भी घोषणा की जा चुकी है जो क्रमशः 13 मई 2023 और 27 मई 2023 को शुरू होगी।

डिग्री विद्यार्थियों के लिए कौशल विकास पाठ्यक्रम अगले वर्ष से

पाठ्यक्रम को लेकर कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। द्वितीय और अंतिम वर्ष के डिग्री छात्र अगले शैक्षणिक वर्ष से ऐच्छिक के भाग के रूप में डोमेन विशिष्ट कौशल विकास पाठ्यक्रम का विकल्प चुन सकते हैं। तेलंगाना स्टेट काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन और राज्य विश्वविद्यालय सेक्टर स्किल काउंसिल, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू करने पर काम कर रहे हैं, जो छात्रों को कोर्सवर्क के दौरान पेड इंटर्नशिप और कोर्स पूरा होने के बाद नौकरी की गारंटी देने में मदद करेगा। डिग्री हासिल करने के इच्छुक छात्र बीबीए रिटेल मैनेजमेंट या लॉजिस्टिक्स या बीएससी इन हेल्थकेयर, बीएससी अपैरल एंड गारमेंट मेकिंग, बीए क्रिएटिव राइटिंग या एंटरटेनमेंट जैसे स्किल डेवलपमेंट कोर्स पहले साल में ही चुन सकते हैं, जबकि दूसरे और तीसरे साल के छात्रों को ये कोर्स ऑफर किए जाएंगे। जबकि डिग्री कोर्स में 160 क्रेडिट हैं, दूसरे और तीसरे छात्र सेक्टर स्किल काउंसिल के पाठ्यक्रमों को पूरा करके अर्जित क्रेडिट को नियमित डिग्री में स्थानांतरित कर सकते हैं और उन्हें नियमित पाठ्यक्रम में अन्य विषयों को छोड़ने की अनुमति होगी। ये कोर्स सर्टिफिकेट और डिप्लोमा प्रोग्राम के तौर पर भी ऑफर किए जाएंगे। सेक्टर कौशल परिषदों में से 13 में से दस कौशल विकास पाठ्यक्रमों की पहचान पहले ही की जा चुकी है, जिन्हें अगले शैक्षणिक वर्ष से शुरू किया जाएगा।

इस संबंध में, तेलंगाना स्टेट काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन ने सेंटर फॉर रिसर्च इन स्कीम्स एंड पॉलिसीज के सहयोग से एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें आठ सेक्टर स्किल काउंसिल के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को अपने उद्योग की संभावनाओं और ऑफर, अप्रेंटिसशिप के बारे में प्रस्तुतियां दीं।

पारंपरिक विश्वविद्यालयों के कुलपति 1 मई को चुनिंदा सरकारी और निजी डिग्री कॉलेजों में अगले शैक्षणिक वर्ष से शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा के लिए मिलेंगे। शिक्षा विभाग के सचिव वी. करुणा, टीएससीएचई के अध्यक्ष प्रो. आर. लिम्बाद्री, पूर्व प्रधान आर्थिक सलाहकार, भारत सरकार, सुब्बा राव, पूर्व शिक्षा सचिव, भारत सरकार, आर. सुब्रमण्यम, कुलपति प्रो. डी. रविंदर, प्रो. एस मल्लेश, प्रो. सीएच गोपाल रेड्डी, और प्रो. एम विजुलता सहित अन्य ने कार्यशाला में भाग लिया।

खुले मेनहोल में गिरने से नौ वर्षीय बच्ची की मौत

जीएचएमसी ऑयुक्त ने दो अधिकारियों को निलंबित किया

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद में शनिवार सुबह खुले मेनहोल में गिरने से एक नौ साल की बच्ची की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार सिकंदराबाद के कलसीगुड़ा निवासी बच्ची मोनिका घर से दूध का पैकेट लेने के लिए निकली थी। इसी बीच वह मेनहोल में गिर गई और पानी के तेज बहाव के साथ बह गई। कुछ लोगों ने इसे देखा और इसकी जानकारी परिवार को दी।

घटना के बारे में पता चलने पर जीएचएमसी डीआरएफ टीम और स्थानीय पुलिस ने बड़े पैमाने पर खोज शुरू की। अंत में पार्क लेन में नाले में शव मिला। शव को गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है। उधर, सिकंदराबाद के कलसिगुड़ा में मेनहोल में फिसलकर गिरने पर लड़की की मौत के बाद ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के दो अधिकारियों को उनके कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया। जीएचएमसी आयुक्त डीएस लोकेश कुमार ने बेगमपेट सर्कल के सहायक अभियंता एम तिरुमलैया और कार्य निरीक्षक हरि कृष्ण को निलंबित कर दिया। उन्हें 10 दिनों के भीतर घटना के संबंध में एक सारांश रिपोर्ट देने के लिए भी कहा गया है।

महापौर ने घटनास्थल का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की महापौर गद्वाल विजयलक्ष्मी ने सिकंदराबाद के कलासिगुड़ा का दौरा किया, जहां खुले नाले में गिरकर नौ साल की बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। हालांकि, स्थल का निरीक्षण करने के बाद महापौर ने स्पष्ट किया कि यह खुला नाला नहीं था बल्कि कटाव के कारण ऐसा हो गया था। उन्होंने अपनी संवेदना व्यक्त की और लोगों से इस घटना के लिए जीएचएमसी को दोष न देने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में सड़क की मरम्मत का

मृत मौनिका

काम चल रहा था। श्रमिकों ने कार्य क्षेत्र को घेरने के लिए बैरिकेड्स लगा दिए थे। दुर्भाग्य से, कुछ दुकानदारों ने अपने व्यवसाय के लिए बैरिकेड्स हटा दिए थे, जिससे यह हादसा हुआ। उन्होंने चेतावनी दी कि बेरिकेड्स हटाने वालों को नोटिस जारी किया जाएगा। महापौर विजयलक्ष्मी ने दो लाख रुपये के अनुग्रह राशि पीड़ित परिवार को प्रदान करने की घोषणा की।

तूफानी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

कई जगहों पर तेज बहाव में बह गये वाहन

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में शनिवार सुबह तेज आंधी चली और शहर में भारी बारिश हुई। मूसलाधार बारिश राजेंद्रनगर में शुरू हुई और धीरे-धीरे चारमीनार, सरूरनगर, एलबी नगर और अंततः पूरे हैदराबाद में फैल गई। सुबह 7 बजे तक सिर्फ एक घंटे में, हिमायतनगर में 77.8 मिमी की भारी बारिश दर्ज की गई, इसके बाद सेरिलिंगमपल्ली में 71 मिमी, मल्काजगिरी में 64 मिमी, मुशीराबाद में 63.5 मिमी, शेखपेट में 61.8 मिमी और नामपल्ली में 61.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। सिकंदराबाद, उप्पल, आसिफनगर, बालानगर, खैरताबाद और अन्य क्षेत्रों में भी

तेज बारिश हुई। इस बार, हैदराबाद में 25 अप्रैल को तेज हवाओं, बारिश और गरज के साथ हुई बारिश की तुलना में कम हवा के साथ बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग की माने तो हैदराबाद में तेज हवाओं के साथ तेज बारिश जारी रहने की संभावना है। तेज बारिश के कारण शहर के इलाकों में पानी भर गया। तेज पानी का बहाव अपने साथ कई बाइकों को बहा ले गया।

गांजा की तस्करी करने वाले पहुंचे सलाखों के पीछे

20 लाख का 65 किलोग्राम गांजा बरामद

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा की विशेष अभियान दल (एसओटी) मलकाजगिरी जोन और अब्दुलापुरमेट थाने की पुलिस अंतरराज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया। इस दौरान तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए लोगों के पास से 65 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। बरामद सामग्री की कीमत 20 लाख रुपए बताई जा रही है। राचकोंडा के पुलिस ऑयुक्त डीएस चौहान ने बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर, अब्दुल्लापुरमेट पुलिस के साथ मल्काजगिरी जोन की विशेष अभियान टीम ने हरियाणा राज्य के मूल निवासी तीन लोगों को गिरफ्तार किया। मौजूदा समय आरोपी बोवेनपल्ली में रह रहे है। गिरफ्तार आरोपियों में श्याम फूल, निवासी बृंदावन कॉलोनी, बोवेनपल्ली, हैदराबाद, प्रमोद कुमार निवासी हर्षवर्धन कॉलोनी, बोवेनपल्ली, हैदराबाद, प्रमोद कुमार पुत्र हरपूल सिंह निवासी बोवेनपल्ली शामिल है। जबकि मुख्य आरोपी बलराम उर्फ बल्लू भाई निवासी बोवेनपल्ली फरार है। पुलिस ऑयुक्त ने बताया कि सभी आरोपी हरियाणा राज्य के मूल निवासी हैं। वर्तमान में दो साल से बोवेनपल्ली, हैदराबाद में रह रहे हैं और बोवेनपल्ली में विभिन्न पैकर्स और मूवर्स कंपनियों में मजदूरी का काम कर रहे हैं। सभी लोगों ने एपी के सिलेरू में गांजा आपूर्तिकर्ताओं के साथ संपर्क बनाया और वहां से हैदराबाद तक गांजा पहुंचाने का काम कर रहे थे। शनिवार को सुबह-सुबह तीनों आरोपी अब्दुल्लापुरमेट पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत पेड्डा अंबरपेट में बस से उतरे और तीन सामान बैग के साथ ओआरआर के पास संदिग्ध रूप से चल रहे थे। विश्वसनीय सूचना पर एसओटी मलकाजगिरी जोन और अब्दुल्लापुरमेट पुलिस ने तीनों संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 65 किलोग्राम प्रतिबंधित सूखा गांजा जब्त किया।

चंद्रबाबू ने एनटीआर के लिए 'स्टेच्यू ऑफ तेलुगु प्राइड' की घोषणा की

विजयवाड़ा, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने विजयवाड़ा में दिवंगत अभिनेता और पूर्व यूनाइटेड एपी मुख्यमंत्री एनटी रामाराव के भव्य शताब्दी समारोह के दौरान भाषण दिया। इस कार्यक्रम में कई हजार पार्टी समर्थकों, एनटीआर परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों ने भाग लिया। अपने भाषण में, चंद्रबाबू ने तेलुगु लोगों के गौरव और प्रेरणा के निरंतर स्रोत के रूप में एनटीआर की प्रशंसा की। उन्होंने एनटीआर की विरासत का सम्मान करने के लिए "स्टेच्यू ऑफ तेलुगु प्राइड" नामक एनटीआर के लिए एक स्मारक स्थापित करने की योजना की घोषणा की। चंद्रबाबू नायडू ने भी भारत रत्न पुरस्कार प्राप्त करने के लिए एनटीआर के लिए लड़ने की कसम खाई और एनटीआर की विरासत से प्रेरणा लेकर दुनिया भर के तेलुगु लोगों के लिए शीर्ष स्थान पर पहुचने की इच्छा व्यक्त की।

ओमान के शाही परिवार के सदस्य का दौरा 5 मई से

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ओमान के सत्तारूढ़ अल-बुसैद वंश के सदस्य हिज हाइनेस सैय्यद फिरास बिन फातिक अल सैद 5 मई से 7 मई तक तेलुगु राज्यों का दौरा करेंगे। यह विश्व तेलुगु द्वारा आयोजित एक आगामी कार्यक्रम में होगा। सूचना प्रौद्योगिकी परिषद यह यात्रा सुदीप कुमार मक्ताला की ओमान की सफल यात्रा और बाद में शाही परिवार के सदस्य को दिए गए निमंत्रण का परिणाम है।

महामहिम सैय्यद फिरास बिन फातिक अल सईद ओमान की सल्तनत में वर्तमान शासक परिवार, अल-बुसैद राजवंश के सदस्य हैं। एचएच फिरास ओमान के व्यापार और राजनीतिक क्षेत्रों में एक सम्मानित व्यक्ति हैं। एचएच फिरास सचिवालय, विधानसभा, सालार जंग संग्रहालय और गोलकुंडा किले सहित तेलुगु राज्यों में विभिन्न स्थानों का दौरा करेंगे। यह यात्रा ओमान और तेलुगु राज्यों के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों का एक वसीयतनामा है, और हमें उनका स्वागत करते हुए खुशी हो रही है।

दो चेन स्नैचर गिरफ्तार, सोने की चेन बरामद

हैदराबाद, 29 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को राचकोंडा पुलिस ने एक महिला से सोने की चेन छीनने वाले दो चेन स्नैचरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से तीन तोले वजन की सोने की चेन व एक मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार व्यक्तियों पी कुरुमूर्ति (24) और एन गणेश (24), दोनों बालापुर के निवासी हैं। गुरुवार रात वनस्थलीपुरम में जेआरआर कॉलोनी में एक महिला से सोने की चेन छीन ली थी। पीड़ित राजेश्वरी सड़क पर टहल रही थी, तभी दोनों ने करीब तीन तोले वजन की सोने की चेन छीन ली। रचाकोंडा कमिश्नर डीएस चौहान ने कहा, "एक गुप्त सूचना के आधार पर, राचकोंडा स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एलबी नगर) ने उन्हें पकड़ लिया और सोने की चेन बरामद कर ली।" इसी क्रम में एक अन्य मामले में मल्काजगिरी पुलिस ने चेन छीनने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वालिगी दिनेश निवासी शादनगर, रंगारेड्डी और एक किशोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार एलिजाबेथ जोसेफ निवासी मिर्जालगुडा, मल्काजगिरी ने पुलिस को बताया कि दो अज्ञात अपराधियों ने उनके निवास पर आकर उनके गले से लगभग 10 ग्राम सोने की चेन छीन ली। महिला की शिकायत पर मल्काजगिरी पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मुख्य आरोपी दिनेश का पिछला अपराध इतिहास है और साइबराबाद कमिश्नरेट और महबूबनगर जिले में 6 स्नैचिंग अपराधों में शामिल था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.